धनबाद
मंगलवार 17.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-293 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-2
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

कांग्रेस पार्टी परिवार और वंशवाद की मदद करने के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही : वित्त मंत्री

राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान जमकर लगे आरोप प्रत्यारोप 0 खड़गे बोले संविधान जलाने वाले दे रहे नेहरू को गाली

नई दिल्ली(ईएमएस): राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने १ घंटे १९ मिनट की स्पीच दी। वित्त मंत्री ने कहा- कांग्रेस पार्टी परिवार और वंशवाद की मदद करने के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही। ये संशोधन लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नहीं बल्कि सत्ता में बैठे लोगों की रक्षा के लिए थे। इस प्रक्रिया का इस्तेमाल परिवार को मजबूत करने के लिए किया गया। वित्त मंत्री के जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी १ घंटे १९ मिनट का भाषण दिया। खड़गे ने कहा- जो लोग झंडे से नफरत करते हैं, जो लोग हमारे अशोक चक्र से नफरत करते हैं, जो लोग संविधान से नफरत करते हैं। ये आज हमें पाठ पढ़ा रहे हैं। जब ये संविधान बना, इन लोगों ने रामलीला मैदान में बाबा साहेब अंबेडकर का पुतला लगाकर संविधान को जलाया है। ये लोग अब नेहरू जी, इंदिरा जी और पूरे परिवार को गाली देते हैं।

खड़गे ने कहा कि जब कई शक्तिशाली देशों में सभी एडल्ट को वोट देने का अधिकार नहीं था, महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था, उस समय भारत ने सभी को मताधिकार दिया, महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया। यह कांग्रेस, संविधान द्वारा दिया गया था। आरएसएस, जनसंघ ने इसका विरोध किया था।

खड़गे ने कहा कि हमने पीएम मोदी की स्पीच सुनी। कहते हैं हमारी बातें जुमले वाली हैं। अरे सबसे बड़े झूठे तो आप हो। आपका १५ लाख पैसे का वादा क्या हुआ। मैंने तो झूठ बोलना बंद कर दिया। आपकी बात मानकर लेकिन ये जुमले वाले झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे हैं। हमसे कहते हैं इमरजेंसी में क्या किया। नेहरू ने क्या किया। सर मोदी साहब का एक घंटा ५० मिनट का भाषण हुआ। निर्मला जी का भी घंटो भाषण रहा। पीएम या तो अतीत में रहते हैं, बेहतर होता वो बता देते कि ११ साल में ऐसा कौन सा काम किया है हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ। अगर लैंड रिफॉर्म नहीं आता, नरेगा नहीं आता तो आज गरीब मरता। कोविड में आश्रय मनरेगा से मिला। आप भाषण तो करते हो, उससे निकलता कुछ नहीं है।

सत्ता पक्ष की सोच संविधान के खिलाफ

खड़गे ने कहा कि जो जो झंडे से नफरते हैं, जो लोग हमारे अशोक चक्र से नफरत करते हैं, जो लोग संविधान से नफरत करते हैं। ये आज हमें पाठ पढ़ा रहे हैं। जब ये संविधान बना, इन लोगों ने रामलीला मैदान में बाबा साहेब अंबेडकर का पुतला लगाकर संविधान को जलाया है। ये लोग अब नेहरू जी, इंदिरा जी और पूरे परिवार को गाली देते हैं। शर्म करो, आप लोगों ने संविधान के बारे में ▶▶ 8

जेएसएससी के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज, देवेंद्र महतो लिए गए हिरासत में

रांची (एजेंसी): एक ओर जेएसएससी के चाय बागान नामकोम स्थित कार्यालय में सीजीएल के अभ्यर्थियों डॉक्यूमेंट्स वेरिफ़िकेशन जारी है. तो वहीं दूसरी ओर प्रदर्शकारी छात्रों का आंदोलन भी कार्यालय के बाहर जारी है. जेएलकेएम नेता देवेंन्द्र महतो प्रदर्शनकारी छात्रों की अगुवाआई कर रहे थे. लेकिन पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किय़ा है. जिसमें कई छात्रों को चोट भी आई है. हजारों की संख्या में छात्र पहुंचे हैं और परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं.

इसी बीच पुलिस ने देवेंद्र महतो को पुलिस ने हिरासत में लिया है. प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि जेएसएससी कार्यालय के एक किलोमीटर के बाद हम सभी विरोध कर रहे हैं, वो भी पुलिस को नहीं पच रहा है. बता दें कि प्रशासन ने नामकुम के सदाबहार चौक के ५०० मीटरके दायरा में और जेएसएससी कार्यालय के भी ५०० मीटर के दायरे में धारा १६३ लागू कर दिया है. जो १६ दिसंबर से २० दिसंबर तक लागू रहेगा.

वहीं प्रदर्शन कर रहे छात्रों का साफ कहना है कि शांतिपूर्वक आंदोलन करना भी पुलिस को रास नहीं आ रहा है. कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात कहना और रखने का सभी को हक है, लेकिन हमसब के साथ बर्बरतापूरण रवैया सरकार अपना रही है. साथ ही सरकार को प्रशासन को चेताते हुए कहा कि यदि हमारे नेता देवेंद्र महतो को पुलिस ने जल्द ही नहीं छोड़ा तो पूरा झारखंड जलेगा, जोरदार आंदोलन होगा और इसके लिए सरकार ही जिम्मेवार होगी.

पहले दिन 450 उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन

जानकारी के अनुसार सोमवार को ४५० उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन किया जाएगा. जिसके लिए आयोग और प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है. जेएसएससी कार्यालय जाने वाले सभी मार्गों पर बैरीकेडिंग और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. कार्यालय परिसर भी छावनी में तब्दील है. वज्र वाहन, वाटर कैनन से लेकर २५०० जवान मौके पर तैनात किए गए है।

नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम करने की बात दोहराई

कहा- युवाओं को बहुत मेहनत करनी होगी, देश में 80 करोड़ लोग गरीब

कोलकाता (ईएमएस): इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने एक बार फिर हफ्ते में ७० घंटे काम करने की बात दोहराई। उन्होंने कहा- युवाओं को यह समझना होगा कि हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और भारत को नंबर एक बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आकांक्षाएं ऊंची रखनी होंगी, क्योंकि ८०० मिलियन (८० करोड़) भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता है। इसका मतलब है कि ८०० मिलियन भारतीय गरीबी में हैं। अगर हम कड़ी मेहनत करने की स्थिति में नहीं हैं तो कौन कड़ी मेहनत करेगा।

मूर्ति ने कहा कि इंफोसिस में मैंने कहा था कि हम सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के पास जाएंगे और अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ वैश्विक कंपनियों से करेंगे। एक बार जब हम अपनी तुलना सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल कंपनियों से करेंगे तो मैं आपको बता सकता हूं कि हम भारतीयों के पास करने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि एक समय वे वामपंथी थे, जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वास्तविकता बन चुके थे। मूर्ति रविवार को कोलकाता पहुंचे थे। वे इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत का सम्मान उसके प्रदर्शन के लिए करती है।

प्रदर्शन से पहचान मिलती है, पहचान से सम्मान मिलता है, सम्मान से शक्ति मिलती है। मैं युवाओं को यह बताना चाहता था कि हमारे संस्थापकों के सपने को पूरा करने की हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। यही कारण है कि हम सभी को कड़ी मेहनत करनी होगी।

सीएम हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से राहत बरकरार

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से मिली राहत अगली सुनवाई तक बरकरार रहेगी. हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के रांची एमपी-एमएलए की विशेष अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी थी. जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर याचिका रांची एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी थी और उन्हें कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था. एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश के खिलाफ सीएम ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई है. अब अदालत इस मामले में १६ जनवरी को सुनवाई करेगा. सीएम हेमंत सोरेन की ओर से अधिवक्ता पियूष चित्रेश, दीपांकर रॉय और श्रेय मिश्रा ने बहस की. अगली सुनवाई तक ईडी को काउंटर एफ़ीडेविट दायर करने का निर्देश हाईकोर्ट ने दिया है.

पीएम मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति डिसनायके ने कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए

श्रीलंका की भूमि का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं:डिसनायके

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत और श्रीलंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसनायके की उपस्थिति में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का स्वागत कर कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा और दिशा का संचार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने अपनी साझेदारी के लिए एक भविष्यदृष्टि अपनाई है, इसमें निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी को प्रमुख स्थान दिया गया है। उन्होंने फिजिकल, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी को साझेदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में बताया। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने श्रीलंका को अब तक ५ बिलियन डॉलर की ऋण सहायता और अनुदान प्रदान किया है। इसके अलावा, भारत श्रीलंका के सभी २५ जिलों में विभिन्न विकास परियोजनाओं में काम कर रहा है। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की और मामले को मानवीय दृष्टिकोण से हल करने पर सहमति जाहिर की। इसके जबाव में श्रीलंका के राष्ट्रपति डिसनायके ने कहा कि यह उनकी विदेश यात्रा का पहला मौका है और भारत द्वारा उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल को मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए उन्होंने धन्यवाद दिया।

चीन दौरे पर जाएंगे एनएसए डोभाल

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल जल्द चीन के दौरे पर जाएंगे। डोभाल का ये दौरा १८ दिसंबर को होगा। इस दौरान वे चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद से जुड़े मुद्दों के समाधान पर बातचीत करेंगे। भारत-चीन के बीच इस साल अक्टूबर में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सहमति बनी थी। इसके लिए दोनों देशों ने अजित डोभाल और वांग यी को स्पेशल प्रतिनिधि बनाया था। २३ अक्टूबर को रूस के कजान में ब्रिक्स समिट के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत की थी। भारत और चीन के बीच २०२० में गलवान में हुई झड़प के बाद मोदी और जिनपिंग के बीच ये पहली द्विपक्षीय बातचीत थी। २०१९ के बाद ये पहला मौका है जब भारत के कोई सीनियर अधिकारी या नेता चीन का दौरा करेंगे। इससे पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने अगस्त २०१९ में चीन की यात्रा की थी।

विजय दिवस पर राष्ट्रपति, पीएम समेत अनेक नेताओं ने दी जवानों को श्रद्धांजलि

शहीदों का बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करेगा, यह इतिहास में गहराई से समाया रहेगा

नई दिल्ली (ईएमएस): आज देश १९७१ की जंग में मिली जीत का विजय दिवस मना रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने वीर सैनिाकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने १९७१ के जंग में शामिल जवानों को श्रद्धांजलि दी है। साथ ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों को सलामी पेश की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वीर सैनिकों की शहादत को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि विजय दिवस पर मैं उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं, जिन्होंने १९७१ के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। राष्ट्र हमारे वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने १९७१ में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया है। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से समाया रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर ट्वीट कर कहा- देश जवानों के बलिदान और सेवा को कभी नहीं भूलेगा। आज विजय दिवस के खास मौके पर भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सलाम करता हूं। उनके अटूट साहस और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे।

याचिकाकर्ता से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा धार्मिक नारे लगाना अपराध कैसे

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सवाल उठाया कि जय श्रीराम का नारा लगाना अपराध कैसे हो सकता है। जस्टिस पंकज मिठल और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने मस्जिद के भीतर कथित तौर पर जय श्रीराम के नारे लगाने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को रद्द कर दिया था। शीर्ष कोर्ट में याचिका हैदर अली सी.एम. की ओर से दायर की गई थी। बेंच ने टिप्पणी की, वह लोग एक खास धार्मिक नारा या नाम चिल्ला रहे थे। यह अपराध कैसे हो सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा कि जिन लोगों ने मस्जिद के अंदर जाकर नारे लगाए, उन्हें कैसे पहचाना गया? याचिका में कर्नाटक हाईकोर्ट के १३ सितंबर के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें दो आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था। बेंच ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत से पूछा, आपने इन लोगों की पहचान कैसे की? आप कह रहे हैं कि ये सब सीसीटीवी में दिख रहे हैं। क्या उन लोगों की पहचान की गई है, जिन्होंने मस्जिद में प्रवेश किया? ▶▶ 8

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

18 को किसानों का रेल रोको आंदोलन

पटियाला (ईएमएस): शंभू-खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में सोमवार को हरियाणा में ट्रैक्टर मार्च निकाला गया।

हिसार, सोनीपत, चरखी दादरी, सिरसा, फतेहाबाद, कैथल और अंबाला में किसानों ट्रैक्टर मार्च निकाल प्रदर्शन किया। हांसी में किसान ट्रैक्टर पर रामायण टोल से मिनी सचिवालय तक गए। वहीं सोनीपत के खरखौदा में रोहणा बाइपास चौक से मार्च निकाला गया। पंजाब में मार्च निकालने का ऐलान नहीं हुआ था। यहां १८ दिसंबर को रेल रोको आंदोलन किया जाएगा।

रेल रोको आंदोलन पर परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसानों को ट्रेनें नहीं रोकनी चाहिए। इससे आम लोगों को ही परेशानी होती है। वहीं हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन बड़ौली ने कहा कि प्रदेश में हम २४ फसलों पर एमएसपी दे रहे हैं, कांग्रेस और आप की सरकार भी किसानों को एमएसपी पर फसल खरीदने की गारंटी दे।

भारतीय किसान यूनियन (भूकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आज हरियाणा के करनाल में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन का फायदा इस समय भाजपा सरकार को हो रहा है।

उन्होंने कहा कि अभी किसान पंजाब की जमीन पर हैं और पंजाब में सरकार आम आदमी पार्टी की है। आंदोलन कब खत्म होगा इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ये आंदोलन ४ से ५ महीने और चलेगा। साथ ही उन्होंने किसानों को नसीहत देते हुए कहा कि बंटोगे तो लुटोगे।

गोपीनाथपुर कोलियरी धरना संग्राम में बदला, तोड़फोड़ और आगजनी से दहशत

✪ धरना स्थल पर हुई जमकर पत्थरबाजी और हंगामा ✪ पर्दे के पीछे पूर्व और वर्तमान विधायक के समर्थकों के वर्चस्व की लड़ाई

निरसा (ससे) : भाकपा माले समर्थित निरसा बेरोजगार संघर्ष समिति अपनी ९ सूत्री मांगों को लेकर कोलियरी परिसर में प्रदर्शन करते हुए आए थे। भाकपा माले समर्थित बेरोजगार संघर्ष समिति के समर्थन में आईएनडीआईए गठबंधन के दूसरे दल के लोग भी आए हुए थे।

भाकपा-माले समर्थित लोग प्रदर्शन करने के बाद टेंट लगाकर धरना पर बैठ गए। आपसी वर्चस्व को लेकर गोपीनाथपुर कोलफील्ड प्राइवेट लिमिटेड आधे घंटे तक हरण क्षेत्र में तब्दील रहा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच हुए मारपीट में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात सिपाही कार्तिक महतो, जिप सदस्य संजय सिंह, पिंटू समेत दोनों पक्षों के लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए हैं।

दोनों पक्षों को शांत करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को खदेड़ा। पुलिस कोलियरी परिसर में कैंप कर रही है। समाचार लिखे जाने तक स्थिति शांत परंतु तनावपूर्ण है। स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के सवाल पर गोपीनाथपुर कोलफील्ड प्राइवेट लिमिटेड में भाकपा-माले समर्थित निरसा बेरोजगार संघर्ष समिति एवं भाजपा समर्थित गोपीनाथपुर कोलियरी बेरोजगार संघर्ष समिति के लोग धरना पर आमने-सामने बैठे थे परंतु, असल मकसद भाकपा-माले एवं भाजपा के वर्चस्व को लेकर थी।

धरना प्रदर्शन में विधि-व्यवस्था बिगड़ सकती है इसे ध्यान में रखते हुए के पूर्व से ही पुलिस बल तैनात थी। पुलिस बल का नेतृत्व एसडीपीओ रजत मानिक बाखला, निरसा थाना प्रभारी मंजीत कुमार कर रहे थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए निरसा अनुमंडल की सभी थाना की पुलिस को कोलियरी परिसर में पहुंचना पड़ा। दोनों ही पक्षों द्वारा मामला बिगड़ने के लिए एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

घटना की सूचना पाकर विधायक अरूप चटर्जी एवं पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता पहुंच अपने-अपने समर्थकों के साथ डटे हैं।

वहीं दूसरी ओर भाजपा समर्थित गोपीनाथपुर कोलियरी बेरोजगार संघर्ष समिति के लोग भी कुछ देर बाद कोलियरी परिसर पहुंचकर आमने-सामने धरना पर बैठ गए। इस दौरान दोनों ओर से जमकर नारेबाजी की जा रही थी। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से कुछ उपद्रवी लोगों ने छिटाकशी करनी शुरू कर दी।

इसी बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई तथा दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने भीड़ गए। इस दौरान गोपीनाथपुर कोलियरी बेरोजगार संघर्ष समिति के समर्थन में जीसीपीएल में कार्यरत मजदूर भी उतर गए तथा दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान लगभग आधे घंटे तक गोपीनाथपुर कोलियरी परिसर रण क्षेत्र में तब्दील रहा। इस दौरान लगभग ७ बाइक एवं दर्जनों कुर्सियां क्षतिग्रस्त हो गई। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर दोनों ▶▶ 8

स्वस्थ मांबच्चे के लिए टीकाकरण जरूरी : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : सोमवार को समाहरणालय के सभा कक्ष में आयोजित टीकाकरण समारोह को संबंधित करते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने कहा कि स्वस्थ माता और स्वस्थ बच्चे के लिए टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को घरबर जाकर लोगों को जागरूक करना होगा। सभी स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए और उसका जमीनी स्तर पर निष्पादन करना भी जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन के १४ वैलेंट की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि किसी भी टीकाकरण कार्यक्रम में एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों को कड़ी मेहनत करनी होगी। लोगों के बीच जागरूकता लाकर बच्चों और उनकी माता को टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक लाना होगा।

माता एवं बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए उन्हें कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) में लाकर कुपोषण से मुक्त करना होगा।

बैठक में उपायुक्त ने नियमित टीकाकरण, टीकाकरण से रोके जाने वाली बीमारियां, टीकाकरण के बाद के प्रतिकूल प्रभाव (एईएफआइ) सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की।

इस अवसर पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के एसएमओ डॉ अमित कुमार ने बताया कि नवंबर २०२४ तक टीकाकरण में धनबाद जिले की उपलब्धि लगभग ९६ है। जबकि हेपेटाइटिस बी में ९४ रही।

उन्होंने टीकाकरण के बाद के प्रतिकूल प्रभाव व रिपोर्टिंग करने की पद्धति, ग्लोबल वैक्सीन एक्शन प्लान, एईएफआइ के लिए क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम सहित अन्य विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन के १४ वैलेंट का टीका लगाकर इसका शुभारंभ किया गया। साथ ही एईएफआई सर्विलांस एंड रिस्पांस नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

समारोह में उपायुक्त माधवी मिश्रा, उत्तरी छोटानागपुर के क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ सिद्धार्थ सन्याल, सिविल सर्जन डॉक्टर चंद्रभानु प्रतापन, डीआरसीएचओ डॉ रोहित गौतम, डॉ रवि रंजन झा, डॉ सुनील कुमार के अलावा बाघमारा, बलियापुर, धनबाद सदर, गोविंदपुर, झरिया, निरसा, तोपचांची, टुंडी के एमओआईसी तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी मौजूद थे।

लिंडसे क्लब में पौष पार्बन मेला का आयोजन

धनबाद (कासं) : बंगाली संगठन की ओर से लिंडसे क्लब एंड लाइब्रेरी में इस साल २० से २२ दिसंबर तक वार्षिक कार्यक्रम पौष पार्बन मेले का आयोजन किया जायेगा। १६ दिसंबर को क्लब परिसर में आयोजित एक प्रेस वार्ता में क्लब के अध्यक्ष और पूर्व निदेशक सीआईएमएफआर डॉ. अमलेंदु सिन्हा ने कहा कि वर्ष २०१९ से क्लब का यह आयोजन बड़ी संख्या में धनबाद और आसपास के क्षेत्र से मनोरंजन प्रेमी और सांस्कृतिक रूप से प्रेरित लोगों को आकर्षित करता है।

पत्रकारों से बातचीत में डॉ. सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष एसएसपी हृदीप पी.जनार्दन, ने २० दिसंबर को उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि बनने की सहमति दे दी है और डॉ. शर्मिला रानी, प्राचार्या, एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय सह डीन शिक्षा बीबीएमकेयू इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। तीन दिवसीय महोत्सव में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होंगे। बंगाली संस्कृति के खाद्य स्टाल और बंगाल के बाउल और बंगाली बैंड जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

विधायक ने किया धान अधिप्राप्ति केन्द्र का उद्घाटन

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने सोमवार को रघुनाथपुर पैक्स व पलानी पैक्स में धान अधिप्राप्ति केन्द्र का उद्घाटन किया। कहा कि सरकार किसानों के लिए बेहतर कार्य करेगी। किसानों की समस्या को ले वे गंभीर है। मौके पर जिप सदस्य श्वेता कुमारी, पैक्स अध्यक्ष विजय कुमार महतो, प्रबंधक सुबल कुमार महतो, वीएलडब्लू भरत भूषण महतो, रंजन आदि मौजूद थे।

नियोजन की मांग पर भाजपा व इंडिया गठबंधन के बीच तनाव

निरसा (ससे) : पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत स्थानीय ग्रामीणों के साथ इंडिया गठबंधन के बैनर तले ईसीएल के गोपीनाथपुर कोलियरी में ९ सूत्री मांगों को लेकर धरना कार्यक्रम के दौरान इंडिया गठबंधन समर्थक और भाजपा समर्थक आमने सामने हो गए। जिससे पूरा माहौल तनावपूर्ण हो गया। दोनों की ओर से लाठी डंडा निकाल लिया गया। हालांकि निरसा पुलिस ने मौके की नज़ाकत को भांपते हुए स्थिति को वक्त रहते संभाल लिया और टकराव पर रोक लगा दिया। दोनों ओर से स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। किसी भी वक्त मामला बिगड़ सकता है। इधर एक पक्ष भाजपा की ओर से भाजपा नेता मनोज सिंह ने सीधे तौर पर इस टकराव के लिए निरसा के विधायक अरूप को जिम्मेवार ठहराया। श्री सिंह ने कहा कि बाहर से गुंडों को बुलाकर टकराव की स्थिति पैदा कर अपनी राजनीत रोटी सेखना चाहते है। जिसको हम कभी भी होने नहीं देंगे। मनोज सिंह, भाजपा नेता और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भी काफी आक्रोश दिखा।

विधायक अरूप चटर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके लोग भी कोलियरी में कार्यरत है लेकिन सिर्फ कमीशन को लेकर इस तरह का काम करवा रहे है। वही इंडिया गठबंधन के नेता सह जिला परिषद सदस्य गुलाम कुरैशी ने कहा कि ये बड़े दुख की बात है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी लड़ाई के बीच टकराव की स्थिति पैदा करने का साजिश भाजपा की ओर से किया गया जो काफी शर्मनाक है।

टुंडी विधायक ग्रामीणों संग डीआरएम से मिले

तोपचांची (ससे) : रेलवे ने तोपचांची प्रखंड के मोहनपुर गांव का रास्ता बंद कर दिया था। इससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सोमवार को टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के नेतृत्व में धनबाद रेल मंडल के डीआरएम से मुलाकात की। विधायक ने डीआरएम के समक्ष ग्रामीणों के रास्ते का मुद्दा उठाया। कहा कि ग्रामीणों की मांग जायज है। जनप्रतिनिधि होने के नाते वह उनकी समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पर डीआरएम ने जल्द ही टेक्निकल टीम गठित कर स्थल निरीक्षण कर रास्ता देने का आश्वासन दिया। ज्ञात हो कि रास्ता बंद किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन किया था। डीआरएम से मिलने वालों में झामुमो के तोपचांची प्रखंड सचिव नवल किशोर केवट, बसंत महतो, आनंद महतो, मोहम्मद आजाद, मोहम्मद गुलाम, जमालुद्दीन अंसारी सहित अन्य लोग शामिल थे।

छोटे उद्योगों से महिलाएं होगी आत्मनिर्भर

धनबाद (कासं) : मथुरा नगर बलियापुर रोड हेल्थ सेंटर के समीप ब्रमिस बेकर का उद्घाटन समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उदय प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान में छोटे उद्योगों से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है। महिला उद्यमियों के विकास व सफलता के लिए सरकार और सबों के सहयोग व समर्थन की आवश्यकता है। क्योंकि वे प्रतिभाशाली एवं योग्य है और स्वयं आत्मनिर्भर बन कर अपने परिवार और देश के विकास में सकारात्मक योगदान दे रही है। इसके लिए वह ब्रमिस बेकर की तीनों पार्टनर संचालिका नेहा कुमारी, पिंकी पांडे और उर्मिला देवी को बधाई देकर सफलता की कामना की। जिन्होंने इस वेज प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया है। साथ ही सभी लोगों से आग्रह करता किया कि इस फैक्ट्री के एगलेस केक, ब्रेड, बिस्कुट इत्यादि प्रोडक्ट्स को एक बार आजमाएं। उद्घाटन समारोह में नेहा कुमारी, पिंकी पांडे, उर्मिला देवी, मृत्युंजय कुमार, अजय पांडे, चंदन कुमार, संजीत कुमार, संग्राम सिंह, अनिल पांडे, देवेंद्र कुमार, संजीत कुमार, अनिल श्रीवास्तव, अजीत कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

मो. शमशाद बने कोच कमिटी के संरक्षक

धनबाद (कासं) : झारखंड में तीरंदाजी खेल के इंडियन राउंड स्पर्धा को बढ़ावा देने और सभी जिलों में इंडियन राउंड के खिलाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिता का आयोजन करवा कर उनके प्रतिभा को उभारने का एक महत्वपूर्ण कार्य करने का निर्णय लिया गया। इंडियन राउंड स्पर्धा को तीरंदाजी खेल का जननी कहा जाता है। लगभग इस स्पर्धा के साथ ही झारखंड के ज्यादा खिलाड़ी सामने आते हैं, परन्तु इंडियन राउंड की प्रतियोगिता कम होने से खिलाड़ी में निराशा देखने को मिलती है। वहीं देश भर में रिकर्व, कंपाउंड के ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिता होती है। जिसमें मुख्य रूप से अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ साथ नेशनल रैंकिंग टूर्नमिंट, विमेंस नेशनल रैंकिंग और इनडोर जैसे सालों भर प्रतियोगिता मिलती है। वहीं इंडियन राउंड के झारखंड के खिलाड़ी वंचित रह जाते है। झारखंड के सभी कोचेस ने एक बैठक करके आपसी सहमति से यह निर्णय लिया कि अब नेशनल रैंकिंग टूर्नमिंट की तरह ही झारखंड के विभिन्न जिलों में प्राइज मनी टूर्नमिंट का आयोजन करके इसके बेहतरी का प्रयास किया जाएगा।

मोहम्मद शमशाद को संरक्षक बनने पर धनबाद जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विजय झा, सचिव जुबेर आलम, उपाध्यक्ष तारकनाथ, पूर्व तीरंदाज मोहम्मद कासिम, नमिता टुडू, नाजिया परवीन, सुलेखा कुमारी एवं सभी खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

केवड़ा कॉलोनी में अखंड हरिकीर्तन

केंदुआ (ससे) : केंदुआडीह के ईबी सेक्सन केवड़ा कॉलोनी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री २४ घंटे का अखण्ड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्व प्रथम बुतरू पण्डित जी के द्वारा मंत्रोउचारन के साथ पूजाअर्चना कर कलश यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर वापस अखण्ड स्थल आकर स्थापित हुई। रविवार को १,३० बजे से अखण्ड हरिकीर्तन का पंडाल व आकर्षक साज सज्ञा की गई। कार्यक्रम के मुख्य यजमान एसपी सिंह एवं उनकी पत्नी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में भक्तगण हरे राम हरे कृष्ण का गान गाते हुए फेरे लगा रहे थे। वहीं गायक मंडली ढोल, नाल, बेन्जू, झाल, हार्मोनियम से भक्ति गान का धुन निकाल कर अखण्ड अनुष्ठान में फेरे लगा रहे भक्तो एवं मुहल्ले वाशियों को मन मुग्ध कर दिया।

२४ घण्टे का अखण्ड अनुष्ठान का समापन सोमवार को १,३० बजे हवन के साथ सम्पन्न हुआ। बाद में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों महिला-पुरुष तथा बच्चे प्रसाद ग्रहण किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से एसपी सिंह, पंकज पटेल, महेंद्र चौहान, सन्दीप सिंह, छोटू सिंह, अश्विनी कुमार, धर्मराज चौहान, धर्मेन्द्र मण्डल, दिलीप चौहान, प्रदीप पासवान, शनि कुमार, बेन्जू मास्टर विजय दास, नाल वादक इंद्रदेव पासवान, हार्मोनियम मास्टर मनु पासवान आदि का सराहनीय योगदान रहा।

शशिकांत के शहीद दिवस पर अखंड हरिकीर्तन

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना समीप शहीद शशिकांत पाडेय की ९वीं शहीद दिवस के पूर्व संध्या पर २४ घंटे का अखंड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया। हरिकीर्तन में धनबाद के भजन मंडली एवं स्थानीय महिला भजन मंडली ने उत्तरकांड रामायण पाठ किया है। सोमवार को शहीद के पिता राजेश्वर पांडेय, माँ ललिता देवी, भाई श्रीकांत पांडेय सहित परिवार के लोगों ने शहीद शशिकांत की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मंगलवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ज्ञात हो कि ९ वर्ष पूर्व शहीद शशिकांत पाडेय कश्मीर के पम्पोर में आतंकवादियों की गोली लगने से १७ दिसम्बर की सध्या ५ बजे शहीद हो गए थे। इसके बाद तत्कालीन बाघमारा विधायक एवं वर्तमान सांसद ढुलू महतो के प्रयास से जोड़ापोखर थाना समीप शहीद शशिकांत की मूर्ति की स्थापना की गई।

सम्मेलन की तैयारी में जुटे एकता मंच के सदस्य

जोड़ापोखर (ससे) : सोमवार को बहुजन एकता मंच के केन्द्रीय कार्यालय भौंरा में जंगबहादुर जैसवार की अध्यक्षता में एक अहम् बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष रंजीत यादव ने कहा की आगामी ९ फरवरी को भौंरा मोहलबनी ग्राउंड में मंच की पांचवीं सम्मेलन की तैयारी करनी है, जो एक कमेटी का गठन किया गया है।

कमिटी में संजीवन भुंईया को सचिव जंगबहादुर को कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारणी में सुरेश साव, प्रदीप कुमार, सुनू हेम्ब्रम, लक्ष्मन भुईयां, प्रमोद कुमार तिवारी, बासु ऋषि को बनाया गया है। मंच के अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन में विभिन्न जिलों से प्रतिनिधि शामिल होंगे एवं सम्मेलन का मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के मंत्री होंगे। मौके पर जंगबहादुर जैसवार, लक्ष्मन भुंईया, प्रमोद कुमार तिवारी, संजीवन भुंईया सुरेश साव, प्रदीप कुमार व सोनू हेम्ब्रम उपस्थित थे।

ब्लॉक 2 व सिजुआ की टीम सेमीफाइनल में

जोड़ापोखर (ससे) : सोमवार को बीसीसीएल की ओर से जेलगोरा स्टेडियम में चल रही अंतर क्षेत्रीय टी२० क्रिकेट टूर्नामेंट दो

क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। पहला मैच ब्लॉक २ बनाम पीवी एरिया के बीच हुआ। टॉस ब्लॉक२ ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पीवी एरिया ने पहले बैटिंग करते हुए २० ओवर में ८ विकेट खोकर १३२ रन बनाए गए। पी वी एरिया की ओर से गौतम कुमार ने ४४ रन और रोहित कुमार ने २५ रन बनाया। ब्लॉक २ की ओर से बोलिंग करते हुए उमेश और कुलदीप ने दोदो विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए ब्लॉक २ की टीम ने १६ ओवर में छह विकेट के नुकसान पर १३३ रन बनाकर चार विकेट से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्लॉक २ की ओर से बोलिंग करते हुए नरेश ने नाबाद ४२ रन बनाए और सुनील कुमार मोदी ने २७ रनों का योगदान दिया। पीवी क्षेत्र की तरफ से बोलिंग करते हुए अशोक कुमार गुप्ता ने दो विकेट प्राप्त किया। इस मैच में मैंने ऑफ द मैच अवार्ड ब्लॉक २ के नरेश कुमार को प्रदान किया गया। दूसरा मैच सिजुआ वर्सेस डब्लू जे एरिया के बीच खेला गया।

टॉस डब्लू जे एरिया ने जीता और पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित २० ओवर के मैच में ६ विकेट पर १२५ रन बनाए गए। डब्लू जे एरिया की ओर से अभिषेक कुमार ने ३३, गौतम सिंह ने ३१ रन बनाए गए। सिजुआ की तरफ से बोलिंग करते हुए गुलशन कुमार और कुंदन सिंह ने दोदो विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए सिजुआ की टीम निर्धारित २० ओवर में ८ विकेट पर ११९ रन ही बना सकी। इस तरह डब्लू जे एरिया ६ रन से यह मैच जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में मैन ऑफ द मैच का अवार्ड डब्लू जे एरिया के गौतम कुमार को प्रदान किया गया।

पांच सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

जोड़ापोखर (ससे) : सेल कोलियरी डिवीजन जीतपुर में कोलियरी गेट के समक्ष सोमवार को असंगठित मजदूर मोर्चा के बैनर तले पांच सूत्री मांगों को लेकर विजय कुमार गुप्ता उर्फ़ बिरजू ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल बैठे।

इस दौरान मोर्चा के पदाधिकारी तथा सदस्यों द्वारा सेल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी व प्रदर्शन किया। पांच सूत्री मांगो में मोर्चा द्वारा कोलियरी में ठेका मजदूर को नियमित काम, पेंशन की भुगतान, पीएफ तथा ग्रेच्युटी का भुगतान, ठेका मजदूरों का ७ वेतन वृद्धि, सेलकर्मी स्व मृत्युंजय प्रसाद गुप्ता के आश्रितों को नियोजन जैसे मांग शामिल है। मोर्चा के शाखा सचिव सुरेश सिंह ने कहा कि सेल प्रबंधन

की गलत नीतियों के खिलाफ चुप नहीं रहेगे। सेल प्रबंधक हमेशा मजदूरों का शोषण करता आ रहा है। उन्होंने कहा की बीते २ दिसम्बर को सेल महाप्रबंधक को पांच सूत्री मांग को लेकर एक ज्ञापन दिया गया था, परन्तु १४ दिन बीत जाने के बाद भी प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं दिया गया, जिस कारण आज भूख हड़ताल पर बाध्य हुए। भूख हड़ताल पर बैठे विजय कुमार गुप्ता उर्फ़ बिरजू ने कहा की २००६ से स्व मृत्युंजय प्रसाद गुप्ता के आश्रित को नियोजन देने के नाम पर टालमटोल किया जा रहा है। हर बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है। इस तरह के कई मजदूरों के परिवार का नियोजन रोक कर रखा गया है। सेल द्वारा अब मनमानी चलने नही दिया जायेगा। जब तक हमारी मांग प्रबंधक नहीं मानती, भूख हड़ताल जारी रहेगा। मौके पर मोर्चा के महामंत्री निताई महतो, नगीना पासवान, भल्लू राउत, सीताराम पासवान, संजय सिंह, कलाचंद महतो, राजेश कुमार, तारकेश्वर तिवारी आदि थे।

कोलियरी बंद है और यह २० वर्ष पुराना मजदूर का मामला है, जिसे सेल के उच्च अधिकारी ही निदान कर सकते है। हमलोग कोलियरी को पुन: चालू करने को प्रयासरत है। मोर्चा के मांगों को लेकर हमने वार्ता के लिया बुलाया, परन्तु वे लोग नहीं आये।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

उपायुक्त व एसएसपी ने जेल का किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) वीरेंद्र कुमार तिवारी, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष डालसा माधवी मिश्रा, एसएसपी सह सदस्य डालसा हृदीप पी जनार्दनन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता सह प्रभारी जेल अधीक्षक विनोद कुमार, सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी विधिब्यवस्था नौशाद आलम व एलएडीसीएस की टीम ने सोमवार की संध्या मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। निरक्षण के दौरान टीम ने पांच ऐसे बंदियों को चिह्नित किया, जिनकी उम्र ७० वर्ष है। वहीं दो ऐसे बंदी भी मिले जिन्हें गंभीर बीमारी है। न्यायाधीश श्री तिवारी के नेतृत्व में टीम ने कारागार के हर हिस्से का मुआयना किया। न्यायाधीश ने चिह्नित किए गए बंदियों को मुक्त कराने के लिए समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद टीम ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली। कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजने का निर्देश मंडल कारा चिकित्सक को दिया।

वहीं टीम ने चिकित्सा सुविधा, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन, व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र तथा ध्यानसहभोग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने बंदियों को जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया। इस मौके पर मंडल कारा के चिकित्सक डॉ राजीव कुमार सिंह, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल शैलेन्द्र झा, सुमन पाठक, नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति, मुस्कान, सिविल कोर्ट के सहायक अरुण कुमार, राजेश सिंह, संतोष कुमार सहित मंडल कारा के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) वीरेंद्र कुमार तिवारी, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष डालसा सुश्री माधवी मिश्रा, एसएसपी सह सदस्य डालसा हृदीप पी जनार्दनन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती आरती माला, अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी हेमंत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता सह प्रभारी जेल अधीक्षक विनोद कुमार, सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था श्री नौशाद आलम व एलएडीसीएस की टीम ने सोमवार की संध्या मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। निरक्षण के दौरान टीम ने पांच ऐसे बंदियों को चिह्नित किया, जिनकी उम्र ७० वर्ष है। वहीं दो ऐसे बंदी भी मिले जिन्हें गंभीर बीमारी है। न्यायाधीश श्री तिवारी के नेतृत्व में टीम ने कारागार के हर हिस्से का मुआयना किया। न्यायाधीश ने चिह्नित किए गए बंदियों को मुक्त कराने के लिए समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद टीम ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली।

कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजने का निर्देश मंडल कारा चिकित्सक को दिया। वहीं टीम ने चिकित्सा सुविधा, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन, व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र तथा ध्यानसहभोग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने बंदियों को जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया। इस मौके पर मंडल कारा के चिकित्सक डॉ राजीव कुमार सिंह, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल शैलेन्द्र झा, सुमन पाठक, नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति, मुस्कान, सिविल कोर्ट के सहायक अरुण कुमार, राजेश सिंह, संतोष कुमार सहित मंडल कारा के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जन शिकायत समाधान का कार्यक्रम कल

धनबाद (कासं) : इस विशेष अभियान के तहत १८ दिसम्बर को धनबाद के पांच स्थान पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत सभी थानों के लिए शिविर कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला में आयोजित की जाएगी। सिंदरी अनुमंडल के लिए जोड़ापोखर स्थित टाटा कम्युनिटी हॉल डिगवाडीह, निरसा अनुमंडल के लिए निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज, डीएसपी हेडक्वार्टर १ एवं २ के क्षेत्र की जनता के लिए अल इकरा कॉलेज टुंडी गोविंदपुर रोड तथा डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर के अंतर्गत सभी थानों के लिए शिविर का आयोजन अभय सुंदरी बालिका उच्च विद्यालय हीरापुर में किया जाएगा। जन शिकायत समाधान शिविर के तहत शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तरीय विशेष सेल का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से शिकायतों का निवारण विभिन्न चरणों में किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम में शिकायतकर्ता की शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने के लिए पुलिस पदाधिकारी के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पारा लिगल वॉलेंटियर भी शिविर में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस पदाधिकारी या पुलिसकर्मी के विरुद्ध शिकायत मिलने पर शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा वरीय पदाधिकारी के माध्यम से उसका निवारण किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को विक्टिम कंपनसेशन स्कीम, नये कानून के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा जीरो एफआईआर, ऑनलाइन एफआईआर, डायल ११२, डायल १९३० इत्यादि की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही संपत्ति मूलक अपराध, अपराधियों की सूचना, साइबर अपराध, नॉन बैंकिंग फाइनेंस, मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव के द्वारा अत्याधिक लाभ दिलाने का प्रलोभन देकर ठगी से बचने के लिए लोगों को जागरूक भी किया जाएगा। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान १८ दिसम्बर को शिविर में आने वाले नागरिकों द्वारा संबंधित शिकायतों को प्राप्त कर उक्त शिकायतों का पंजीकरण किया जाएगा। शिविर में प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए मामले का निस्तारण उसी वक़्त शिविर मे किया जाएगा ।

शिविर के दौरान जिन शिकायतों का निबटारा तत्काल संभव नहीं होगा, वैसे मामलों के निस्तारण के लिए एक समय सीमा निर्धारित करते हुए शिकायतकर्ता को सूचित किया जाएगा। अभियान के उद्देश्य से गठित विशेष सेल यह सुनिश्चित करेगी कि जिन शिकायतों का निबटारा शिविर में नही हुआ वैसे मामलों का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर किया जा सके। पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को इस कार्यक्रम के दौरान शिविर में प्रदर्शित किया जाएगा ताकि आम जनता को इसकी जानकारी दी जा सके। धनबाद मे रहने वाले नागरिक अपनी किसी भी तरह की शिकायत को अपने घर के नजदीक आयोजित होने जा रहे जन समस्या समाधान शिविर में जाकर दर्ज़ करा सकते है।

आर्ट ऑफ लिविंग का कार्यशाला आयोजित

धनबाद (कासं) : आर्ट ऑफ लिविंग चिल्ड्रन एंड टींस उत्कर्ष योग और मेधा योग लेवल -१ की शुरुआत नेताजी सुभाष चंद्र बोस पब्लिक स्कूल, एमओसीपी बालियापुर धनबाद में हुई। इस कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ फैकल्टी मयंक सिंह और राज्य चिल्ड्रन एंड टींस कोऑर्डिनेटर सोनाली सिंह ने किया। कक्षा ४ से १२ तक के लगभग ८० छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। यहां छात्रों को प्राणायाम, योग के साथसाथ आर्ट ऑफ लिविंग के फ्लैगशिप चिल्ड्रन क्रिया और सुदर्शन क्रिया की ट्रेनिंग दी गई। खेल-खेल में मानवीय मूल्यों और जीवन के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को सिखाया गया। इस कार्यशाला की शुरुआत प्रधानाचार्य संजय कुमार मजूमदार के सहयोग के साथ आर्ट ऑफ लिविंग की शिक्षिका सोनी कुमारी और वॉलंटियर जुही महतो द्वारा आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए ढुलू महतो ने संसद में उठाया सवाल

धनबाद (कासं) : लोकसभा क्षेत्र से सांसद ढुलू महतो ने संसद के शीतकालीन सत्र में झारखंड की सांस्कृतिक विरासत, हस्तशिल्प और स्थानीय कलाओं के संरक्षण व प्रोत्साहन पर सरकार संग संवाद किया और ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने धनबाद जिले में चल रही योजनाओं और संभावित नए प्रयासों पर विशेष ध्यान केंद्रीत किया। सांसद श्री महतो ने सदन में पूछा कि धनबाद और झारखंड के कलाकारों और शिल्पकारों को आर्थिक मदद देने के लिए क्या योजनाएँ बनाई जा रही है।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री ने जवाब में बताया कि केंद्र सरकार झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए कई योजनाओं का संचालन कर रही है। इनमें धनबाद में स्थानीय कला और हस्तशिल्प के संवर्धन के लिए 'गुरुशिष्य परंपरा योजना' और 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम' शामिल हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि झारखंड में २०२३-२४ में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए धनबाद को २.१९ लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

धनबाद के कलाकारों और सांस्कृतिक संस्थानों को भी कई अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। इनमें युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति, वरिष्ठ कलाकारों को वित्तीय सहायता, और सांस्कृतिक समारोहों के आयोजन के लिए अनुदान शामिल हैं।

सांसद श्री महतो ने झारखंड के कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत करने की योजनाओं पर भी चर्चा की। सांसद ढुलू महतो ने कहा, झारखंड और धनबाद की संस्कृति और कला को बढ़ावा देना मेरा प्राथमिक उद्देश्यों में से एक है। मैं सुनिश्चित करूंगा कि इन योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे। सांसद ढुलू महतो के इस प्रयास को क्षेत्र की जनता ने काफी सराहा है। धनबाद के लोगों ने उन्हें अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए धन्यवाद दिया।

महिला समूह कार्यालय में चोरी

बलियापुर (ससे) : प्रधानखंता पंचायत के बगल में विवाह भवन में स्थित आजीविका महिला संकुल संगठन स्वालंबी सहकारी समिति लिमिटेड के कलस्टर कार्यालय से पिछले दिनों ५ ऑफिस कुर्सी, १५ फाइबर चेयर, ४ दरी, एक गैस चूल्हा तथा अन्य उपस्कर की चोरी हो गई थी। महिला दीदियों ने कई बार आवेदन दिया, परन्तु प्राथमिकी दर्ज नहीं हो पायी।

घर से मोटरसाइकिल चोरी, केस दर्ज

धनसार (ससे) : थाना क्षेत्र के हावड़ा मोटर निवासी मोहम्मद अशरफ के घर से बीती रात मोटरसाइकिल चोरी हो गई। इस संबंध में अशरफ ने पुलिस में शिकायत की है। अशरफ का कहना है कि रविवार को अपने घर के कैम्पस में गाड़ी लगाकर सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। सुबह उठकर देखा तो कैम्पस से गाड़ी गायब है। धनसार पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

जीटी रोड चौड़ीकरण का कार्य जारी

गोविंदपुर (ससे) : सर्द मौसम ने गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में जीटी रोड चौड़ीकरण कार्य में लगी स्काईलार्क कंपनी को भी सर्द बना दिया है। स्काईलार्क कंपनी को एनएचएआई की ओर से हर हाल में २० दिसंबर तक बाजार क्षेत्र में सर्विस लेन का कार्य पूरा कर लेने का निर्देश दिया गया था। कार्य की समीक्षा के लिए धनबाद समाहरणालय में उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बाजार क्षेत्र में कार्य पूरा करने के लिए २० दिसंबर की तारीख तय कर दी थी। बैठक में एनएचएआई के अधिकारी भी मौजूद थे। उपायुक्त के आदेश के बाद गोविंदपुर बाजार में जोरशोर से कार्य शुरू हुआ। अंचलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे की निगरानी में कार्य चल रहा था। अंचलाधिकारी २० दिसंबर तक बाजार क्षेत्र में कार्य पूरा कर लेने की बात बारबार दोहरा रहे थे। चौड़ीकरण कार्य से बाजार गर्म था और लग रहा था निर्धारित तिथि के अंदर ही कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स ने बांटे कंबल

धनबाद (कासं) : कपकपाती ठंड में ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल ने सरायढेला थाना मोड़ में रात को रोड किनारे खुले आसमान के नीचे कपकपाती ठंड में बैठ कर भीख माँग रही पैर कटी लाचार महिला को कंबल देकर ठंड में राहत पहुँचाने का कोशिश किया। गौतम कुमार मंडल ने कहा ह्यूमैनिटी टीम का कंबल वितरण रात को रोड पर लाचार हालत में बैठे या इधर उधर घूम रहे मंद बुद्धि लाचार लोगों को ठंड से राहत पहुँचाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। जहाँ मौके पर ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल, राजीव कुमार, फिरोज, राजू एवं अन्य मौजूद थे।

जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराया गया खून

धनबाद (कासं) : बोकारो मेडिकल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में इलाजरत ३२ वर्षीय मरीज अफजल अनवर के शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा अत्यंत कम हो जाने के कारण डॉक्टर ने तत्काल २ यूनिट ओ पॉजिटिव रक्त की व्यवस्था करने के लिए मरीज के परिजन से कहा परिजन में से एक व्यक्ति शकील अंसारी ने रक्तदान किया। परंतु दूसरा यूनिट रक्त नहीं मिल पा रहा था इसके पश्चात मरीज के परिजन ने सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल के सक्रिय सदस्य सुजीत मोदी के संपर्क कर रक्त उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इसके पश्चात श्री मोदी ने संस्था के संस्थापक का केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान से सम्पर्क कर सूचित करते हुए रक्त उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया। इसके कुछ ही देर बाद बोकारो के केएम मेमोरियल ब्लड बैंक के इंचार्ज अमर झा ने संज्ञान में लेते हुए ब्लड से दूसरी यूनिट रक्त उपलब्ध कराया। रक्त मिलने के पश्चात मरीज के परिजन ने सभी का धन्यवाद किया।

धनबाद में 150 बेडेड अस्पताल की मांग

धनबाद (कासं) : धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने श्रमिकों के स्वास्थ्य और उनके परिवारों की भलाई के लिए एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया को पत्र लिखकर (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) का १५०बेडेड अस्पताल स्थापित करने की मांग की है।

सांसद ने पत्र में उल्लेख किया है कि धनबाद, जिसे 'कोल कैपिटल ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है, झारखंड का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। यहाँ के श्रमिक खतरनाक कार्य परिस्थितियों में काम करते हैं, जिससे वे श्वसन संबंधी रोग, चोटें और अन्य व्यावसायिक बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। वर्तमान स्वास्थ्य सेवाएँ उनकी जरूरतों को पूरा करने में नाकाफी साबित हो रही हैं।

ढुलू महतो ने बताया कि भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और सीएमपीडीआई जैसी प्रमुख कंपनियों के हजारों श्रमिक धनबाद में कार्यरत हैं, जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि एक आधुनिक ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना से श्रमिकों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी, जिससे उनकी सेहत में सुधार होगा और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सकेगा।

सांसद ने यह भी कहा कि यह अस्पताल केवल श्रमिकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी स्वास्थ्य सुविधाओं का एक नया आयाम साबित होगा। उन्होंने सदन में भी इस विषय को उठाया है और केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है।

ढुलू महतो ने विश्वास जताया कि यह अस्पताल धनबाद के विकास में एक नया मील का पत्थर साबित होगा और श्रमिक समुदाय को एक सुरक्षित व स्वस्थ जीवन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे।

अत्याधुनिक परिवर्तन के लिए दो कंपनियों ने मिलाये हाथ

धनबाद (कासं) : सोमवार को सेंसर, सॉफ्टवेयर और स्वायत्त प्रौद्योगिकियों को मिलाकर डिजिटल रियलिटी समाधानों में वैश्विक अग्रणी नाम हेक्सागन ने टेक्नोलॉजी इनोवेशन इन एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग फाउंडेशन (टेक्समिन), आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के साथ मिलकर इस क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की घोषणा की है। इस साझेदारी का शुभारंभ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से हुआ। जिसका उद्घाटन पद्म भूषण डॉ.वी. के. सारस्वत, (सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार), प्रमोद कौशिक (अध्यक्ष, हेक्सागन इंडिया), मनोज शर्मा (निदेशक विपणन और बिक्री उत्कृष्टता, हेक्सागन इंडिया), प्रो.सुकुमार मिश्रा (निदेशक, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और अध्यक्ष, हब गवर्निंग बोर्ड, टेक्समिन फाउंडेशन), प्रो. धीरज कुमार (उप. आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक और टेक्समिन फाउंडेशन के परियोजना निदेशक) के साथ इस मौके पर समाज की कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां इसमें शामिल हुए। मीडिया से बात करते हुए, हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद कौशिक ने कहा हेक्सागन इंडिया में हम अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए नए आईडिया को बढ़ावा देने और उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टेक्समिन, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के साथ यह साझेदारी एआई, आईओटी और भूस्थानिक विश्लेषण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के साथ खनन क्षेत्र में कई अत्याधुनिक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हमारा लक्ष्य एक साथ मिलकर एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो न केवल खनन में मौजूदा चुनौतियों का समाधान करता है, बल्कि भारत को टिकाऊ और प्रौद्योगिकीसंचालित खनन समाधानों में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित करता है।इस अवसर पर आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के उप निदेशक और टेक्समिन फाउंडेशन के परियोजना निदेशक प्रो. धीरज कुमार ने कहा, आज, साइबरभौतिक प्रणालियों का लाभ उठाने वाले किसी भी उद्योग में परिवर्तन की कल्पना करना एआई, आईओटी और बड़े डेटा एनालिटिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत किए बिना लगभग असंभव है। टेक्समिनहेक्सागन सीओसी की पहल का उद्देश्य खनन ४.० के युग की नींव रखना है, जिससे खनन क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक और कम्प्यूटेशनल शक्ति लाई जा सके। यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो यह सहयोग खनन में क्रांति लाने, दक्षता, सुरक्षा और स्थिरता को पहले से अकल्पनीय तरीकों से आगे बढ़ाने में एक आधारभूत कदम होगा। मीडिया से बात करते हुए हेक्सागन इंडिया के मार्केटिंग और बिक्री उत्कृष्टता निदेशक मनोज शर्मा ने कहा कि टेक्समिन,आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के साथ हमारा सहयोग खनन उद्योग के लिए नए विचारों को बढ़ावा देने और परिवर्तनकारी समाधान प्रदान करने के लिए हेक्सागन इंडिया की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एआई और आईओटी जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों का लाभ उठाकर हमारा लक्ष्य खनन मूल्य श्रृंखला में परिचालन दक्षता, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाना है। यह पहल केवल तकनीकी उन्नति के बारे में नहीं है बल्कि यह इस उद्योग के पेशेवरों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए खनन के नए तकनीक के भविष्य का नेतृत्व करने के अवसर पैदा करने के बारे में है।

इस साझेदारी से खनन, अन्वेषण और संबद्ध तकनीकों को लेकर टेक्समिन के गहन ज्ञान के साथ हेक्सागन की अत्याधुनिक तकनीकी क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा।

हेक्सागन डिजिटल, रियलिटी समाधानों में वैश्विक अग्रणी संस्था है, जो सेंसर, सॉफ्टवेयर और स्वायत्त प्रौद्योगिकियों को जोड़ती है। हम औद्योगिक, विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक क्षेत्र और गतिशीलता अनुप्रयोगों में दक्षता, उत्पादकता, गुणवत्ता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए डेटा का उपयोग करते रहे हैं। एक स्केलेबल, टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने को लेकर हमारी प्रौद्योगिकियां उत्पादन और लोगों से संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र को तेजी से कनेक्टेड और स्वायत्त बनाने के लिए आकार दे रही हैं। टेक्समिन, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के बारे में: टेक्नोलॉजी इनोवेशन इन एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग फाउंडेशन (टेक्समिन) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय के तत्वावधान में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में स्थापित एक सेक्शन८ कंपनी है। टेक्समिन का लक्ष्य आईओटी, एआई/एमएल, ब्लॉकचेन, ड्रोन, रोबोटिक्स और सैटेलाइट इमेजरी जैसी साइबरभौतिक प्रणालियों का उपयोग करके व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य खनिज अन्वेषण और खनन समाधान विकसित करना है।

संपादकीय

ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा कर सकती है परमाणु ऊर्जा

भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में लगभग दोगुनी हुई है। यह 4,780 मेगावॉट से बढ़कर 8,081 मेगावॉट हो चुकी है और 2031 तक यह तीन गुना हो जाएगी। देश-दुनिया की आबादी और अर्थव्यवस्था में जिस तरह से वृद्धि हो रही है और जिस गति से शहरीकरण हो रहा है, यह तय है कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा की मांग में काफी वृद्धि होने वाली है। भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने आजादी के पहले से ही भविष्य की जरूरतों को देखते हुए भारत को परमाणु ऊर्जा संपन्न देश बनाने का सपना देखा था। हमारा देश बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी को बढ़ाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इस समय हमारे सामने ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की चुनौतियों के अलावा जनजीवन को स्वच्छ वातावरण देना बहुत जरूरी है। परमाणु ऊर्जा बहुत लंबे समय तक हमारी ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा कर सकती है। सभी को ज्ञात है कि वायु प्रदूषण दुनिया का सबसे बड़ा पर्यावरणीय जोखिम है। बिजली उत्पादन का वैकल्पिक स्रोत है परमाणु ऊर्जा। यह एक कम उत्सर्जन वाला स्रोत है और इससे कार्बन का उत्सर्जन भी बहुत कम होता है। इसलिए एक टिकाऊ भविष्य की ऊर्जा प्रणाली बनाने के लिए, कम कार्बन बिजली उत्पादन के अन्य रूपों में वृद्धि के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा के व्यापक उपयोग करना आवश्यक है। वर्तमान में देश की लगभग 80 प्रतिशत बिजली जीवाश्म ईंधन से आती है। यदि भारत अपने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को पूरा करना चाहता है तो इसे कम करना

होगा। देश में इस समय सौर और पवन ऊर्जा में निवेश हो रहा है साथ ही आठ परमाणु रिएक्टर भी निर्माणाधीन हैं। कम-से-कम 25 और बनाने की योजना है। पर्यावरण की सुरक्षा के मद्देनजर देश को वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ानी ही होगी। परमाणु ऊर्जा से बनी बिजली कार्बन मुक्त तो होती ही है, साथ ही इससे बनी बिजली सस्ती भी होती है। देश में कोयला, जल विद्युत, सौर, और पवन ऊर्जा के बाद परमाणु ऊर्जा बिजली का पांचवां सबसे बड़ा स्रोत है। भारत में फिलहाल आठ परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में 23 परमाणु रिएक्टर चालू हैं। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को संचालित करना कोयले या गैस संयंत्रों की तुलना में सस्ता है। देश में थोरियम की उपलब्धता परमाणु ऊर्जा को भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में प्रस्तुत करती है। इसे भविष्य का ईंधन माना जाता है और भारत थोरियम संसाधनों में अग्रणी देश है। इससे भारत को जीवाश्म ईंधन मुक्त राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। सौर और पवन ऊर्जा मौसम की स्थिति पर निर्भर होते हैं। जबकि परमाणु ऊर्जा एक विश्वसनीय स्रोत है। पिछले कुछ सालों से भारत में पहली बार परमाणु ऊर्जा का उपयोग बड़े पैमाने पर अलग-अलग क्षेत्रों में किया जा रहा है। इनमें कृषि उत्पादों और फलों का जीवनकाल बढ़ाने के साथ ही कैंसर और अन्य रोगों के उपचार में नवीनतम तकनीकों का उपयोग शामिल है। ये हम जानते हैं कि भारत जीवाश्म ईंधन संसाधनों में बहुत समृद्ध नहीं है। इस दृष्टि से भी बढ़ती ऊर्जा की मांग को देखते हुए परमाणु ऊर्जा भविष्य का बेहतर विकल्प है। परमाणु ऊर्जा बिजली उत्पादन का एक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल स्रोत है और यह देश को स्थायी रूप से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान कर सकता है। लेकिन, परमाणु ऊर्जा को लेकर अभी भी आम लोगों में भ्रम की स्थिति है। इसलिए अगर सरकार इसे ऊर्जा का एक व्यवहार्य स्रोत बनाना चाहती है, तो परमाणु ऊर्जा उत्पादन को सार्वजनिक स्वीकृति मिलना आवश्यक है।

सिर्फ शोर या मामला गंभीर?, ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ हवा-हवाई बातें

अभिषेक कुमार सिंह

दुनिया में ऐसा मानने वालों की कोई कमी नहीं है जो कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) और बढ़ते वैश्विक तापमान (ग्लोबल वॉर्मिंग) सिर्फ हवा-हवाई बातें हैं. इनका हौवा खड़ा करके कुछ पर्यावरणवादी संगठन और गरीब देश अपने लिए धन ऐंठते हैं. हाल में अमेरिका के दोबारा निर्वाचित हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तो ऐसे ही तर्क देकर जलवायु परिवर्तन थामने वाली पेरिस संधि से बाहर भी हो चुके हैं. इसके अलावा कुछ लोगों का यह भी कहना है कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कई बार सकारात्मक असर भी होता है. इसका एक उदाहरण इधर उत्तराखंड में देखने को मिल रहा है, जहां नीति घाटी में तेजी से बढ़ते एक हिमनद (ग्लेशियर) का पता चला है. भारत-तिब्बत सीमा के नजदीक स्थित नीति घाटी में पाए गए इस हिमनद की लंबाई वैसे तो 10 किलोमीटर है, लेकिन यह कुल मिलाकर 48 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है. हाल तक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम आदि में हिमनदों के पिघलने और पहले के मुकाबले उनके सिकुड़ने और गायब हो जाने की खबरें आती रही हैं. ऐसे में तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की सूचना से जलवायु परिवर्तन से जुड़े वे सवाल फिर उठ खड़े हुए हैं कि कहीं सच में ऐसी आपदाओं का फर्जी डर तो नहीं दिखाया जा रहा है. या फिर नुकसान करने की बजाय यह परिवर्तन या तो पृथ्वी के वातावरण में संतुलन बनाने के लिए होता है. जहां तक उत्तराखंड में प्रकाश में आए हिमनद की बात है, तो इसका पता देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के भूवैज्ञानिकों ने उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों और अन्य संबंधित तकनीकों के जरिए लगाया है. संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस बयान दे चुके हैं कि हमारी पृथ्वी गंभीर किस्म की जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही है. गुतारेस यह चेतावनी तक दे चुके हैं कि इन विचित्र घटनाओं के मद्देनजर मानव सभ्यता के पास 'सहयोग करने या खत्म हो जाने' का विकल्प ही बचा है. ऐसे में ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने के लिए या तो कठोर जलवायु सहयोग संधि करनी होगी या एक सामूहिक आत्महत्या संधि. यह भी अजब विडंबना है कि पिछले चार-पांच दशकों में धरती की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ, जबकि इस दौरान इससे संबंधित आह्वान लाखों बार किए जा चुके हैं. क्यों नहीं, अरबों-खरबों के खर्च के बावजूद वे कोशिशें रंग लाती दिखीं, जिन पर अमल होने से धरती माता के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार आ जाना चाहिए था. यूं तो इस अवधि में दुनिया में धरती की सेहत यानी पर्यावरण संबंधी मामलों को लेकर लोगों में जागरूकता आई है और उनकी जानकारी का स्तर बढ़ा है. लेकिन ऐसी जानकारी किस काम की जो हमें सिर्फ मां का हाल जानने तक सीमित रखे, उसे बुखार में देखकर भी उसके कष्टों के इलाज का कोई प्रबंध न करे.

आज का कार्टून

अब सवाल है कि ग्रेटर इजरायल में क्या-क्या शामिल होगा?

> इजरायल और अमेरिका की संयुक्त बमबारी करके सीरिया में सफल हुए विद्रोहियों की सेना को कमजोर कर दिया गया। उसकी थल, जल और वायु मारक क्षमता वाले हथियारों को लगातार नेस्तनाबूद किया गया। समझा जाता है कि ग्रेटर इजरायल में कई अरब देशों के हिस्से इजरायल के नेतृत्व वाले यहूदी देश में शामिल होंगे। क्योंकि ग्रेटर इजरायल प्लान में अरब का एक बड़ा इलाका शामिल है, जिसे साकार करने में अब ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। कारण कि सीरिया में बशर अल असद की सत्ता मिटने से ईरान ज्यादा कमजोर हुआ है। वहीं, रूस के पांव ही अरब मुल्क से उखड़ चुके हैं, जिससे अफ्रीका तक में रूसी रणनीति अब प्रभावित होगी। इससे एक ओर जहां अमेरिका-इजरायल की बल्ले-बल्ले है, वहीं तुर्की के एरदोगन भी अरब के मुस्लिम खलीफा बनने को ततपर नजर आ रहे हैं। बता दें कि सीरिया में बशर अल-असद के शासन के लगभग ढाई दशक के शासन के खत्म होते ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली सेना को गोलान हाइट्स पर इजरायली कब्जे के पार सीरियाई क्षेत्र में जाने का आदेश दिया और इजरायली सेना ने टैंकों के साथ सीमा को बांटने वाली अल्फा लाइन को पार कर लिया।

कमलेश पांडे

क्या आपको पता है कि 19वीं सदी में यहूदीवाद (जायोनिज्म) आंदोलन की आधारशिला रखने वाले थियोडोर हर्जेल ने एक ऐसे यहूदी देश की अवधारणा रखी थी, जो अरब के एक बड़े इलाके में फैला हुआ होगा। यदि नहीं तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि यहूदीवाद, यहूदियों का तथा यहूदी संस्कृति का राष्ट्रवादी राजनैतिक आन्दोलन है जो इसराइल के ऐतिहासिक भूभाग में यहूदी देश की पुनर्स्थापना का समर्थन करता है।

दरअसल, जायोनिज्म का आरम्भ मध्य एवं पूर्वी यूरोप में 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुआ। यह यूरोप के सिमेटिक विरोधी राष्ट्रवादी आन्दोलनों के प्रतिक्रियास्वरूप एक राष्ट्रीय पुनरुजीवन आन्दोलन के रूप में शुरू हुआ। यहूदीवाद आंदोलन का मुख्य उद्देश्य है कि फिलिस्तीन में यहूदीकरण तथा यहूदीबाद का विस्तार करना, जिसके लिए इसकी विश्व में बहुत आलोचना हो चुकी है। हालांकि इसके शीघ्र बाद इस आन्दोलन के अधिकांश नेताओं ने फिलिस्तीन के अन्दर अपना देश बनाने का लक्ष्य स्वीकार किया। फिलिस्तीन उस समय उसमानी साम्राय के अधीन था।

यही वजह है कि समय-समय पर इजरायल में इसे लेकर चर्चाएं होती रही हैं। बहरहाल सारिया में रूस समर्थित बशर अल-असद की क्रूर सत्ता के पतन के बाद अब एक बार फिर से इसकी चर्चा तेज हो गई है। क्योंकि तुर्की के साठगांठ और अमेरिका-इजरायल के परोक्ष सहमति से सीरिया में बशर अल-असद के पतन की पृष्ठभूमि तैयार की गई और इस दुःस्वप्न के साकार होने के बाद ही एक बार फिर से ग्रेटर इजरायल की चर्चा तेज हो गई। क्योंकि बिना कोई समय गंवाए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के आदेश के बाद इजरायली सेना ने अल्फा लाइन को पार कर लिया और सीरिया के एक बड़े हिस्से पर कब्जा जमा लिया।

इसके अलावा, इजरायल और अमेरिका की संयुक्त बमबारी करके सीरिया में सफल हुए विद्रोहियों की सेना को कमजोर कर दिया गया। उसकी थल, जल और वायु मारक क्षमता वाले हथियारों को लगातार नेस्तनाबूद किया गया। समझा जाता है कि ग्रेटर इजरायल में कई अरब देशों के हिस्से इजरायल के नेतृत्व वाले यहूदी देश में शामिल होंगे। क्योंकि ग्रेटर इजरायल प्लान में अरब का एक बड़ा इलाका शामिल है, जिसे साकार करने में अब ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। कारण कि सीरिया में बशर अल असद की सत्ता मिटने से ईरान ज्यादा कमजोर हुआ है। वहीं, रूस के पांव ही अरब मुल्क से उखड़ चुके हैं, जिससे अफ्रीका तक में रूसी रणनीति अब प्रभावित होगी। इससे एक ओर जहां अमेरिका-इजरायल की बल्ले-बल्ले हैं, वहीं तुर्की के एरदोगन भी अरब के मुस्लिम खलीफा बनने को ततपर नजर आ रहे हैं। बता दें कि सीरिया में बशर अल-असद के शासन के लगभग ढाई दशक के शासन के खत्म होते ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली सेना को गोलान हाइट्स पर इजरायली कब्जे के पार सीरियाई क्षेत्र में जाने का आदेश दिया और इजरायली सेना ने टैंकों के साथ सीमा को बांटने वाली अल्फा लाइन को पार कर लिया। लिहाजा, इजरायली सेना के इस कदम के बाद से ही ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना को साकार करने को लेकर चर्चाएं पुनः तेज हो गई हैं। यह बात मैं नहीं कह रहा बल्कि खुद को

मानवाधिकार कार्यकर्ता और इतिहासकार बताने वाले क्रेग मरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ग्रेटर इजरायल को लेकर एक बड़ा दावा किया है, जिससे अरब देशों में सनसनी मच गई है। दरअसल, उन्होंने कहा कि, सीरिया में एक नई सरकार आकार ले रही है, जिसकी फंडिंग और तैयारी तुर्की, अमेरिका, इजरायल और खाड़ी देश कर रहे हैं। यही नहीं, उन्होंने आगे कहा कि यह लोकतंत्र का सांठगांठ मानवाधिकारों के बारे में नहीं है। बल्कि यह ग्रेटर इजरायल और फिलिस्तीनियों के नरसंहार के बारे में है। इसलिए अब सवाल उठता है कि आखिर ग्रेटर इजरायल का अभिप्राय क्या है? तो एक बार फिर यहां स्पष्ट कर दें कि ग्रेटर इजरायल का मतलब उस बड़े अरब भूभाग से है, जहां तक कभी प्राचीन यहूदी राज्य हुआ करता था। इसे मध्य पूर्व के लिए जायोनिस्ट (यहूदीवादी) विस्तारवादी योजना भी कहा जाता है। जानकार बताते हैं कि 19वीं सदी में यहूदीवाद की स्थापना करने वाले थियोडोर हर्जेल ने इसकी अवधारणा दी थी। इसमें मिस्त्र की नील नदी से यूफ्रेट्स और मदीना से लेकर लेबनान तक का इलाका शामिल है। यानी इस क्षेत्र में मिस्त्र, लेबनान, सीरिया, इराक, सऊदी अरब, पूरा जॉर्डन और कब्जे वाला फिलिस्तीनी क्षेत्र शामिल है।

समझा जाता है कि इस विशाल इलाके में अमेरिकी प्रभुत्व होने के कारण इजरायल को यह स्वप्न साकार करने में कोई परेशानी नहीं आएगी, बल्कि इस स्वप्न के साकार होते ही उसकी सैन्य ताकत और क्षेत्रीय रणनीतिक प्रभुत्व क्षमता में और भी इजाफा हो जाएगा। समझा जाता है कि भारत का भी मूक समर्थन पुराने और भरोसेमंद दोस्त इजरायल को हासिल है, अन्यथा रूस को सीरिया से खदेड़ने का षड्यंत्र वह नहीं रचता और न ही उसमें शामिल होता। उधर, अमेरिका भी इस मुद्दे पर खामोशी के लिए भारत का अहसानमंद है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि बंगलादेश में हिंदुओं के खिलाफ जो इस्लामिक षड्यंत्र चल रहा है, उसके परिप्रेक्ष्य में अखंड भारत यानी ग्रेटर इंडिया के सपने को साकार करने का आरएसएस का दबाव मोदी सरकार पर बढ़ रहा है। यह तभी संभव होगा, जब अरब देश कमजोर होंगे। चूंकि इजरायल की मजबूती ही अरब देशों की कमजोरी है। इसलिए ईरान से लेकर सीरिया तक में चीनी-रूसी दिलचस्पी के बाद भी भारत ने रणनीतिक तटस्थता बरती, जिससे अमरीकी-इजरायल गेम प्लान तो सफल हुआ ही, भारत के शत्रु व पाकिस्तान के समर्थक देश तुर्किये की करीबी भी रूस से घटी, जो भारत के लिए एक शुभ संकेत है।

सीआईए और रॉ से जुड़े लोग बताते हैं कि ग्रेटर इंडिया प्लान में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बंगलादेश, म्यामांर और ईरान के उन हिस्सों को भारत में शामिल करना है, जो कभी विशाल मगध साम्राज्य का हिस्सा रह चुके हैं। इसमें तिब्बत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव आदि स्वतः शामिल हो जाएंगे। इस क्षेत्र में न केवल सनातनी विचारों को मजबूत करना है, बल्कि हिंसा-प्रतिहिंसा के लिए कोई जगह न बचे, ऐसा प्रशासन मजबूत करना है। समझा जाता है कि चीन को काबू में रखने के लिए अमेरिका और मुसलमानों को कमजोर करने के लिए इजरायल भी ग्रेटर इंडिया प्लान से सहमत है, जो अभी सिर्फ कागजों पर है और नीतिगत रूप से खुफिया एजेंसी की प्राथमिकता में है। तो जवाब यही होगा कि इजरायली राजनीति में ग्रेटर इजरायल की बात कोई नई बात नहीं है, बल्कि मिडिल ईस्ट मॉनिटर की एक रिपोर्ट भी इस बात की चुगली करती है, जिसके अनुसार, जनवरी 2024 को इजरायली राजनेता एवी लिपकिन ने कहा था कि, आखिरकार हमारी सीमाएं लेबनान से सऊदी अरब के ग्रेट डेजर्ट तक फैलेंगी। फिर भूमध्य सागर से फरात नदी (इराक) तक। और फरात के दूसरी तरफ कौन है? कुर्द! और वे हमारे दोस्त हैं। वहीं, लिपकिन ने आगे कहा कि, इसलिए हमारे पीछे भूमध्य सागर है और हमारे सामने कुर्द हैं, लेबनान है, जिसे वास्तव में इजरायल की छत्रछाया की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि फिर हम मक्का, मदीना और माउंट सिनाई पर कब्ज़ा करेंगे, और उन जगहों को शुद्ध करेंगे।

सीधा सवाल है कि क्या अमेरिका भी इस प्लान में शामिल है? तो जवाब स्वरूप कई इतिहासकारों तथा अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों का भी कहना है कि यही वजह है कि इज़राइल धीरे-धीरे और रणनीतिक रूप से अपने पड़ोसियों, विशेष रूप से फिलिस्तीन से अधिक से अधिक भूमि हड़प रहा है। कई विश्लेषक यहां तक कहते हैं कि ग्रेटर इजरायल पूरी तरह से यहूदी प्लान नहीं है, बल्कि इसके पीछे अमेरिका की सोच काम कर रही है, जिसका उद्येश्य मध्य पूर्व में अपने आधिपत्य का विस्तार करना है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले ब्रिटेन की एक योजना के चलते ही आगे चलकर इजरायली राज्य का गठन हुआ था, जिसे बाल्फोर घोषणा भी कहा जाता है। इसलिए अब अमेरिका-इजरायल की युगलबंदी में भारत की मौन वैचारिक व रणनीतिक छौंक क्या गुल खिलाएगी, जानना-समझना-इंतजार करना दिलचस्प रहेगा?

कुछ पाने की चाह से नहीं होती सेवा, दिखावा करना जरूरी नहीं

> सम्मान अच्छे कार्यों की स्वीकृति होकर व्यक्ति की प्रशंसा का परिचायक है। अच्छी उपलब्धि और हितकारी कार्य करनेवाले के कार्य का एक सकारात्मक मूल्यांकन होता है। अपने-अपने क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने या विशिष्ट कार्य करने पर सभी प्रकार की संबंधित संस्थाएं, संगठन या प्रकल्प उपलब्धि प्राप्तकर्ता का व्यक्तिगत या उससे जुड़े समूह का सम्मान-अभिनंदन करते हैं। जैसा कि हम आए दिन देखते हैं। सार्वजनिक या सामाजिक रूप से यह सम्मान दोनों ओर के वातावरण में एक प्रकार से उत्साह का संचार करता है।

भगवती प्रसाद गेहलोत

सम्मान देने वाला जितना महत्त्वपूर्ण कार्य करता है, उससे अधिक सम्मान प्राप्त करने वाले का उत्साहवर्धन होता है। उसने जो कार्य किया है, सम्मान देने वालों की उसके प्रति निष्ठा और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रकट होता है जो अन्य के लिए भी प्रेरक होता है। उनमें भी अपने कार्य के प्रति लगन और उत्साह पैदा करता है। सम्मान, दोनों पक्षों में आत्मविश्वास बढ़ाता है, इसलिए सम्मान करना हमारे यहां की संस्कृति और परंपरा है। सामाजिक हित, राष्ट्रहित, विशेष क्षेत्र या विशेष सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्य, प्राप्त की गई उपलब्धि या किए गए त्याग, जो समाज, देश और उस क्षेत्र को गौरव प्रदान करे, मानव जाति का भला करे, मार्गदर्शन करे, अन्य के लिए आदर्श और प्रेरक बने, ऐसे व्यक्तित्व को चुनकर संस्था, संगठन, समाज, देश स्तर से लेकर विश्व स्तर तक सम्मान की परंपरा है और विशेष अवसरों पर सार्वजनिक रूप से सम्मान के लिए सम्मान समारोहों का आयोजन किया जाता है।

समाज सेवा के क्षेत्र में कुछ व्यक्ति मौन रहकर कार्य करते हैं। ऐसे व्यक्ति जो उचित होता है, वैसा करते हैं, करते जाते हैं, वे किसी को बताते नहीं। अपने कार्य के अतिरिक्त समय में से समय निकाल कर भला कर सकने

योग्य होते हैं। भले लोग भला करने में लग जाते हैं तो कुछ जीवनपर्यंत भले कार्य को अपना लेते हैं। जो ऐसे लोगों और उनके कार्य व्यक्तित्व की परख करते हैं, वे उन्हें प्रकाश में लाते हैं। मीडिया के माध्यम से या अन्य सम्मान करने योग्य संस्था को बताकर उनके महत्त्व को प्रकट करते हैं, सम्मान प्रदान करने के माध्यम से। मगर इसमें अगर किसी कोण से स्वार्थ घुसता है तो व्यक्ति के चुनाव पर असर पड़ता है और फिर इसके बाद सम्मान की गरिमा भी प्रभावित होती है, क्योंकि जिस आम जनता को कई बार मासूम और निरपेक्ष समझ लिया जाता है, उसकी नजर सधी हुई होती है।

कुछ व्यक्ति या संस्थाएं मेवा के लिए सेवा करते हैं, ताकि अधिसंख्य लोग उनकी सेवा को ध्यान में रखकर उसको जानें-पहचानें और राजनीति में पद प्राप्ति का अवसर आने पर सेवा कार्य को भुनाकर पद प्राप्त कर सकें और सेवा का स्थायी पारिश्रमिक प्राप्त कर सकें। ऐसे में दूसरे भी उनकी सिफारिश कर सकें कि ये समाज सेवक हैं। ऐसे व्यक्ति सेवा के माध्यम से अपना निवेश करते हैं और अवसर आते ही कई गुना ज्यादा भुनाने की व्यवस्था कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति या ऐसी संस्थाएं लोकप्रियता के मामले में उच्च दर्जे पर बने रहते हैं। इस श्रेणी में अधिकांश स्वयंसेवी संगठन और सेवा के बदले लाभ का पद प्राप्त करने वाले लोग आते हैं। उनके कानों में इस तरह की लोकोक्तियां गूंजती रहती हैं, 'करेंगे सेवा तो मिलेगा मेवा।' उनके लिए यह जरूरी भी होता है कि वे बताएं कि सेवा के क्षेत्र में उन्होंने किया क्या है! या फिर यों ही वित्त पोषण प्राप्त करते रहते हैं और अपने लोगों या खुद को सम्मान दिलवाते रहते हैं। कुछ लोग लोकप्रियता की चर्चा या सुर्खियों में बने रहने के लिए भी सेवा कार्य करते हैं। उन्हें उसी में मजा आता है। यह उनकी जिजीविषा होती है और उनके लिए इतना ही पर्याप्त होता है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि सम्मान मानव समाज की गरिमा को बढ़ाते हैं। सच्चे और भले लोगों का सम्मान मानवीयता और इंसानियत का सम्मान है। बुद्धिजीवी और सहृदय लोग और समाजों की यही पहचान है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा को समाज याद रखता है। हां, अगर सेवा के बदले मेवा प्राप्त करने की इच्छा हो या फिर शर्त हो तो उसे सेवा नहीं माना जाता। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं कि निस्वार्थ भाव से सेवा करने वालों को भी कभी-कभी शंका की दृष्टि से देखने लगे जाते हैं और उन पर अंगुली उठाने लग जाते हैं। हालांकि इसके लिए कुछ वैसे लोग जिम्मेदार होते हैं, जो स्वार्थ के मकसद से सेवा करने का ढोंग करते हैं। ऐसे में यह बहुत जरूरी होता है कि पूरी बात जान ली जाए, उसकी तह तक जाया जाए, परखा जाए और तब उसके बाद धारणाएं बनाई जाएं। अनुचित धारणा बनाने से मानवीय भावना कुंद होती है, उसे हानि पहुंचती है।

इन सबसे हटकर सुलक्ष्य की प्राप्ति के लिए सुपथ पर चलकर अच्छे लक्ष्य की प्राप्ति, जो अपनी और सबकी गरिमा बढ़ाए, जो समाज में उत्साह जागृत कर प्रेरणा प्रदान करे, सम्माननीय होता है। दबंगई और ताकत के बल पर सम्मान पाना अलग बात है और विनय के भाव में रह कर और दूसरों का निस्वार्थ भाव से भला कर, उपलब्धि प्राप्त कर सम्मान पाना अलग बात है। सम्मान, उत्साह, ऊर्जा, गरिमा और सकारात्मकता का प्रेरक होता है। इसलिए सम्मान की परंपराओं से विरत नहीं हुआ जा सकता। इससे अच्छी बात भला क्या होगी कि भले और अच्छे लोगों का सम्मान होता रहे, निस्वार्थ और सच्चे लोगों का सम्मान होता रहे।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर जोर

बोकारो (ससे): पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य जिले के बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम बच्चों को सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक पोषण भी प्रदान करता है। उक्त कार्यक्रम के तहत जिले में १६ दिसंबर को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला परिषद कार्यालय के सभागार में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉक्टर सुमन गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

वहीं इसी कार्यक्रम के तहत गोमिया प्रखंड के सभागार में भी शुभारंभ किया गया, जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी गोमिया सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में चास ग्रामीण एवं गोमिया प्रखंड के लगभग १०० सेविकाएं भाग लिये। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी चास प्रदीप कुमार, बाल परियोजना पदाधिकारी चास, सुपरवाइजर एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन कुमार गुप्ता ने कहा कि आईसीडीएस के तहत बच्चों को बौद्धिक विकास के लिए यह कार्यक्रम चलाया गया है। इसलिए आप सभी अस्थिर मन से प्राप्त अक्षरश पालन करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कीजिए तदोपरांत अपने-अपने केंद्रों में जाकर इससे इंप्लीमेंट करें।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉक्टर सुमन गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ बच्चे, उज्वल भविष्य, शिक्षा में सुधार एवं समाज में बदलाव है। इसके तहत कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य बच्चों को स्वस्थ और पोषित बनाना है ताकि वे बेहतर ढंग से सीख सकें और अपने जीवन में सफल हो सकें तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर भी जोर देता है ताकि वे अपने भविष्य के लिए तैयार हो सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पोषण और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉक्टर सुमन गुप्ता ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को पोषक आहार दिया जाता है और उन्हें खेल-कूद और शिक्षण गतिविधियां करवाई जाती हैं तथा शिक्षकों को बच्चों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने और उनके पोषण के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके साथ साथ माता-पिता को बच्चों के पोषण और शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा समुदाय के लोगों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया जाता है ताकि वे बच्चों के विकास में योगदान दे सकें।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉक्टर सुमन गुप्ता ने आंगनबाड़ी किट के बारे में बताया कि इस किट में कुल ८० किताबें हैं, जिसमें बच्चों से लेकर महिलाओं तक की जानकारी उपलब्ध है। इसमें रखें सभी किताबों को प्रैक्टिकल रूप से तैयार किया गया है ताकि बच्चों को सिखाने में बहुत ही आसानी हो सके। उन्होंने आगे बताया कि स्कूल जाने से पूर्व की तैयारी को लेकर बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र में भेजा जाता ताकि बच्चे को शुरुआती ज्ञान व जानकारी मिल सके।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉक्टर सुमन गुप्ता ने कार्यक्रम से बच्चों को बहुत लाभ होगा। इसके तहत बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। साथ ही साथ बच्चों की पढ़ाई में सुधार होगा और वे बेहतर अंक प्राप्त करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम से समाज का विकास होगा और देश का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

प्रखंड विकास पदाधिकारी चास प्रदीप कुमार ने कहा कि यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपलोग पूरे मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा प्रशिक्षण के उपरांत अपने अपने आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर बच्चों को कैसे पढ़ाना है, कैसे बच्चों को बैठाना है, कैसे बच्चों को सीखाना है, यह सब बाते सीखकर ले, अपने अपने केंद्रों पर जाकर इंप्लीमेंट करें। बच्चों को क्या-क्या चीज खाना है क्या-क्या चीज नहीं खाना है इसके बारे में भी बच्चों को विस्तार पूर्वक जानकारी दें ताकि वह छोटे से ही उनका दिल दिमाग मजबूत हो।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर सह महिला पर्यवेक्षिका रेणु लता एवं स्मिता अखौरी तथा गोमिया प्रखंड में मास्टर ट्रेनर सह महिला पर्यवेक्षिका नीतू सिंह एवं कंचन कुमारी के द्वारा दिया गया। शिक्षण के दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अनीता झा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बांस हस्तशिल्पकारों का प्रशिक्षण शुरू

कोडरमा (ससे): कोडरमा उद्योग विभाग, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास के कोडरमा द्वारा सोसायटी फॉर रूरल एंड एजुकेशन एडवांसमेंट के संयुक्त तत्वावधान चंदवारा प्रखंड के भोंडो गांव में विशेष घटक योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति बांस हस्तशिल्प कारों के विकास के लिए २५ दिवसीय हस्तशिल्पकार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया ।

प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के अघनु उरांव, हजारीबाग से आए प्रशिक्षण एजेंसी सोसायटी फॉर रूरल एंड एजुकेशन एडवांसमेंट के रामनाथ महली, प्रखंड समन्वयक उद्यमी समन्वयक अभिषेक कुमार एवं भोंडो पंचायत के मुखिया कोयल देवी मौजुद रहे।

इस अवसर पर जिला उद्यमी समन्वयक अघनु उरांव ने कहा कि शिल्पकारों को आधुनिकी सामग्री बनाने की प्रशिक्षण दी जाएगी ताकि इससे जुड़े क्षेत्र में काम करने वाले की आर्थिक विकास हो सके।

संचालन और ज्ञापन समन्वयक प्रखंड उद्यमी समन्वयक अभिषेक कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ममता देवी, दुलारी देवी, नगिया देवी, शांति देवी, पुनिया देवी, किशिला देवी, रेखा देवी, जमुनी देवी, रानी देवी, सोनिया देवी,पूनम देवी, रेखा देवी, उर्मिला देवी, ललिता देवी, कोलेशरी देवी, सुनिता देवी और शांति देवी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। पंचायत के मुखिया द्वारा लाभुको को सही समय पर नियमित तरीके से आकर प्रशिक्षण लेने के लिए एवं अपने रोजगार को बढ़ाने के लिए निर्देश दिया गया।

कॉलेज में कैरियर काउंसलिंग का हुआ आयोजन

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय में स्वनिर्भर संस्थान के सहयोग से महाविद्यालय कैरियर कॉउंसलिंग सेल के द्वारा सोमवार को विद्यार्थियों के काउंसलिंग के लिए तकनीकि सेशन का आयोजन किया गया।तकनिकी सेशन का उद्देश्य स्नातक में अध्ययरत विद्यार्थियों को कौशल विकास कार्यक्रम के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम एवं गतिविधियों के तकनीकि पहलु के प्रति जागरूक करना था। आज का तकनीकि सत्र विद्यार्थियों तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों के लिए अलग अलग आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वनिर्भर के जनरल मैनेजर सुमित कुमार सिंह व सीनियर मैनेजर नीतीश कुमार सिंह ने कौशल विकास के साथ साथ विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्वनिर्भर तथा महाविद्यालय मिल कर किन किन पाठ्यक्रम व गतिविधियों का संचालन किस प्रकार करेगी,इसकी विस्तृत जानकारी दी।

श्री सिंह ने बताया कि स्वनिर्भर प्रत्येक विद्यार्थी का उनकी अभिरुचि, योग्यता ताकत व कमजोरियों के अनुरूप उनका व्यक्तिगत डैशबोर्ड बनाएगी जिसके माध्यम से विद्यार्थी नियमित रूप से अपनी तैयारियों की समीक्षा टेस्ट व् आगे की रणनीति बना पाएंगे। डैशबोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन व ऑफलाइन सभी प्रकार कि कक्षायें तथा विषयवार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में स्वनिर्भर संस्थान के सुमित सिंह, नितीश कुमार सिंह, निरंजन अग्रवाल समेत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज मिश्रा उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा काउंसलिंग सेल के नोडल पदाधिकारी योगेश प्रसाद आईक्यूएसीसमन्वयक राजकुमार मेहता सहायक प्राध्यापक मधु जायसवाल, रजनी कुमारी, प्रियंका कुमारी, पिन्टू पांडेय, संगीता कुमारी, बिनोद अकेला, संतोष पाठक समेत स्नातक के दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित थे।

विजय कुमार को विज्ञान मंथन में तीसरा रैंक

चास, बोकारो (ससे): असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए डीपीएस चास, बोकारो के छात्र बिजय कुमार महतो ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) २०२४-२५ में राज्यस्तर पर तीसरा रैंक हासिल की और मई २०२५ में में आयोजित होने वाले नेशनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसके लिए उसे २०००/- (दो हजार रुपये) नकद पुरस्कार के साथ-साथ योग्यता प्रमाण पत्र, पदक और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विदित हो कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन, एनसीईआरटी और विज्ञान प्रसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विज्ञान में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों की पहचान करना और फिर उन्हें उच्च स्तर की विज्ञान शिक्षा के लिए तैयार करना है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा के परिणाम १५ दिसंबर २०२४ को घोषित किए गए थे।

इसके विषय पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और सफल छात्र विजय कुमार महतो को को बधाई दी।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह कार्यक्रम विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिभा की पहचान करने और छात्रों के बीच वैज्ञानिक कौशल को बढ़ावा देने में मदद करता है। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने खुशी व्यक्त की और विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों में वैज्ञानिक आदतें पैदा होती हैं जो अंततः उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है।

वाहन जांच अभियान में डीटीओ ने वसूला जुर्माना

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय राजमार्ग पर बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत टॉल प्लाजा के पास परिवहन विभाग द्वारा सोमवार की देर रात चलाएं गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान ०६ वाहनों से ०२.२३ लाख का जूर्माना वसूल किया गया। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) वंदना शेजवलकर द्वारा विशेष जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल ०६ वाहन से ०२.२३ लाख रुपए जुर्माना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल ४० वाहनों की जांच की गई, जिसमें रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर ०६ वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 18 को

डुमरी (ससे): आम नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से १८ दिसंबर (बुधवार) को पूर्वाह्न ११ बजे से एसडीपीओ कार्यालय परिसर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस बाबत एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद ने बताया कि आमजनों के शिकायतों/समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निवारण हेतु झारखंड पुलिस की अनूठी पहल है। एसडीपीओ ने अनुमंडल क्षेत्र के आम नागरिकों से उक्त कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

सीएसआर फंड में टारगेट से अधिक खर्च

धनबाद(कासं) : कोल इंडिया को २०१५ से लेकर २०२४ तक सीएसआर फंड में ४२६५ करोड़ रुपए खर्च करने का लक्ष्य था, लेकिन कंपनी इससे आगे निकल गई है। कंपनी ने पिछले १० सालों में ५५७९ करोड़ खर्च की है। बात इतनी ही नहीं है, सीएसआर फंड खर्च के मामले में कोल इंडिया लिमिटेड देश की शीर्ष तीन कंपनियों में शामिल हो गई है। सीएसआर का अधिकांश हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च होता है।

यह आंकड़ा आया है कोलकाता में रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने किया। इसमें कोयला मंत्रालय के सचिव, कोल इंडिया के अध्यक्ष सहित अन्य मौजूद थे। आंकड़ा उभर कर आया कि कोल इंडिया सीएसआर फंड से स्वास्थ्य ,शिक्षा और आजीविका पर राशि अधिक खर्च करती है।

इन तीन चीजों पर १० वर्षों में कुल खर्च का ७१ राशि खर्च हुई है। अभी कंपनी कोल इंडिया में एक तरफ देशी और विदेशी माइनिंग ऑपरेटरो की भूमिका बढ़ रही है, तो कंपनी भी केवल कोयला प्रोडक्शन से बाहर निकलने के लिए हाथ-पॉव मार रही है। कंपनी अब कोयला उत्पादन से बाहर निकल कर क्रिटिकल मिनरल और थर्मल पावर में कदम बढ़ा रही है। कोल इंडिया आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए कोबाल्ट और लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का अधिग्रहण करना चाहती है। इसके लिए कदम बढ़ा दिए गए है। इन क्रिटिकल मिनरल ब्लॉकों के लिए ई नीलामी में भी कंपनी हिस्सा ले रही है। कंपनी हाल ही में मध्य प्रदेश में ग्रेफाइट ब्लॉक के लिए बोली लगाई है। जो इसका पहला गैर कोयला खनिज खनन उद्यम होगा। कंपनी का कहना है कि वह घरेलू बाजार और विदेशों में लिथियम समेत महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए कोशिश कर रही है।

कर्मियों की संख्या लगातार घट रही है, लेकिन कोल् इंडिया कर्मचारियों-अधिकारियों की सुविधा के लिए नई-नई स्कीम लांच कर रही है। कुछ योजनाएं तो पुरानी है, उनको नए फ्लेवर के साथ लांच किया जा रहा है देस ही नहीं, बल्कि विदेश की भी सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अब ५० साल की हो गई है. पहली नवंबर २०२४ को इस कंपनी के गठन के ५० साल पूरे हो गए है. इस कंपनी को महारत्न कोयला कंपनी का भी दर्जा प्राप्त है. यह बात भी सच है कि १९७५ में, जहां कोल इंडिया का उत्पादन लगभग ९० मिलियन टन था। वही २०२४ में इस कंपनी का उत्पादन ७७५ मिलियन टन के करीब पहुंच गया है।

कोल इंडिया से उत्पादित कोयले की आपूर्ति कोयला आधारित बिजली संयंत्र को ८० के लगभग होती है। यह अलग बात है कि कोल् इंडिया का उत्पादन कई गुना अधिक हो गया है। लेकिन कोयला उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के समय कर्मचारियों की संख्या जहां लगभग ६.५० लाख थी, वही आज लगभग सवा २ लाख कर्मचारी ही कंपनी में रह गए है।

विज्ञान मंथन में डीपीएस के आरूष रंजन को पहला स्थान

बोकारो (ससे): विज्ञान के क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी प्रतियोगिता विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) में डीपीएस बोकारो के १०वीं के छात्र आरूष रंजन ने पूरे झारखंड में पहला स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय और शहर को गौरवान्वित किया है। आरुष ने कक्षा १० के समूह में राज्य में पहली रैंक पाते हुए आगामी मई, २०२५ में होने वाली विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राष्ट्रीय परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है।

विदित हो कि बीते २३ अक्टूबर और २७ अक्टूबर को ऑनलाइन मोड में वीवीएम २०२४-२५ की परीक्षा हुई थी, जिसमें डीपीएस बोकारो के नौ विद्यार्थी राज्य स्तर पर चयनित किए गए थे।

इसके बाद १५ दिसंबर को सीएसआईआर, सीआईएमएफआर, धनबाद में आयोजित राज्यस्तरीय शिविर में प्रैक्टिकल और लिखित

परीक्षा के बाद पूरे झारखंड से आरूष रंजन ने १०वीं कक्षा के ग्रुप में रैंक १ लाकर मेधावितापूर्ण अपनी कामयाबी का परचम लहराया।

धनबाद में आयोजित उक्त परीक्षा में झारखंड के विभिन्न जिलों से कक्षा ६ से ११वीं के कुल १३१ प्रतिभागियों ने भाग लिया। उनमें से १२ छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता के सबसे अंतिम चरण राष्ट्र स्तरीय शिविर के लिए चयनित किए गए। इनमें आरूष रंजन पहले स्थान पर रहा। इसके लिए उसे ५००० रुपए की पारितोषिक राशि, प्रमाण-पत्र और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी आईएसएम धनबाद के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा तथा सीएसआईआर-एसआईएमएफआर के निदेशक प्रोफेसर अरविन्द कुमार मिश्रा ने आरूष को पुरस्कृत किया।

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने आरूष की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे बधाई एवं राष्ट्रीय स्तर के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा के विकास को लेकर कटिबद्ध है। गौरतलब है कि आरूष रंजन ने हाल ही में रीजनल मैथमेटिकल ओलंपियाड (आरएमओ) में शानदार सफलता प्राप्त कर भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (आईएनएमओ) के लिए भी क्वालीफाई किया है।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और एनसीईआरटी की ओर से आयोजित विद्यार्थी विज्ञान मंथन विज्ञान की सबसे बड़ी प्रतिभा-खोज प्रतियोगिता है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए योगदान से अवगत कराना है। यह परीक्षा तीन स्तरों पर आयोजित की जाती है। प्रथम स्तर पर इसका आयोजन स्कूल एवं कॉलेज में ऑनलाइन माध्यम से होता है।

उसमें विजयी प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। उसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय चरण की प्रतियोगिता होती है। इसमें कक्षा ६ से ११ तक के विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते हैं। प्रतिभागियों को रसायन विज्ञान, भौतिकी-शास्त्र, जीव विज्ञान एवं गणित विषय की प्रायोगिक तथा लिखित परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।

छात्र संघ ने मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

धनबाद (कासं) : सोमवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष वीरू आनंद सिंह के नेतृत्व में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया।

विगत दिनों झारखंड सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी के खिलाफ पुतला दहन किया गया। एक तरफ मुख्यमंत्री सीआईडी जांच के लिए आदेश देते हैं तो वहीं दूसरी और डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन करवा के भर्ती करवा रहे हैं।

यह सीधा सीधी छात्रों को ठगने का काम किया जा रहा है। छात्रों के साथ खिलवाड़ करना बंद करे। साथ में श्री सिंह ने यह भी कहा कि छात्रों को सही तरीके से रोजगार देना होगा अगर सरकार इस तरह की गड़बड़ी करती है तो आने वाले समय में हम सभी मिलकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से उमेश सिंह,मनोज भवानी,चुना सिंह,राजेश सिंह,बबलू जी,सत्येंद्र प्रकाश पांडे,छात्र नेता सूरज कुमार, शुभम सिंह संजय महतो, किशोर झा, अरुण सिंह,अमरिंदर कुमार, मनीष पांडे, भोलू एवं अन्य मौजूद थे।

सियालगुदरी में खुला धान क्रय केंद्र

पुटकी (ससे) : पुटकी पुराना पंचायत भवन के पास खुले पुटकी पेक्स धान क्रय केंद्र का उद्घाटन सोमवार को भाजपा के धनबाद विधायक राज सिन्हा नें फीता काटकर किया। मौके पर सिन्हा नें कहा कि माइनिंग क्षेत्र होने के कारण पैदावार कम हुई है। पुटकी पेक्स में धान खरीद करने का लक्ष्य १ हजार क्विंटल है। साथ ही उन्होंने जर्जर धान

गोदाम को रिपेरिंग करने की मांग सरकार से किया है। पुटकी पैक्स अध्यक्ष मुकुटधारी सिंह उर्फ़ मंटू चौधरी ने कहा कि इस वर्ष प्रति क्विंटल धान के लिए किसानो को न्यूनतम समर्थन मूल्य २ हजार ३०० रूपया एवं राज्य सरकार बोनस १०० रूपया के साथ कुल २ हजार ४०० रूपया भुगतान किया जायेगा। साथ ही सभी किसानों को बिचौलियों के पास धान नहीं बेचने का अपील किया है।

मौके पर रमेश कुमार सिंह, मनोज सिंह (दोनों मुखिया), सियालगुदरी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि विकास चौधरी, योगेन्द्र दास, दिपक सिंह चौधरी (दोनों पूर्व मुखिया), प्रबंधक महादेव सिंह चौधरी, गणेश लाल गुप्ता, सुनील कुमार अग्रवाल, मंतोष ओझा, दिनेश दास, वशिष्ठ सिंह चौधरी, गौतम महतो, महेश महतो, अमलेश्वर महतो, आनन्द सिंह चौधरी आदि थे।

सेवावानिवृत्त आंगनबाड़ी सहायिका व सेविका को मिलेगा डेढ़ लाख

पटना (एजेंसी): बिहार की आंगनबाड़ी सहायिकाओं और सेविकाओं के लिए अच्छी खबर सामने आई है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नीतीश कुमार की सरकार इनके रिटायरमेंट पर खजाना खोलने पर विचार कर रही है. जानकारी के अनुसार, प्रत्येक सेवावानिवृत्त आंगनबाड़ी सहायिका और सेविका को रिटायरमेंट के समय एकमुश्त एक से डेढ़ लाख रुपये सहायता के रूप में देने का विचार किया जा रहा है. इस राशि का उपयोग कर वे जीवनयापन कर सकेंगी. समाज कल्याण विभाग ने इसके लिए मसौदा तैयार कर लिया है. विभाग के इस प्रस्ताव को इसी महीने नीतीश कैबिनेट की मंजूरी मिलने की संभावना जताई जा रही है.

बता दें कि बिहार में १ लाख १४ हजार आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं और प्रत्येक केंद्र पर एक आंगनबाड़ी सेविका और एक सहायिका के पद हैं। इस तरह राज्यभर के आंगनबाड़ी केंद्रों पर २ लाख २८ हजार सेविका और सहायिका हैं. वहीं हर साल ६५ वर्ष की आयु पूरी होने पर लगभग ५ से ७ हजार आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं सेवानिवृत्त होती हैं. इन सभी सेविकाओं और सहायिकाओं को सेवानिवृत्त होते ही इस योजना का लाभ मिलेगा.जानकारी के मुताबिक, रिटायरमेंट के समय सरकार की ओर से दी जाने वाली यह राशि टैक्स फ्री होगी,

---

कार्यालय
विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि–पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 35/2024–25 शुद्धि पत्र दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित है, जिसका PR No.- 340985 Energy (24-25)D है, जिसमें

Date of Publication of tender on website – 13.12.2024
Online bid submission period - From 14.12.2024 at 10.30 am to 21.12.2024 at 2:00 pm,
Technical Bid Opening Date - 23.12.2024 at 3:00 pm है।

उपरोक्त के स्थान पर

Date of Publication of tender on website – 19.12.2024
Online bid submission period - From 20.12.2024 at 10.30 am to 26.12.2024 at 2:00 pm,
Technical Bid Opening Date - 27.12.2024 at 3:00 pm है।

पढ़ा जाए।

शेष सभी शर्तें यथावत रहेगी।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

PR 342081 Energy(24-25).D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बोकारो।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पुलिस मुख्यालय, झारखण्ड, राँची द्वारा निर्गत पुलिस आदेश सं0–99/2024 के आलोक में नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण तथा पुलिस एवं नागरिकों के बीच अविश्वास एवं दूरी को समाप्त करने के उद्देश्य से दिनांक–18.12.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में आमजनता के शिकायतों के निवारण हेतु **"जन शिकायत समाधान कार्यक्रम"** का आयोजन किया गया है।

चंदनकियारी थाना, पिण्ड्राजोरा थाना, चास थाना, महिला थाना–चास, बरमसिया ओ0पी0, अमलाबाद ओ0पी0, भोजूडीह ओ0पी0, चन्द्रपुरा थाना, बोकारो झरिया, दुग्धा थाना, बालीडीह थाना, बालीडीह ओ0पी0, माराफारी थाना, सिटी थाना, सेक्टर–4 थाना एवं सेक्टर–6 थाना क्षेत्र के आमजनता को सूचित किया जाता है कि पुलिस से संबंधित शिकायतों एवं अन्य प्रकार के शिकायत हो तो, उसपर त्वरित निष्पादन/निवारण हेतु 1. आई0टी0आई0 कैम्पस, पिण्ड्राजोरा, 2.डी0भी0सी0+2, हाईस्कूल, चन्द्रपुरा, 3. सेक्टर–2 डी कला केन्द्र, बोकारो 4. मध्य विद्यालय सीवनडीह, माराफारी में उक्त निर्धारित तिथि/समय को आयोजित स्थान पर **"जन शिकायत समाधान कार्यक्रम"** में उपस्थित हो। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि दूरभाष नं0–9470947322 तथा **ई0मेल आई0डी0 jansikayat-bokaro@jhpolice.gov.in** के जरिये भी आप अपना शिकायत/समस्या दर्ज करा सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक,
बोकारो।

PR 342117 (Police) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद।

मोबाईल नं0 : **8789242462** **Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com**

पत्रांकः– 1002 धनबाद/दिनांक– 16.12.2024

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – 30/2024-25/RDSD/EE/Dhanbad/3rd Call (DMFT)

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र0 सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	धनबाद जिला के तोपचॉची प्रखण्ड अन्तर्गत गेन्दनावाडीह पंचायत के कतरास रोड चिरूडीह मोड से गेन्दनावाडीह भाया मझलीगोन्डा टोला से चीनपुर कतरास रोड तक सडक निर्माण, पुलिया एवं गार्डवाल निर्माण।	153.01350	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000	09 महीना
2.	धनबाद जिला के एग्यारकुण्ड प्रखण्ड अन्तर्गत डुमरकुण्डा दक्षिण पंचायत अन्तर्गत 04 नं0 बालुबेंकर में पुल का निर्माण।	144.34800	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000	12 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –**23.12.2024**
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक **23.12.2024** से दिनांक **30.12.2024** को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– **02.05.2025** अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 नरेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाश सं० – **8789242462** (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

(ई0 नरेन्द्र कुमार)
कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,धनबाद

PR 342134 Rural Development(24-25)D

उपायुक्त सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो
(परिवहन शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में बृद्धि के विश्लेशण से पाया गया कि तीन पहिया वाहन या चार पहिया वाहन जिसमें चालक तरफ से चढना–उतरना भी एक मुख्य कारण है।
अतः सडक दुर्घटना में वृद्धि को राकने के दृष्टिकोण से निम्नांकित निदेश दिये जाते हैः–

1 तीन पहिया या चार पहिया वाहन जिसमें चालक तरफ (दाहिनें तरफ) खुला है, उसमे रड या जाली लगाकर कभर करें ताकि दाहिने तरफ से कोई भी सवारी चढे–उतरे नहीं।
2 सभी व्यसायिक वाहन स्वामी अपने–अपने वाहन में अन्दर भाग में वाहन संख्या, अपना मो0 न0 एवं पता अंकित कर ऐसे जगह प्रदर्शित करेगें जहाँ सवारी को स्पष्ट दिखयी दे।
3 वाहन चालक अनुपयुक्त तरीके से या लंबी अवधि के लिए या अच्छी तरह से प्रकाशित सड़कों पर उच्च बीम का उपयोग नहीं करेगा।
4 वाहन चालक आनेवाले वाहन के निकट पहुचने पर या जब किसी यान के पीछे बहुत निकट वाहन चलाते समय उच्च बीम को नीचे कर देगा।
5 चालक को हरे/फॉग लाइट केवल तब जलाएगा जब कोहरे, धूल, तूफान, बारिश या बर्फ गिरने के कारण दृष्यता बहुत ज्यादा प्रभावित होती है और वह भी केवल हैंड लैंप को नीचे गिरा कर।
6 वाहनों मे रिफलेक्टिव टेप (परावर्तक पट्टी) लगाना अनिवार्य है।
7. वाहनों के परिचालन हेतु पथकर, दुरस्ती प्रमाण पत्र, प्रदुषण प्रमाण पत्र, परमिट एवं बीमा पत्र अद्यतन होना अनिवार्य है। अद्यतन न होने की स्थिति में मोटरयान अधिनियम 1988 के सुसंगत धारा के तहत् दण्डात्मक कार्यवाई की जायेगी।

अतः सभी वाहन स्वामियों से अपील है कि अपने–अपने वाहन के सभी दस्तावेजों को अद्यतन करा लें एवं दोपहिया वाहन चलाते समय हैलमेट (पीछे बैठने वाले व्यक्ति सहित) एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सिट बेल्ट का उपयोग निश्चित रुप से करना सुनिश्चित करें। सड़क पर वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा संबंधित मानकों का अवश्य अनुपालन करें।

"सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा"

निदेशानुसार
उपायुक्त, बोकारो

PR 342049 Transport(24-25).D

Government of Jharkhand

Jharkhand Mineral Area Development Authority, Dhanbad

e-Procurement Very short term Notice Inviting Tender No. JMADA/03/2024-2025

Date ....

01	Name & address of Office Inviting Tender	Managing Director, Jharkhand Mineral Area Development Authority, Luby Circular Road, Dhanbad.
02	Date of publication of tender on website	13-12-2024 at 11:00 A.M.
03	Last date & Time for receipt of bids	27-12-2024 up to 02.00 P.M.
04	Date & Time of Technical Bid Opening	27-12-2024 at 03:00 P.M.
05	Help line number of e-Procurement cell	Mob. No. – 9939842423 / 8789532628

Sl. No.	Tender Reference No.	Name of Work	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender (in Rs.)	Time Period
01.	JMADA/1/01/2024-2025 (4th Call)	Renovation of Slow Sand Fillter Bed No. 7 & 8 Topchanchi, Under Jharkhand Mineral Area Development Authority, Dhanbad.	15,89,600.00	2% of BOQ Amount	5,000.00	90 Day's
02.	JMADA/1/02/2024-2025 (4th Call)	Renovation of 12 MGD Fillter Beds At Jamadoba, Under Jharkhand Mineral Area Development Authority, Dhanbad.	47,76,100.00	2% of BOQ Amount	10,000.00	120 Day's
03.	JMADA/1/03/2024-2025 (4th Call)	Construction of Compound wall 2.10 Mtrs. Height Above GL At Jamadoba Near TATA Pump House Under Jharkhand Mineral Area Development Authority, Dhanbad.	49,56,400.00	2% of BOQ Amount	10,000.00	120 Day's
04.	JMADA/1/04/2024-2025 (4th Call)	Construction of Compound Wall & Gate At Topchandchi Lake House Part-2, Under Jharkhand Minerals Area Development Authority, Dhanbad.	49,58,000.00	2% of BOQ Amount	10,000.00	120 Day's
05.	JMADA/1/5/2024-2025 (4th Call)	Construction of Compound wall 2.10 Mtrs. Height Above GL At Jamadoba L & T Parisar Area Near JMC Wall, Under Jharkhand Mineral Area Development Authority, Dhanbad.	49,56,400.00	2% of BOQ Amount	10,000.00	120 Day's

Note :-

1. Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website **http://jharkhandtenders.gov.in & udhd.jharkhand.gov.in**
2. Estimated cost/ quantity may be increased or decreased.
3. Experienced in same nature of work well equipped and financially strong contractor/Company may take part in this e-tender. They must be registered in Urban Development and Housing Department Jharkhand Govt. in appropriate class.

कार्यपालक अभियंता (जलापूर्ति),
झमाडा, धनबाद

PR 342153 Mines and Geology (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चास

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित जाता है कि ई0–निविदा सूचना संख्या–DWSD/CHAS/01/2024-25 (2nd Call) दिनांक 12.12.2024 जिसका PR 341821 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D के निविदा को 2nd Call के स्थान पर 1st Call पढ़ा जाय। निविदा की शेष नियम एवं शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चास

PR 342070 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, धनबाद

Phone No.-0326-2313368, email- eercddhanbad-jhr@nic.in

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री अंकित पूवें, पत्राचार लिपिक, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद दिनांक –05.08.2024 से 08.08.2024 तक आकस्मिक अवकाश में थे, जिसके अनुसार दिनांक–09.08.2024 को आपको कार्यालय में योगदान देना था, परन्तु उक्त तिथि से आज तक आपके द्वारा कार्यालय में योगदान नहीं दिया गया है एवं ना ही किसी तरह की सूचना कार्यालय को उपलब्ध कराई गई है। इस कार्यालय के पत्रांक–1518,दिनांक–04.09.2024,पत्रांक–1617 (अनु०), दिनांक –23.09.2024 एवं पत्रांक–2059, दिनांक–28.11.2024 द्वारा आपको कार्यालय में उपस्थित होने के लिए सूचित किया गया है। परन्तु अभी तक आपके द्वारा इस कार्यालय में योगदान नहीं दिया गया है।

अतः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आप यथाशीघ्र कार्यालय में योगदान दें। अन्यथा झारखण्ड सेवा संहिता के सुसंगत कंडिकाओं के अनुसार आवश्यक कार्रवाई हेतु उच्चाधिकारियों को अनुशंसा कर दिया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता,
प०नि०वि०,पथ प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.342071 Road(24-25):D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/5/2024-25/Mech5

Reference Number: BIT/Poly/5/2024-25/Mech5
Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96555_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Mechanical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 5
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342106 Science & Technology(24-25).D

B.I.T. SINDRI P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/17/2024-25/ECE3

Reference Number: BIT/Poly/17/2024-25/ECE3
Dated :- 14-12-2024 Tender ID: 2024_DHTE_96706_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of ECE Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 3
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhand tenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342131 Science & Technology (24-25)D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/7/2024-25/Civil2
Reference Number: BIT/Poly/7/2024-25/Civil2
Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96665_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Civil Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 2
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR.NO.342113 Science & Technology(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

शुद्धि – पत्र

इस प्रमण्डलान्तर्गत आमंत्रित ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– RDD/SD/BOKARO/53/2024-25, जिसका पी० आर० संख्या–341251(Rural Development) 24-25*D है, में अपरिहार्य कारणवश तिथि निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है –

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि– 19.12.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय– दिनांक 19.12.2024 से दिनांक 26.12.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक 28.12.2024 अपराह्न 02:00 बजे।

निविदा की शेष शर्ते यथावत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
बोकारो।

PR 342147 (Rural Development) 24-25 (D)

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/3/2024-25/Mech3

Reference Number: BIT/Poly/3/2024-25/Mech3
Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96551_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Mechanical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 3
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342101 IPRD(24-25).D

B.I.T. SINDRI P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/3/2024-25/Mech3

Reference Number: BIT/Poly/3/2024-25/Mech3
Dated :- 14-12-2024 Tender ID: 2024_DHTE_96551_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Mechanical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 3
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhand tenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342096 Science & Technology (24-25)D

B.I.T. SINDRI
P.O.- SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/9/2024-25/Civil4
Reference Number: BIT/Poly/9/2024-25/Civil4 Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96670_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Civil Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 4
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342123 Science & Technology (24-25)_D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/2/2024-25/Mech2
Reference Number: BIT/Poly/2/2024-25/Mech2
Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96548_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Mechanical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 2
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR.NO.342095 Science & Technology(24-25):D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/4/2024-25/Mech4
Reference Number: BIT/Poly/4/2024-25/Mech4
Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96554_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Mechanical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 4
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https:// jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342099 (Science & Technology)24-25*D

B.I.T. SINDRI P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/8/2024-25/Civil3

Reference Number: BIT/Poly/8/2024-25/Civil3
Dated :- 14-12-2024 Tender ID: 2024_DHTE_96667_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Civil Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 3
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.

B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342118 Science & Technology(24-25)D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/15/2024-25/ECE1
Reference Number: BIT/Poly/15/2024-25/ECE1
Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96698_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of ECE Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 1
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https:// jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342126 (Science & Technology)24-25*D

B.I.T. SINDRI
P.O.- SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice - BIT/Poly/6/2024-25/Civil1
Reference Number: BIT/Poly/6/2024-25/Civil1 Dated :- 14-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96663_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Civil Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 1
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342112 Science & Technology (24-25)_D

बीसीसीएल में अखिल भारतीय खदान बचाव प्रतियोगिता आरंभ

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में आयोजित ५३वीं अखिल भारतीय खदान बचाव प्रतियोगिता - २०२४ का भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्घाटन डीजीएमएस के निदेशक खान सुरक्षा और इस प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक श्याम मिश्रा ने किया। उनके साथ मंच पर बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी (संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (योजना एवं परियोजना) शंकर नागचारी, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) अरुण कुमार, तथा अन्य डीजीएमएस से अन्य प्रमुख निर्णायक और अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत के साथ हुई। इसके पश्चात बीसीसीएल के जीएम (सुरक्षा एवं बचाव) अरुण कुमार ने औपचारिक स्वागत भाषण दिया। इसके बाद मुख्य निर्णायक द्वारा प्रतियोगिता के ध्वज फहराया गया और तत्पश्चात मुख्य निर्णायक एवं गणमान्य अतिथियों के साथ सभी टीमों का औपचारिक परिचय देने के बाद माइन रेस्क्यू स्टेशन, धंसार के अधीक्षक पी. आर. मुखोपाध्याय द्वारा खदान बचाव शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर एक विशेष अंतर्राष्ट्रीय अतिथि, एलेक्स ग्रिस्का, सचिव-कोषाध्यक्ष, इंटरनेशनल माइन रेस्क्यू बॉडी, भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, भारत में इस प्रकार की किसी भी खदान बचाव प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए पहली बार आना हुआ है। भारतीय खदान बचाव प्रणाली की बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि खदान बचाव कर्मियों की प्रतिबद्धता और टीमवर्क के साथ भारतीय रेस्क्यू प्रणाली ने काफी प्रगति की है। मुख्य निर्णायक और डीजीएमएस के उप महानिदेशक, श्याम मिश्रा ने कहा, ५३वीं अखिल भारतीय खदान बचाव प्रतियोगिता न केवल खदान बचाव कर्मियों की तकनीकी दक्षता और समर्पण का प्रदर्शन है, बल्कि यह खनन उद्योग में सुरक्षा और बचाव कार्यों की उच्चतम मानकों को प्राप्त करने का माध्यम भी है। मुझे विश्वास है कि इस आयोजन से सभी प्रतिभागी टीमों को नई सीख और प्रेरणा मिलेगी। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता के औपचारिक रूप से उद्घाटन की घोषणा की। उद्घाटन के बाद सभी ३२ टीमों ने आकर्षक मार्च-पास्ट कर अपने अनुशासन और जोश का प्रदर्शन किया।

कोयला क्षेत्र से १२ और धातु उद्योग क्षेत्र की ६ टीमों के साथ कुल १८ प्रमुख कंपनियों की ३२ कुल ३२ टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं।

इस वर्ष प्रतियोगिता में पहली बार विभिन्न कंपनियों की पांच महिला टीमें भी भाग ले रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है।

यह प्रतियोगिता न केवल खदान बचाव कार्यों में टीमों की दक्षता और समर्पण को दर्शाती है, बल्कि यह आपातकालीन परिस्थितियों में तैयारियों और जोखिम प्रबंधन के महत्व को भी रेखांकित करती है। इस पांच दिवसीय आयोजन का समापन २० दिसंबर को भव्य समापन समारोह के साथ होगा। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी टीमों के अद्भुत प्रदर्शन को सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीएल और डीजीएमएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह प्रतियोगिता खदान बचाव कार्यों में सुरक्षा, दक्षता और नवाचार के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगी।

101 रेलकर्मियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

हाजीपुर (ससे): भारतीय रेल द्वारा १०१ कर्मचारियों और अधिकारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। चयनित कर्मचारी एवं अधिकारियों को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा २१ दिसंबर, २०२४ को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों में १५ रेल कर्मियों को नवाचार, रेल की आय में वृद्धि हेतु शानदार प्रयास, उत्पादकता में वृद्धि के लिए समर्पण और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए एवं स्वदेशी तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। १६ कर्मचारी एवं अधिकारियों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना दूसरों की जान एवं रेलवे की संपत्ति की रक्षा हेतु विशिष्ट कदम उठाने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार दिया जा रहा है। १७ अधिकारियों और कर्मचारियों को रेल की आय बढ़ाने एवं टिकटलेस ट्रैवल एवं राजस्व की चोरी रोकने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है । रेल परिचालन, सुरक्षा और संरक्षा तथा रेलवे की परिसंपत्तियों के बेहतर संरक्षण हेतु अद्वितीय प्रयास करने हेतु २२ कर्मचारियों और अधिकारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है जबकि १६ कर्मचारी एवं अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाएं रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए चयनित किया गया है।

राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय रेल का गौरव बढ़ाने वाले दो खिलाड़ियों को भी अति विशिष्ट रेल सभा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। मेडिकल, कार्मिक, ट्रैक मेंटेनेंस आदि से जुड़े १३ अधिकारियों और कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है।

अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार हेतु चयनित कर्मचारी एवं अधिकारियों में सात सेंट्रल रेलवे के, तीन ईस्ट कोस्ट रेलवे के, पांच पूर्व मध्य रेल के, आठ पूर्व रेल के, पांच उत्तर मध्य रेल के, चार उत्तर पूर्व रेल के, दो पूर्वोत्तर रेल के, नॉर्दर्न रेल के १२, उत्तर पश्चिम रेल के चार, दक्षिण मध्य रेल के छः दक्षिण पूर्व मध्य रेल के दो, दक्षिण पूर्व रेल के सात, दक्षिण रेल के आठ, दक्षिण पश्चिम रेल के चार, पश्चिम मध्य रेल के दो, पश्चिम रेल के आठ कर्मचारियों और अधिकारी शामिल हैं।

भारतीय रेल द्वारा चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के एक कर्मचारी, डीएमडब्ल्यू के एक कर्मचारी, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री के एक, एनएफआरसी के एक, रेल कोच फैक्ट्री के एक, आरडीएसओ के एक, रेल बिल फैक्ट्री के एक, रेल बिल प्लांट के एक और रेलवे बोर्ड के छः अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है।

समाज में अच्छे पदाधिकारियों की कद्र है : बीडीओ

गोविंदपुर (ससे) : बीडीओ जहीर आलम ने कहा कि आज के दौर में भी समाज में अच्छे पदाधिकारियो की कद्र है। वे सोमवार को प्रखंड सभागार में सेवानिवृत्त बीपीआरओ सह जेएसएस वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा की विदाई समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा बीपीआरओ कर्मठ एवं मेहनती पदाधिकारी रहे। प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह ने कहा कि श्री विश्वकर्मा का सभी से मित्रवत व्यवहार रहा। मौके पर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि सभी के सहयोग से ही उन्हें अपने दायित्वों का निर्वाह करने में सफलता मिली। इस अवसर पर प्रमुख, बीडीओ एवं प्रखंड परिवार की ओर से उन्हें उपहार, सम्मान पत्र एवं शाल देकर सम्मानित किया गया।

मौके पर पूर्व प्रमुख डीएन सिंह, बीपीआरओ जसीम अख्तर, प्रधान सहायक अब्दुल मजीद, एई अरुण सिंह, सुबल गोराई, ममता देवी, संचय कुमार, मनोज हाड़ी, सुबल गोराई, मुकेश कुमार, संजय मरांडी, जितेंद्र कुमार, रूपेश कुमार, सूदन राणा, आसिफ अंसारी, विजय कुमार, संजय रजक, संदीप दा, अख्तर अंसारी, संतराम चौधरी सुमेत सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक आदि मौजूद थे।

गृहमंत्री अमित शाह के ताजा बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल शुरू

पटना (एजेंसी): बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, सियासी पारा उतना ही चढ़ता जा रहा है. बीजेपी ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन महाराष्ट्र चुनाव के बाद समीकरण फिर से बदलने लगे हैं. क्या एक बार फिर से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा होंगे? इस सवाल पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के ताजा बयान से राजनीतिक गलियारों में हचलल शुरू हो गई है. शाह आमतौर पर तमाम राजनीतिक मुद्दों पर बड़ा क्लियर स्टैंड रखते हैं, लेकिन बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले सवाल पर टाल मटोल करते दिखे. गृहमंत्री के गोलमोल जवाब से नीतीश कुमार के भविष्य पर सस्पेंस के बादल मंडराने लगे हैं.

अमित शाह से जब एक निजी चैनल के कार्यक्रम में पूछा गया कि क्या बिहार में आप नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे या फिर महाराष्ट्र वाला फॉर्मूला अपनाएंगे? तो उन्होंने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि यह पार्टी की पॉलिसी का निर्णय होगा.

मैं बीजेपी का एक अनुशासित कार्यकर्ता हूं. यह तय करने का काम पार्लियामेंट्री बोर्ड का है. ये नीतीश कुमार जी कि पार्टी का भी अधिकार है. सभी दल साथ में बैठकर तय करेंगे. शाह ने कहा कि पार्टी पार्टिलियामेंट्री बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होगी और फैसला लिया जाएगा. उसी तरह यह मुद्दा जेडीयू में भी विचार किया जाएगा. दोनों पार्टयों के बीच बातचीत के बाद जो तय होगा उसे आपको बता दिया जाएगा.

वहीं महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे को डिप्टी सीएम बनाने पर नाराजगी के सवाल पर शाह ने कहा कि शिंदे जी को नाराज होने का कोई कारण ही नहीं है. हमारी पार्टी की काफी ज्यादा सीटें आई हैं. गत में भी हमारी काफी ज्यादा सीटें थीं, लेकिन हमने शिंदे जी को मुख्यमंत्री बनाया था.

ढाई साल पूरे चट्टान के साथ हम पूरे विश्वास के साथ उनके साथ खड़े रहे हैं. इस बार हम शुरू से ही कहकर चले थे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा यह चुनाव रिजल्ट आने के बाद ही तय होगा. इसलिए किसी को नाराजगी पालने की कोई जरूरत भी नहीं है और कोई पालता भी नहीं है.

पहली पत्नी की याचिका पर फैमिली कोर्ट नहीं पहुंचे उदित नारायण

पटना (ईएमएस): देश के जाने-माने प्लेबैक सिंगर उदित नारायण पर बिहार के एक फैमिली कोर्ट की सुनवाई के दौरान सोमवार को नहीं पहुंचे, जिसके बाद अदालत के प्रिंसिपल जज ने जुर्माना लगाया. साथ ही कोर्ट ने जवाब दाखिल करने के लिए अगली तारीख दी है. दरअसल उदित नारायण की पहली पत्नी रंजना नारायण झा ने २०२० में उनके खिलाफ दाम्पत्य जीवन पुनर्स्थापित करने के लिए एक वाद दायर किया था, जिसकी सोमवार को अंतिम सुनवाई होनी थी. रंजना नारायण झा के वकील ने बताया कि सोमवार को इस केस की अंतिम सुनवाई होनी था, लेकिन उदित नारायण न तो खुद उपस्थित हुए और न ही उनकी ओर से कोई जवाब ही दाखिल किया गया.

माई-बहिन योजना पर राजनीति

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने 'माई-बहिन मान योजना' को लॉन्च करने का वादा किया है. उन्होंने कहा कि अगर बिहार में उनकी सरकार बनती है तो वह 'माई-बहिन मान योजना' के तहत बिहार की हर महिला को हर महीने २५०० रुपये देंगे. सियासी जानकार इसे तेजस्वी यादव का बड़ा दांव बता रहे हैं. दरअसल, बिहार में अगले साल अक्टूबर में चुनाव होने वाले हैं और उस चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है. वैसे तो नीतीश कुमार के पास गिनाने के लिए पिछले २० साल की उपलब्धियां हैं, लेकिन इसके साथ ही एंटी इनकमबेंसी का भी फैक्टर हो सकता है. ऐसे में तेजस्वी यादव ने महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ा दांव चल दिया है.

सियासत के जानकारों का कहना है कि आज महिलाएं किंग मेकर की भूमिका निभाती हैं. दिल्ली में केजरीवाल के सक्सेस के पीछे भी महिला वोटरों का समर्थन है. तो वहीं हाल ही में झारखंड और महाराष्ट्र चुनाव में महिलाओं की ताकत देखने को मिली. माना जाता है कि बिहार में नीतीश कुमार को महिलाओं का आशीर्वाद मिलता है. यही वजह है कि २०२० में नीतीश कुमार हारते-हारते जीत गए थे. अब तेजस्वी यादव भी इसी वोटबैंक को टारगेट कर रहे हैं. हालांकि, एनडीए के रणनीतिकार इस बात को बखूबी समझते हैं, इसलिए बिहार में भी महिलाओं को लुभाने के लिए नीतीश कुमार की सरकार कोई बड़ी स्कीम लांच कर सकती है. अगर नीतीश सरकार ने अभी से इससे मिलती जुलती कोई योजना लॉन्च कर दी, तो तेजस्वी का यह दांव उल्टा भी पड़ सकता है.

लोगों का कहना है कि राजनीतिक दलों को महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव से इलेक्शन जीतने की गारंटी का पक्का फॉर्मूला मिल गया है. सूत्रों का कहना है कि अगले साल के लिए पेश होने वाले बजट में महिलाओं के लिए इस तरह की कोई नई स्कीम लांच की जा सकती है. अगर बजट में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने २५०० की जगह २७०० रुपये देना शुरू कर दिया तो तेजस्वी को अपनी योजना में फेरबदल करना पड़ जाएगा. अब लोग कह रहे हैं कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले तेजस्वी यादव को अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करना चाहिए था.

हंगामे व कदाचार के चलते बापू सभागार परीक्षा केंद्र का एग्जाम रद्द

पटना (एजेंसी): बिहार लोक सेवा आयोग ने ७०वीं संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा २०२४ के तहत पटना के बापू सभागार परीक्षा केंद्र की परीक्षा को रद्द कर दिया है. परीक्षा की नई तारीख का जल्द ही ऐलान किया जाएगा. आयोग का कहना है कि बापू सभागार परीक्षा केंद्र पर कदाचार और हंगामे के चलते वहां की परीक्षा को कैंसिल किया गया है. आयोग ने हंगामा करने वाले अभ्यर्थियों के लिए कहा है कि कदाचार करने वालों को बिहार लोक सेवा आयोग किसी तरह का लाभ नहीं लेने देगा. आयोग के अध्यक्ष रवि मनुभाई परमार ने सोमवार को दोपहर बाद बुलाई गई एक पत्रकार वार्ता में कहा, कुछ कदाचारियों की सजा राज्य के सभी ९११ सेंटर के अभ्यर्थियों को नहीं दी जा सकती, जिन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा में शामिल होकर अपना भाग्य आजमाया था. आयोग उनको टॉर्चर नहीं कर सकता.

आयोग ने यह भी कहा कि पटना के बापू सभागार परीक्षा केंद्र की परीक्षा के बाद एक साथ ही रिजल्ट जारी किया जाएगा. आयोग ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं किया जाएगा. अध्यक्ष ने आगे कहा कि आयोग जल्द ही इस सेंटर के परीक्षार्थियों के लिए तारीख की घोषणा करेगा. बाकी जिन सेंटरों पर अभ्यर्थियों ने शांतिपूर्ण परीक्षा दी थी आयोग उन्हें परेशान नहीं करेगी. और इस सेंटर पर कदाचार करने वाले लोगों को ध्यान में रखते हुए इस सेंटर की परीक्षा रद्द की जाती है. साथ ही उन्होंने कहा कि इस सेंटर की परीक्षा के लिए अलग से सवाल पूछे जाएंगे. सभी परीक्षाओं का रिजल्ट एक साथ जारी किया जाएगा. साथ ही उन्होंने कहा कि बीपीएससी परीक्षा के रिजल्ट में नॉर्मलाइजेशन लागू नहीं किया जाएगा. उन्होंने साथ ही किसी तरह के अफवाह पर ध्यान देने से मना किया है.

पूर्व मध्य रेल

खुली ई–नीलामी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व मध्य धनबाद, अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से IREPS पोर्टल पर ओपन ई–नीलामी आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार हैं :–

क्र.सं. : i : (1), ई–नीलामी सूची : ii : पे एंड यूज शौचालय, ई–नीलामी सूची सं. : iii : पीएनयू–47–24, ई–नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरण : iv : 24.12.2024, 15.00 बजे से, कार्य का विवरण एवं स्टेशनों के नाम : v : रेणुकूट स्टेशन के पीआरएस कार्यालय के सामने द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय में 'पे एंड यूज' शौचालय का संचालन एवं रख–रखाव, तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए।

सिंगरौली स्टेशन पर संचालन एवं रख–रखाव के लिए पे एंड यूज शौचालय 03 वर्षों के लिए।

क्र.सं. : ii : (2), ई–नीलामी सूची : ii : पार्किंग, ई–नीलामी सूची सं. : iii : पार्किंग–42–24, ई–नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरण : iv : 24.12.2024, 14.30 बजे से, कार्य का विवरण एवं स्टेशनों के नाम : v : वाणिज्यिक वाहन यानी पिकअप वैन, पार्सल ले जाने वाले वाहन आदि, कार, टैक्सी, टेम्पो, दोपहिया वाहन पार्किंग स्टैंड साउथ साइड स्टेशन पर अंडर पास (एलएचएस) से पुराना बाजार के संपर्क मार्ग के बगल में धनबाद रेलवे के मंदिर तक 03 वर्ष की अवधि के लिए पार्किंग स्टैंड।

वाणिज्यिक वाहन यानी पिकअप वैन, पार्सल ले जाने वाले वाहन आदि, टैक्सी, टेम्पो, दोपहिया वाहन पार्किंग स्टैंड साउथ साइड स्टेशन पर डीएवी स्कूल से धनबाद रेलवे स्टेशन के अंडर पास (एलएचएस) तक पहुंच मार्ग के बगल में / सटा हुआ 03 वर्ष की अवधि के लिए पार्किंग स्टैंड।

ई–नीलामी सूची सं. : iii : पार्किंग–43–24, ई–नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरण : iv : 27.12.2024, 15.00 बजे से, कार्य का विवरण एवं स्टेशन का नाम : v : तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए परसाबाद स्टेशन के उत्तर दिशा और दक्षिण दिशा क्षेत्र में दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन और चार पहिया वाहन की पार्किंग।

सभी संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें और उपर्युक्त ई–नीलामी में कॉलम संख्या iv में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार भाग लें। रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

स.वा.प्र., पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/01700/डीएचएन/वा./एन/24–25/64

वन नेशन-वन इलेक्शन पर विजय सिन्हा ने कांग्रेस को लताड़ा

पटना (एजेंसी): बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने 'वन नेशन वन इलेक्शन' को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद १९५२ से १९६७ के बीच देश में 'वन नेशन वन इलेक्शन' था. लेकिन परिवारवादी, तानाशाही और हिटलरशाही की मानसिकता ने इस क्रम को तोड़ा. कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान की आत्माओं की हत्या की है. इमरजेंसी लगाकर चुनी हुई सरकार को बर्खास्त कर इस क्रम को समाप्त किया.

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आज एक बार फिर से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान निर्माताओं के भावनाओं के अनुकूल 'वन नेशन वन इलेक्शन' कानून ला रहे हैं. इससे देश पर बार-बार चुनाव का बोझ कम होगा और विकास की गति तेजी से बढ़ेगी. उन्होंने 'वन नेशन वन इलेक्शन' को देश हित में बताया है. उन्होंने कहा कि इससे देश की करोड़ों जनता के टैक्स का पैसा बचा करेगा. डिप्टी सीएम ने ये बातें लखीसराय में कहीं.

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव क्या जानेंगे वन नेशन और वन इलेक्शन किया है. वह बड़े विद्वान आदमी है. वन नेशन वन इलेक्शन से परिवारवादी की जमीदारी की दुकान बंद होने की कगार पर है. यह चाहते हैं सब दिन चुनाव होते रहे और आचार संहिता लगा रहे. विकास की गति रुक रहे और जनता की गाढ़ी कमाई चुनाव में बर्बाद होता रहे. इस बात को लेकर वह घबराहट में है.

राजद के जंगलराज के युवराज को वन नेशन वन एजुकेशन आज तक नहीं पता चला है. देश के अंदर पूरे देश के अंदर आईआईटी हो खखच् हो या उइडए कोर्स हो या स्टेट गवर्नमेंट का कोर्स हो यह राष्ट्र के हित और राष्ट्र के प्रति मां भारती संतानों के लिए समर्पित है.

70 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस

पटना (एजेंसी): कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का पक्ष रखा है. अखिलेश प्रसाद सिंह का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ७० से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी. उन्होंने साफ किया किम महागठबंधन बिहार में २०२५ में जो चुनाव लड़ेगी, उसमें कांग्रेस कम से कम ७० सीटों पर फाइट में उतरेगी. सेवा दल के कार्यक्रम में अखिलेश सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हम लोगों ने पहले की अपेक्षा बेहतर काम किया और हमारे वोट प्रतिशत में २ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है. २०१९ के मुकाबले हम इस बार ज्यादा वोट लोकसभा में लाए हैं. उन्होंने कहा कि २०२० में कांग्रेस ७० सीटों पर चुनाव मैदान में थी और २०२५ में भी इससे कम सीटों पर लड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता. उन्होंने यह भी कहा कि जिसको जो करना है कर ले, विधानसभा में हम फिर से १९९० के पहले की कांग्रेस देखना चाहते हैं. इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए जो कुछ भी होगा, हमलोग करेंगे. बता दें कि २०२० के विधानसभा चुनाव में राजद १४४, कांग्रेस ७० और लेफ्ट पार्टियां २९ सीटों पर चुनाव लड़ी थीं.

कांग्रेस के इस बयान पर ठगऊ विधायक इसराइल मंसूरी ने कहा, पहले लक्ष्य यह है कि डबल इंजन की सरकार को उखाड़ फेंका जाए और इसके लिए जमीन पर जाना चाहिए. अपने हिस्सेदारी से पहले जमीन पर काम करना चाहिए. लोगों के बीच में जाना चाहिए. हम इतना जानते हैं कि बिहार की राजनीति में तेजस्वी यादव के चेहरे पर २०२० में चुनाव लड़ा गया और अभी तेजस्वी यादव ही जनता के बीच में गए हैं. कार्यकर्ता के बीच में गए हैं. अगर कोई ऐसी बात बोलता है तो यह गलत है. कहीं ना कहीं उनलोगों की मंशा बीजेपी को आगे बढ़ाने की हो सकती है.

वहीं, भाजपा ने इस मामले में कांग्रेस से ही चुटकी ले ली है. बीजेपी के एमएलसी नवल किशोर यादव ने कहा, कांग्रेस ठगऊ की पिछलग्गू है.लड़ना होता तो वह पूरे सीट पर ही लड़ लेती. यह पिछलग्गू पार्टी है और इनको बस लालू यादव के पूंछ में सिमट जाना है.

जेडयू प्रवक्ता भारती मेहता ने कहा, कांग्रेस और ठगऊ का गठबंधन चुनाव के १ वर्ष पहले कमजोर पड़ने लगा है. उन्होंने कहा कि कौन किसकी बिसात पर राजनीति करना चाहता है, यह राजद और कांग्रेस ही आपस में मिल बैठकर बता पाएंगे. अभी से ही इनलोगों में सीटों को लेकर खींचतान शुरू हो गया है. आने वाले समय में विवाद और बढ़ेगा.

हमारी सरकार बनेगी तो प्राइवेट नौकरी में आरक्षण देंगे : सांसद पप्पू यादव

पूर्णिया,(ईएमएस): बिहार के पूर्णिया सांसद राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव ने कहा कि २०२५ के बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाए। चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाना चाहिए। बिहार में क्षेत्रीय पार्टियों को हरियाणा और महाराष्ट्र से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने इच्छा जताई कि सीएम नीतीश कुमार भी साथ आएं, लेकिन गठबंधन में किसे शामिल किया जाए यह राहुल गांधी तय करें। पप्पू यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ अगर किसी में लड़ने की ताकत है तो वह राहुल और प्रियंका गांधी में ही है। इसलिए बिहार में गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस करे। कांग्रेस बिहार में १५ जनवरी के बाद से अपने संगठन का विस्तार करने के साथ ही उसे मजबूत करेगी। पेपर लीक मामले पर पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में पेपर लीक एक पर्याय बन गया है। नालंदा जुर्म का केंद्र बन गया है। जितने पेपर लीक हो रहे, उसमें नालंदा ही केंद्र बिंदु है। दो दिन पहले भी बच्चों को पेपर नहीं दिए गए, ताला लगा दिया। जिन्हें माफिया ने सेंटर भेजा, टीचर की भूमिका निभाई, उसी को आंसर लिखाया गया। पढ़ने वाले बच्चे इससे वंचित रह गए।

पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी जिन मुद्दों को लोकसभा में उठाते रहे हैं, वही मुद्दे मेरे भी हैं। हमारी सरकार बनेगी तो हम प्राइवेट नौकरी में आरक्षण का प्रावधान करेंगे।

सभी ठेकेदारी में ४० फीसदी बेरोजगार युवाओं के लिए १० लाख रुपए तक के ठेके को आरक्षित करेंगे। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्य सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पार्टी २०२५ का रोडमैप बनाकर आगे की रणनीति तय करेगी। पप्पू यादव ने रविवार को पार्टी के पटना कार्यालय में आयोजित प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि सदस्यता महाअभियान के तहत दिसंबर तक १० लाख सदस्य बनाना था, जिसके करीब पार्टी पहुंच चुकी है।

सरकारी तालाब की बंदोबस्ती में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता : मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (एजेंसी): झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सरकारी तालाबों की बंदोबस्ती को पंचायत स्तर पर ही सीमित करने का निर्देश दिया है. अब संबंधित पंचायत के लोग ही इन तालाबों की नीलामी में भाग ले सकेंगे.

दूसरे जिले के व्यक्तियों को इसमें हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी. इस संबंध में जल्द ही एक नई नियमावली तैयार की जाएगी.

मंत्री ने सोमवार को रांची में मत्स्य निदेशालय केंद्र, मछली पार्क और धुर्वा स्थित मत्स्य अनुसंधान केंद्र का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था और गंदगी देखकर मंत्री नाराज हुईं और दस दिनों के भीतर सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया.

पंचायत स्तर पर रोजगार का अवसर

मंत्री शिल्पी ने कहा कि पंचायत स्तर पर सरकारी तालाबों की बंदोबस्ती स्थानीय कॉपरेटिव सोसाइटी को दी जाएगी. इससे मछलीपालन के जरिए स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ा जाएगा. मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कॉपरेटिव सोसाइटी के लिए आवश्यक ३०० लोगों की अनिवार्यता में संशोधन किया जाए ताकि छोटे समूह भी इस प्रक्रिया में भाग ले सकें. राज्य में लगभग १२,५८० सरकारी तालाब हैं, जिनमें से १,००० तालाब रांची जिले में स्थित हैं. मंत्री ने जिलावार तालाबों का आंकड़ा भी मांगा है.

मछलीपालन में महिला स्वयं सहायता समूह को जोड़ने पर जोर

मंत्री ने बताया कि जेएसएलपीएस से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों को मछलीपालन से जोड़ा जाएगा. रांची और हजारीबाग जिलों में महिला समूहों को इस योजना में प्राथमिकता दी जाएगी.प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को मछलीपालन में दक्ष बनाया जा रहा है. इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं.

तालाबों की बंदोबस्ती में पारदर्शिता की आवश्यकता

औचक निरीक्षण के दौरान मत्स्य निदेशालय केंद्र और अनुसंधान केंद्र में फैली गंदगी और कुव्यवस्था को देखते हुए मंत्री ने अधिकारियों को कार्यसंस्कृति सुधारने का निर्देश दिया.

उन्होंने अनुपस्थित कर्मियों पर सख्ती बरतने की बात कही. इस साल २,५०० लाख मछली जीरा वितरण का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब तक सिर्फ १,६४६ लाख जीरा का ही वितरण हो सका है. मंत्री ने इस लक्ष्य को पूरा करने और इसकी रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत करने का आदेश दिया है.

मछलीपालन को बनाया जाएगा मजबूत रोजगार का साधन

धुर्वा स्थित मत्स्य अनुसंधान केंद्र में चल रहे प्रशिक्षण के दौरान मंत्री ने किसानों और महिलाओं से बातचीत की. उन्होंने मछलीपालन को एक मजबूत रोजगार का साधन बताते हुए इसे अपनाने की सलाह दी.

झारखंड सरकार मछलीपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण स्तर पर रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कृतसंकल्पित है

महिला संगठनों ने बनायी निर्भया से अभया तक की मानव श्रृंखला

रांची (एजेंसी): बुद्धिजीवि महिलाएं, डब्लूएएन, नारी शक्ति क्लब, अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन की महिलाओं ने सोमवार को अल्बर्ट एक्का चौक पर मानव श्रृंखला बनाकर निर्भया से अभया तक आयोजित किया. बता दें कि दिल्ली में १६ दिसंबर २०१२ में हुए सामूहिक बलात्कार और हत्या की निर्भया घटना के आज १२ वर्ष हो गए. इस घटना के बाद पूरा देश महिला हिंसा के खिलाफ एकजुट होकर आंदोलन में लग गया. पूरे देश में आंदोलन होने के बाद वर्मा कमीशन बना और रिपोर्ट भी आई. लेकिन नई सरकार आने के बावजूद भी इन १२ वर्षों में महिलाओं के ऊपर होने वाले हिंसा और बर्बरता में ना ही कोई कमी आई और ना हीं वर्मा कमीशन की नसीहतों को लागू किया गया.

महिलाओं की जंग जारी रहेगी

संगठन की महिलाओं ने कहा कि बलात्कारी को फूल माला और मिठाई के साथ स्वागत किया जाने लगा है. न्याय मांगती लड़कियों को सड़क पर घसीटा जाने लगा है. उनको थानों पर घंटों बैठकर उनका रिपोर्ट तक नहीं दर्ज किया जाने लगा है. हमारे देश के प्रधानमंत्री खुद बलात्कारियों के लिए चुनाव प्रचार करने लगे अब ऐसी स्थिति में हम महिलाओं के पास क्या उत्तरदायित्व बचता है. लेकिन हम महिलाएं कब हार मानी हैं. इसीलिए यह जंग जारी है और यह जंग जारी रहेगी. बलात्कारी संस्कृति के खिलाफ यह जंग जारी रहेगी.

निर्भय से अभया तक और यह जंग जारी रहेगी पीड़िता को दोषी ठहरने के खिलाफ. कार्यक्रम में लीना पादम, नंदिता भट्टाचार्य, सीसीलिया, शांति सेन, सिंघी खलखो, एती तिर्की, गीता तिर्की, सुषमा गाड़ी, सपना गाड़ी, सुशील तिग्गा, आकांक्षा, रिया, चांदो गाड़ी, मेदिनी कुजूर, बुधन कुजूर, सुमी उरांव, हीरा मिंज, मेवा लकड़ा, नीलिमा कच्छप, रेजिना, कंचन उरांव, सुनीता कच्छप, सलोमी कच्छप, सुहासिनी महली समेत कई महिलाएं शामिल हुई.

छात्रों पर लाठीचार्ज अमानवीय और निंदनीय : बाबूलाल मरांडी

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झारखंड पुलिस द्वारा छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज की कड़ी आलोचना की है. उन्होंने इसे अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया.

रांची में हुए इस घटना को लेकर मरांडी ने कहा कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बर्बर लाठीचार्ज राज्य सरकार की संवेदनहीनता और दमनकारी प्रवृत्ति को दर्शाता है.

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार लाठी और हिंसा के सहारे लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा, यह लाठीचार्ज केवल छात्रों पर नहीं, बल्कि न्याय की उम्मीद रखने वालों पर हमला है. मरांडी ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे छात्रों की मांगों को संवेदनशीलता से सुनें और सीजीएल परीक्षा को प्रतिष्ठा का मुद्दा न बनाते हुए सीबीआई जांच की सिफारिश करें. उन्होंने कहा कि गरीब और मेहनती छात्रों की मांगों को अनदेखा करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है. भाजपा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सरकार को इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए जल्द से जल्द समाधान निकालना चाहिए.

प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव आड्रे हाउस में आयोजित

रांची (एजेंसी): पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार और नेहरू युवा केंद्र रांची के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को प्रमंडल स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया. जिसमे मुख्य अतिथि के रूप सहायक समाहर्ता आदित्य पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि परियोजना पदाधिकारी डॉ ऋतू राज, शिक्षाविद कमल बोस उपस्थित थे. कार्यक्रम में प्रमंडल के पांच जिला जिसमे रांची, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, सिमडेगा के जिला स्तर युवा उत्सव पर प्रथम विजेताओं, लगभग २५० प्रतिभागियों ने भाग लिया.

प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता में लोहरदगा की राधिका कुमारी, कहानी लेखन में रांची की शिवम् कुमार प्रजापति, विज्ञान मेला में सिमडेगा जिला की टीम, सामूहिक लोकगीत में रांची की निशा रानी समूह, एकल गीत में रांची के अजय महतो, कविता लेखन में गुमला की दीपिका कुमारी, एकल नृत्य में खूंटी के मनीष अलोक, समूह नृत्य खूंटी की संतज जोसफ कॉलेज और पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता गुमला से तुषार पांडे थे.

सभी प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को मेडल सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया एवं सभी निर्णायक मंडली के सदस्यों को सम्मानित किया गया. प्रमंडल स्तरीय विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे. इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य रूप से जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी रोशन कुमार, वीवाई एफ चेयरमैन गौरव अग्रवाल, राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक कौशल किशोर, पर्यटन विशेषज्ञ रौशन, जिला खेल समन्वयक आशीष बनर्जी, मुकेश समेत अन्य लोगों ने भूमिका निभाई.

ग्रीन राशन कार्डधारी के वितरण प्रतिशत में सुधार लाएं डीलर : विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी

रांची (एजेंसी): डीसी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार सोमवार को समाहरणालय सभागार में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी रांची मोनी कुमारी ने सभी डीलर इंचार्ज (वार्ड संख्या १ से ५३) के साथ बैठक की. इस दौरान उन्होंने झारखंड राज्य खाध सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत ग्रीन राशन कार्डधारी का माह जनवरी एवं नवंबर, दिसंबर २०२४ का राशन वितरण में प्रतिशत में सुधार लाने का निर्देश दिया. मोनी कुमारी ने डीलर्स के साथ बैठक करते हुए खाद्य आपूर्ति विभाग के सभी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित रूप से पालन करने का निर्देश दिया. झारखण्ड राज्य खाध सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत खाद्यान उठाव में और अधिक सुधार करने के लिए निर्देश दिया गया.

ई-केवाईसी कार्डधारी का आधार कार्ड से ३ दिनों के अंदर ऑनलाइन सीडिंग कराने का निर्देश सम्बंधित डीलर इंचार्ज को दिया गया.

मोबाइल सीडिंग हर कार्डधारी का कराते हुए इसमें और सुधार लाने के निर्देश दिए गए.

चना दाल/नमक/चीनी/केरोसिन तेल वितरण कि समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द वितरण कराने का निर्देश दिया गया.

सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना कि समीक्षा करते हुए इसका वितरण जल्द से जल्द कराने का निर्देश दिया गया.

पृष्ठ एक का शेषांश

कांग्रेस पार्टी परिवार और---

कैसी-कैसी बातें बोली हैं। राज्यसभा मे विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा- हमारी बहादुर नेता इंदिरा गांधी ने दो टुकड़े करके एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी कराकर भारत देश को बचाया। यह काम आयरन लेडी ने किया। उन्होंने बता दिया था कि, हमारे नजदीक कोई आया तो खैर नहीं्। आज ये दिन आ गया कि बांग्लादेश में संकट है, सरकार उन्हें बचाने की कोशिश करें्। हम सत्ता पक्ष को बताना चाहते हैं कि संविधान हमने भी थोड़ा बहुत पढ़ा है। हम म्यूनिसिपॉलिटी स्कूल में पढ़े हैं, वे जेएनयू में पढ़े हैं्। उनकी इंग्लिश अच्छी हो सकती है। लेकिन हमें भी पढऩा आता है। राज्यसभा में सोमवार को संविधान पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के बीच जमकर तकरार हुआ्। वित्त मंत्री ने कहा- कांग्रेस पार्टी परिवार और वंशवाद की मदद करने के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही।

याचिकाकर्ता से सुप्रीम---

कामत ने कहा, हाईकोर्ट ने कार्यवाही को रद्द कर दिया था, जबकि मामले की जांच अधूरी थी। इस पर बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह देखा कि आरोप आईपीसी की धारा ५०३ (आपराधिक धमकी) या धारा ४४७ (अवैध प्रवेश) के तत्वों को पूरा नहीं करते थे। जब बेंच ने पूछा कि क्या आप उन व्यक्तियों को पहचान पाए हैं, जिन्होंने मस्जिद में प्रवेश किया? तो कामत ने कहा कि राज्य की पुलिस ही इसका जवाब दे सकती है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई जनवरी २०२५ के लिए तय कर दी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि यह समझ से बाहर है कि अगर कोई जय श्रीराम चिल्लाता है तो यह किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को कैसे ठेस पहुंचा सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शिकायत में यह आरोप नहीं था कि इस घटना से सार्वजनिक अशांति या किसी प्रकार का विवाद हुआ हो। शिकायतकर्ता के मुताबिक, यह घटना २४ सितंबर २०२३ को हुई थी और दो लोगों ने मस्जिद में घुसकर धार्मिक नारे लगाए थे और इसके बाद धमकिया दी थीं्। इसके बाद पुत्तूर सर्किल के कडाबा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

गोपीनाथपुर कोलियरी धरना---

पक्षों को रगेदा। इसी बीच कुछ उपद्रवियों ने भाकपा-माले समर्थित निरसा बेरोजगार संघर्ष समिति के टेंट में आग लगा दी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे विधायक अरूप चटर्जी गोपीनाथपुर कोलियरी पहुंचे तो वहां मौजूद गोपीनाथपुर कोलियरी बेरोजगार संघर्ष समिति के समर्थक महिलाओं एवं युवकों ने जमकर विरोध किया तथा विरोध में नारेबाजी की। उन लोगों का आरोप था कि यदि पूर्व में ही विधायक आ जाते तो मारपीट की घटना नहीं घटित होती। और तो और विधायक गांव के लोगों को आपस में ही लड़ने में लगे हुए हैं्। पत्थरबाजी में गोपीनाथपुर कोलियरी बेरोजगार संघर्ष समिति के दुक्खू बेग, गौतम बाउरी, पाचू महतो, सुरेश बाउरी, मनोज सिंह, चिंता देवी, राधिका देवी,संजू राय घायल हो गए हैं्। चिंता देवी का पत्थर बाजी की के दौरान मचे भगदड़ में मोबाइल खो गया।

वहीं निरसा बेरोजगार संघर्ष समिति के रंजन सिंह, व अन्य घायल हैं्। घटना को लेकर विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि निरसा बेरोजगार संघर्ष समिति द्वारा प्रबंधन को पूर्व में ही मांग पत्र सौंपा गया था। परंतु प्रबंधन द्वारा समिति के सदस्यों के साथ वार्ता करना भी उचित नहीं समझा। कंपनी प्रबंधन को सामने आकर धरना दे रहे लोगों से वार्ता करना चाहिए था परंतु वे लोग कार्यालय से नदारत थे।निरसा बेरोजगार संघर्ष समिति के लोग शांतिपूर्वक धरना दे रहे थे। कंपनी के गुंडो द्वारा उन पर हमला किया गया, हवाई फायरिंग की गई तथा धरना के लिए बनाए गए टेंट में आग लगा दी गई्। सारा यह सारा वाक्या पुलिस की मौजूदगी में हुआ्। यह पुलिस की लापरवाही को दर्शाता है। मारपीट एवं पत्थरबाजी में हमारे कई लोग घायल हुए हैं्। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस दोषियों पर कार्रवाई करें्। धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। वही इस संबंध में पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद से निरसा विधानसभा को अशांत करने की साजिश रची जा रही है। निरसा विधानसभा में भय का माहौल बनाया जा रहा है। सिर्फ अपना स्वार्थ सिद्धि के लिए तथा कोयला चोरों को बढ़ावा देने के लिए भाई-भाई को आपस में लड़वाने का काम किया जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक बताएं कि उन्होंने कितने कोलियरियों में चल रहे आउटसोर्सिंग कंपनियों में स्थानीय लोगों को रोजगार दिलवाया। उनके घर के पास चल रहे आउटसोर्सिंग कंपनी में भी उन्होंने स्थानीय मजदूरों को काम नहीं दिलवाने का काम किया। और आज नियोजन का झूठा दिखावा कर भाई-भाई को आपस में लड़वाने का काम कर रहे हैं्। पुलिस प्रशासन दोषियों पर कानूनी कार्रवाई करें वरना उग्र आंदोलन किया जाएगा। पुलिस प्रशासन कोयला चोरी, पशु तस्करी मछली तस्करी पर रोक लगाई वरना भाजपा के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर तस्करी की गाड़ियों को पड़कर पुलिस को सौंपकर प्राथमिकी दर्ज करवाने का काम करेंगे। वही एसडीपीओ रजत मलिक बाखला ने कहा कि धरना प्रदर्शन के दौरान किसी ने पत्थर बाजी शुरू की उसके बाद मामला बिगड़ा। पत्थरबाजी में हमारे पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। दोषियों को चिन्हित कर उन पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

150 वर्ष का हुआ भारत मौसम विज्ञान विभाग, झारखंड मौसम दर्पण और मॉनसून रिपोर्ट झारखंड-2024 का लोकार्पण

रांची (एजेंसी): भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के १५०वें वर्ष के मौके पर रांची स्मार्ट सिटी ऑडिटोरियम में सोमवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल के साथ स्वास्थ विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह और आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा, महानिदेशक आईएमडी मृत्युंजय महापात्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक बाबूलाल, मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर राज्यपाल और विशिष्ट अतिथियों ने झारखंड मौसम दर्पण और मॉनसून रिपोर्ट झारखंड-२०२४ का लोकार्पण किया. साथ ही आईएमडी का थीम सॉन्ग को लॉच किया गया.

कार्यक्रम के अगले चरण में तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया. कोलकाता मौसम केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सोमनाथ दत्त और रांची मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने प्रेजेंटेशन दिया. उन्होंने झारखंड में मौसम सेवाओं और भविष्यवाणी पर जानकारी साझा की. कार्यक्रम के दौरान झारखंड के लिए मौसम और जलवायु सेवाओं पर चर्चा की गयी. इस दौरान मौसम केंद्र की सेवाओं पर स्टेकहोल्डर्स ने फीडबैक दिया. कार्यक्रम में कृषि सिंचाई, विमानन और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञ ने अपनी राय रखी. इस दौरान आईएमडी के रिटायर्ड कर्मचारियों को सम्मानित किया गया.

राज्यपाल ने आईएमडी की १५०वीं वर्षगांठ पर सभी को बधाई दी. कहा कि देश की जलवायु परिवर्तन से अवगत कराने में आपकी बड़ी भूमिका है. पूरा देश इसका लाभ उठा रहा है. आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, कृषि और समुद्र में काम करने वाले सेना, वायु सेना के लिए आप प्रेरणास्रोत है. रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य को सटीक मौसम जानकारी देने का काम किया है. झारखंड में प्री मानसून, पोस्ट मानसून, मानसून ओर शीत ऋतु में कई घटनाएं होती है. जिसकी पूर्व जानकारी मिलने से लोगों को आपदा से बजने में सहयोग मिलना है. पिछले दशक की तुलना में अभी मौसम विभाग की सटीकता बढ़ गयी है. मौसम विभाग रांची के अधिकारी और कर्मचारी २४ घंटे पूर्व मौसम की जानकारी साझा कर रहे है. हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में मौसम विभाग की तकनीक और गुणवत्ता और बढ़ेगी.

92 हजार छात्रों को नहीं मिली छात्रवृत्ति, केंद्र से मिलना है 292 करोड़ रुपये

रांची (एजेंसी): वर्ष २०२३-२४ में ४,८८,७३३ छात्रों को सरकार ने छात्रवृत्ति की राशि उपलब्ध करा दी है. जबकि ९२,२७९ छात्रों का आवेदन जिला स्तर पर स्वीकृत तो हो चुका है, लेकिन भुगतान अभी तक लंबित है. छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति का भुगतान हो. इसके लिए कल्याण विभाग के निदेशक अजय नाथ झा हर १० दिन पर इसकी समीक्षा करते हैं. राहुल कुमार नाम के युवक ने सोशल मीडिया एक्स पर यह कहा कि झारखंड के छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली है. इस पर अजय नाथ झा ने विस्तृत जानकारी देते हुए लिखा है कि राज्य के अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए आवंटन उपलब्ध है. किस जिले में कितनी राशि उपलब्ध है, यह आंकड़ा भी उन्होंने जारी किया है.

बिजली वितरण व स्वचालन में नवीनतम रुझानों और प्रगति पर सेमिनार

रांची (एजेंसी): इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम मेकॉन लिमिटेड ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आईईआई), झारखंड स्टेट चैप्टर (जेएससी) के संयोजन में रांची में बिजली वितरण और स्वचालन में नवीनतम रुझानों और प्रगति पर एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया.

सेमिनार में इंजीनियरों, उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रमुख निर्माताओं और स्वचालन समाधान प्रदाताओं ने भाग लिया. अभियंता केके श्रीवास्तव को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उद्योग में उनके दीर्घकालिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया.

अभियंता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (मेकॉन) एसके वर्मा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने भविष्य के हरित उद्योगों के लिए हरित ऊर्जा की आवश्यकता और विद्युत अनुशासन को इस विषय पर ध्यान देने की बात की.

अभियंता पीके दीक्षित निदेशक (परियोजनाएं), मेकॉन ने हमारे जीवन और उद्योग के लिए कुशल और निर्बाध बिजली वितरण के महत्व को आवश्यक बताया. अभियंता वेद प्रकाश, कार्यपालक निदेशक (डिजिटल रूपांतरण), सेल ने अपने वक्तव्य में सामान्य रूप से उद्योग और विशेष रूप से इस्पात उद्योग में इंडस्ट्री ४.० प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों को लागू करने के महत्व पर जोर दिया. अभियंता केके श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) मेकॉन ने उद्योगों में उत्पादकता, सुरक्षा और दक्षता में सुधार लाने में आज के विद्युत इंजीनियरों की भूमिका की बात की.

आईईआई जेएससी के तत्कालीन अध्यक्ष अभियंता मोहम्मद आई. आलम ने अपने उद्घाटन भाषण में आज के औद्योगिक परिवेश में बिजली वितरण और स्वचालन के महत्व पर प्रकाश डाला.

सेमिनार में एक तकनीकी प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जहां बिजली वितरण और स्वचालन क्षेत्र के कई प्रमुख निर्माताओं ने ब्रोशर और ऑडियो-वीडियो डिस्प्ले के साथ अपने स्टॉल लगाए.

सेमिनार में विद्युत पॉवर वितरण, स्वचालन, फायर डिटेक्शन एवं अलार्म, केबल, इंडस्ट्रियल इलुमिनेशन सोल्यूशन और अभिनव कार्यस्थल डिजाइन संबंधी तीन उप-विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी हुई तथा लगभग पूरी क्षमता से अधिक दर्शक उपस्थित थे.

सर्दी में बिना पानी के ऐसे करें सफाई, नहीं लगेगी ठंड

सर्दियों का मौसम आते ही काम करने में आफत आने लगती है। इस मौसम में घर का काम करना सबसे ज्यादा मुश्किल लगता है। पानी वाले काम और साफ-सफाई करना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। ठंड में पानी को हाथ लगाना बहुत ही मुश्किल लगता है। इस कड़ाके की ठंड में पानी इतना ज्यादा ठंडा हो जाता है कि उसे हाथ लगाने में ही नानी याद आ जाती है। अगर आपको भी इस मौसम में घर की सफाई करने में दिक्कत आती है, तो आज हम आपको ऐसे आसान हैक्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से आप बिना पानी को हाथ लगाए ही घर की सफाई चुटकियों में कर सकते हैं।

डंडे वाले मोप से करें सफाई

अगर आप ठंडे पानी में हाथ डालकर पोछा नहीं लगाना चाहती हैं, तो डंडे वाले मोप से पूरे घर की सफाई करें। इससे आप बिना पानी को छुए ही घर को चकाचक कर सकती हैं। इस पानी में कोई भी होममेड क्लीनर मिलाकर सफाई करें। इससे फर्श के दाग भी साफ हो जाएंगे।

बेबी वाइप्स आएंगी काम

बेबी वाइप्स छोटी-मोटी गंदगी को साफ करने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आप इनका इस्तेमाल टेबल, स्विच बोर्ड या अन्य छोटी सतहों को साफ करने के लिए कर सकते हैं। इसकी मदद से आप पानी वाले कई काम बिना किसी परेशानी के कर सकती हैं।

वैक्यूम क्लीनर

जिन लोगों को पानी से सफाई करने में डर लगता है और झुककर पोंछा लगाने में कमर दर्द की शिकायत होती है, उन्हें वैक्यूम क्लीनर से सफाई करनी चाहिए। ये घर की सफाई का सबसे आसान तरीका है। इससे आप मिनटों में घर के पर्दे, सोफा और फर्श साफ कर पाएंगी।

पानी गरम करें

अगर आपको मजबूरन पानी से सफाई करनी पड़ रही है, तो इस कंडीशन नें आप गरम पानी में नींबू के इस्तेमाल किए हुए छिलकों को मिलाकर उनकी मदद से सफाई कर सकती हैं। इससे आपको काफी कंफर्ट मिलेगा।

माइक्रोफाइबर कपड़ा

माइक्रोफाइबर कपड़े धूल और गंदगी को बेहद आसानी से सोख लेते हैं। इन्हें पानी में भिगोने की जरूरत नहीं होती। बस इन कपड़ों से फर्नीचर, टेबल, खिड़कियां और घर की कई चीजों को आप डीप क्लीन कर सकती हैं। ये न केवल धूल हटाते हैं बल्कि उससे हर चीज बहुत अच्छे से चमक जाती है।

क्या आप भी आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने की सोच रहे हैं....

आईवीएफ ट्रीटमेंट का सक्सेसफुल होना कई बातों पर निर्भर करता है और इससे पहले कपल्स को कई बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। आईवीएफ ट्रीटमेंट में महिला के एग और पुरुष के स्पर्म को एक साथ मिलाकर लैब में फर्टिलाइज किया जाता है और इसके मैच्योर होने पर इसे महिला के गर्भाशय में इंप्लांट कर दिया जाता है। अगर आप भी आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने की सोच रहे हैं जो इससे पहले यह जान लें कि आईवीएफ से पहले कपल्स को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

सबसे पहले प्रक्रिया को समझें

आईवीफए ट्रीटमेंट शुरू करवाने से पहले आप इसकी प्रक्रिया को समझ लें वरना प्रोसेस के दौरान मन में बैठे सवालों से आपका मन बेचैन हो सकता है या आपको डर लग सकता है। आईवीएफ की एक साइकिल पूरी होने में दो हफ्ते लगते हैं। इस प्रोसेस के लिए आपके शरीर में हार्मोंस की मात्रा ठीक होनी चाहिए। दुखी होने पर, एंग्जायटी होने और चिंता में रहने पर आईवीफए ट्रीटमेंट लेने का फैसला न लें।

निर्देशों का पालन करें

आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने के दौरान खानपान, एक्सरसाइज, नींद और दवाओं को लेकर डॉक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। आईवीएफ ट्रीटमेंट के लिए जरूरी सभी दवाओं का समय पर सेवन करना जरूरी है। यह ट्रीटमेंट महंगी होती है इसलिए फाइनेंशियली तौर पर इसके लिए तैयार रहें। आप चाहें तो इंश्योरेंस पॉलिसी भी ले सकते हैं।

स्ट्रेस से बिलकुल दूर रहें

नैचुरली कंसीव न कर पाने पर तनाव होना स्वाभाविक है। मां न बन पाने पर महिलाओं को स्ट्रेस घेर लेता है जिसका असर उनकी सेहत के साथ-साथ फर्टिलिटी पर भी पड़ता है। आईवीएफ लेने से पहले और इसके दौरान, हर तरह के तनाव से दूर रहने की कोशिश करें। ऐसा सोचें कि खुश रहकर आप ट्रीटमेंट के सफल होने के चांसेस को बढ़ा सकती हैं और शिशु को भी स्वस्थ रख सकती हैं। तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें, गाने सुनें और अपनी पसंद का काम करें।

क्या न करें

ट्रीटमेंट को सफल बनाने के लिए धूम्रपान, शराब और ड्रग्स आदि न लें। इस तरह आप आईवीएफ ट्रीटमेंट के सक्सेस रेट को बढ़ा सकती हैं। महिलाओं को प्रेग्नेंसी में या ट्रीटमेंट के दौरान अपनी इच्छाओं को नहीं मारना है। फिट रहें, संतुलित आहार लें और जरूरी विटामिन लेना न भूलें। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह को हल्के में न लें। डॉक्टर की मदद और सलाह के बिना आईवीएफ ट्रीटमेंट को सफल नहीं बनाया जा सकता है इसलिए इस पर ध्यान दें।

सही आईवीएफ सेंटर चुनें

आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप एक सही आईवीएफ सेंटर का चुनाव करें। किसी भी फर्टिलिटी सेंटर में जाने से पहले उसके बारे में अच्छे से पता कर लें। जान लें कि उस सेंटर में क्या सुविधाएं मिलती हैं और वहां पर ट्रीटमेट का सक्सेस रेट क्या है। इसके अलावा सेंटर का स्टाफ भी अच्छा होना चाहिए ताकि आपको ट्रीटमेंट के दौरान कोई दिक्कत न हो।

सर्दियों में घर की सफाई के लिए अपनाएं ये सीक्रेट हैक्स, बिना ज्यादा मेहनत के घर लग सकता है खूबसूरत

सर्दियों में घर की सफाई करने में अक्सर हमें आलस आता है। साथ ही, इस मौसम में ठंड की वजह से हम पानी के संपर्क में आने से बचना चाहते हैं। ऐसे में घर को साफ करने के लिए, आप इन सीक्रेट हैक्स को अपना सकती हैं। इससे टाइम भी बचेगा और ठंड में आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

हम सभी अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहते है। घर को साफ और सलीके से रखने के लिए, मेहनत भी करते हैं। फर्श साफ करना हो, घर की चीजों को करीने से लगाना हो, सामान को जगह पर रखना है या घर के हर कोने को सजाना, अपने आशियाने को खूबसूरत बनाने में हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। लेकिन, सर्दी आते ही आलस की वजह से घर की सफाई करना हमें किसी बड़े टास्क से कम नहीं लगता है। खासकर, पानी से सफाई करने में तो ठंड भी लगती है और बीमार होने के चांसेज भी रहते हैं। ऐसे में हम घर की सफाई के लिए आसान हैक्स ढूंढते हैं, जिनमें पानी में हाथ भी न डालना पड़े और ज्यादा मेहनत भी न लगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही आसान हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से सर्दियों में बिना ज्यादा मेहनत के आपका घर खूबसूरत लग सकता है।

सर्दियों में कम मेहनत में घर की सफाई के आसान हैक्स

- सर्दियों में सेंटर टेबल, डाइनिंग टेबल, रैक्स या अन्य हिस्सों की सफाई करते वक्त, हाथ में सिलिकॉन ग्लब्स पहन सकती हैं। क्लीनर को एक बॉटल में लेकर स्प्रे करें। अगर आप पानी से साफ कर रही हैं, तो इसे भी स्प्रे बोतल में डाल लें।
- हाथो में सिलिकॉन ग्लब्स पहनकर घर के इन हिस्सों को साफ करें। इससे आपके हाथ गीले नहीं होंगे और सफाई भी आसानी से हो जाएगी।
- फर्श को साफ करने के लिए, आप पोंछा लगाने के बजाय वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- पानी से साफ-सफाई करना ठंड में ज्यादा मुश्किल होता है। ऐसे में पहले साफ कपड़े से डस्टिंग करें। जहां धूल ज्यादा लगे या जहां सूखे कपड़े से साफ न हो, वहीं गीले कपड़े का इस्तेमाल करें।
- पानी से होने वाली सफाई को हफ्ते में 1-2 बार दोपहर में करने की कोशिश करें। अगर आप वर्किंग हैं, तो छुट्टी वाले दिन ऐसा कर सकती हैं।
- सोफे और सिटिंग एरिया को अच्छे से साफ करें। इसे करने में वक्त और मेहनत कम लगती हैं लेकिन कोई भी मेहमान जब घर आता है, तो सबसे पहल इसी हिस्से को नोटिस करता है। इसलिए, इसे क्लीन करना बहुत जरूरी है।
- सोफ के कुशन, टेबल और सिटिंग एरिया के आस-पास ज्यादा सामान न रखें ताकि इसे साफ करने में दिक्कत न आए। इसे कोजी और कम्फर्टिंग बनाने की कोशिश करें। इसके लिए आप हैवी कुशन्स, कालीन और कुछ ऐसे बड़े डेकोरेटिव आइटम्स रखें जिन्हें साफ करना भी आसान हो।
- सर्दियों में सफाई करने के लिए सिंथेटिक क्लीनर का उपयोग करें। इससे घर जल्दी और आसानी से साफ होता है।

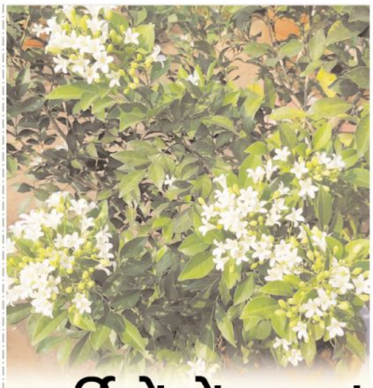

सर्दियों में लगाएं मधुकामिनी का फूल

खुशबू से महक जाएगा घर

सर्दियों के मौसम में मधुकामिनी का पौधा आराम से लग जाता है। ये देखने में जितना खूबसूरत होता है, उतनी ही सुगंधित भी। इस पौधे को आप इंडोर और आउटडोर कहीं भी डेकोरेट कर सकते हैं। आइए जानें घर पर मधुकामिनी का पौधा लगाने का तरीका...

मधुकामिनी का पौधा देखने में जितना खूबसूरत लगता है, उतनी ही इसकी खुशबू जबरदस्त होती है। ऐसी मान्यताएं हैं कि ये पौधा स्वर्ग से धरती पर आया था। ये पौधा खिलने के बाद बहुत ही अच्छी महक फैलाता है। ये हर जगह को अपनी सुगंध से महका देता है। माधुकामिनी के फूल गुच्छे में खिलते हैं। इसे ऑरेंज जैस्मीन के नाम से भी जाना जाता है। ये पौधा बहुत ही अच्छे इंडोर और आउटडोर प्लांट्स की लिस्ट में आता है। इसे आप गार्डन से लेकर बालकनी तक कहीं भी सजा सकते हैं। ये पौधा आपके पूरे घर की शोभा बढ़ा सकता है। अगर आप भी पूरे साल अपने घर को इसकी खुशबू से महकाना चाहते हैं, तो सर्दियों का मौसम इसे प्लांट करने के लिए सबसे बेहतर है। इस फूल की खासियत ये है कि ये पूरे साल फूल देता है। आइए जानें मधुकामिनी का पौधा लगाने का सही तरीका...

नर्सरी से लाकर लगाएं पौधा

- अगर आप घर पर मधुकामिनी का पौधा लगाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप नर्सरी से इसका छोटा सा पौधा लेकर लगा सकते हैं।
- इसके लिए एक अच्छे से गमले का चुनाव करें, जिसमें से पानी की निकासी सही से होती हो। इसमें मिट्टी और कोकोपीट बराबर मात्रा में मिलाकर भरें।
- अब तैयार गमले में सावधानी से नर्सरी से लाए पौधे को लगा लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालें। ध्यान रहे सर्दियों में इसमें ज्यादा पानी डालने की जरूरत नहीं होती।

बीज से उगाएं

- अगर आप खुद ही पूरा पौधा उगाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप बीज की मदद ले सकते हैं। बीज की मदद से भी आप आसानी से पौधा उगा सकते हैं।
- इसके लिए नर्सरी से मधुकामिनी के पौधे के बीज मंगवाएं। बीजों को रातभर पानी में भिगोकर रखें। सुबह इसे टिशू पेपर में लपेट लें।
- अब एक गमले में रेतीली मिट्टी और गोबर खाद को मिक्स कर लें। इसमें थोड़ी सी कोकोपीट भी डाल लें।
- मिट्टी और गमला तैयार होते ही इसमें सूखे हुए बीजों को सावधानी से थोड़ी-थोड़ी दूरी पर मिट्टी में दबा दें। रोजाना इसमें जरूरत के हिसाब से पानी और धूप दिखाएं।

इस तरह करें देखभाल

- इस पौधे को बहुत ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। इस पौधे को बहुत ज्यादा ठंडी हवाओं से बचाना जरूरी होता है।
- पौधे को धूप दिखाना बहुत जरूरी है, तो इसे रोजाना अच्छी धूप में रखें।
- इसे ज्यादा हवाएं चलने पर किसी साफ कपड़े से ढककर रखें।

आपके पास भी है एक से ज्यादा पैन कार्ड तो तुरंत करें सरेंडर

आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने हाल ही में आयकर विभाग के पैन 2.0 प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इसके बाद से लोगों के मन में दो पैन को लेकर सवाल आने लगे हैं कि अगर किसी के पास एक से ज्यादा पैन कार्ड है तो इसे सरेंडर कैसे करना होगा। आइए आज हम आपकी कंफ्यूजन दूर करने के साथ-साथ यहां ऑनलाइन प्रोसेस भी बताएंगे। पैन कार्ड नागरिकों के लिए जरूरी दस्तावेजों में से एक है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने बड़े बदलाव की घोषणा कर दी है। दरअसल, आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में PAN 2.0 परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना का उद्देश्य पैन, टैक्स कटौती और अह जारी करने और मैनेज करने की प्रक्रिया को आसान व सुरक्षित बनाना है। ऐसे में, लोगों के मन में अब एक सवाल यह भी आ रहा है है कि अगर किसी के पास एक से अधिक पैन कार्ड होगा है तो क्या होगा, कितना जुर्माना लगेगा और दूसरे पैन को सरेंडर करने का तरीका क्या है। चलिए हम आपको इसी के बारे में विस्तार से बताते हैं।

एक्स्ट्रा पैन कार्ड रखने पर क्या होता है?

प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड रखने की अनुमति नहीं है। अगर किसी व्यक्ति के पास दो पैन है तो वह जल्द से जल्द अपने पैन को सरेंडर करा लें। वरना इसके लिए आपको जुर्माना भी देन पड़ सकता है। आपको बता दें कि पैन 2.0 प्रोजेक्ट में एक व्यक्ति के एक से अधिक पैन रखने की घटनाएं कम हो सकती हैं। अगर आपने भी एक्स्ट्रा पैन अपने पास रखा है या किसी तरह मिला है तो आपको तुरंत इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी सूचना देकर इसे रद्द कर देना होगा।

कितना देना पड़ सकता है जुर्माना?

दो पैन कार्ड रखने की अनुमति किसी के पास नहीं है। ऐसे में, अगर किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन कार्ड है, तो आयकर अधिनियम की धारा 272बी के अनुसार उनपर 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पैन कार्ड सरेंडर करने की प्रक्रिया?

पैन सर्विस वेबसाइट के मुताबिक, एक्स्ट्रा पैन कार्ड को सरेंडर करवाने के लिए आपको आयकर विभाग के समक्ष पैन चेंज कराने का रिक्वेस्ट देना होगा। इसके साथ आपको वर्तमान पैन नंबर का भी जिक्र करना होगा। इसके अलावा, आपको अनजाने में दिए गए अन्य सभी पैन का नंबर भी बताना होगा। इस फॉर्म के साथ आपको सरेंडर के लिए फॉर्म 11 जमा करना होगा। साथ में, संबंधित सारे पैन कार्ड की एक-एक कॉपी भी जमा करनी होगी।

अति उत्तेजित बच्चे को कैसे शांत करें?

अगर आपको समझ आ गया है आपका बच्चा अधिक उत्तेजित हो गया है लेकिन आप सोच नहीं पा रही कि उसे कैसे संभालें, तो सबसे जरूरी है कि आप उसे तुरंत शांत कमरे में ले जाएं और सुरक्षित व आरामदायक महसूस कराएं। ऐसे कुछ आसान तरीकें हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चे को आराम दे सकते हैं। आइए नीचे दिए गए बिंदुओं के आधार पर समझें।

1. कोशिश करें बच्चे को रोज की पुरानी दिनचर्या में वापस ले जाएं

बच्चों को लगातार होने वाले बदलाव पसंद नहीं होते। इससे वो उलझन में पड़ जाते हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि आगे क्या होगा। ऐसे में बच्चे को उसकी पुरानी दिनचर्या में वापस ले जाने से उनको ठहराव और आरामदायक महसूस होता है। जैसे अगर आपका बच्चा दोपहर में सोना पसंद करता है, तो उसे वही करने दें। इससे वह सुरक्षित महसूस करेगा।

2. थोड़ी देर उसे भीड़ से बाहर ले जाएं

पारिवारिक कार्यक्रमों या भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बहुत शोर और नए लोगों से मिलने पर बच्चा घबराने और उत्तेजित होने लगता है। ऐसे में थोड़ी देर के लिए वहां से निकलकर बच्चे को शांत जगह पर ले जाएं। अगर संभव हो, तो उसे दूध पिलाएं या लोरी गाकर उसे शांत करें। इससे वो जान सकेगा कि वो सुरक्षित हाथों में है और धीरे-धीरे शांत हो जाएगा।

3. उसे तुरंत गले लगाएं

बच्चे उन लोगों की मौजूदगी को जल्दी पहचान लेते हैं जिनके वो आदी होते हैं। अगर बच्चा लंबे समय से नए लोगों से मिल रहा हो, तो उसे कुछ समय के लिए अपनी गोद में ले लें या गले से लगा कर उसका पीठ सहलाएं। अगर मुमकिन हो, तो किसी कमरे में जाकर या अगर शॉपिंग मॉल में हैं तो बेबी केयर रूम में जाकर उसे दूध पिलाएं इससे जब वो आपके स्किन के कॉन्टैक्ट में आएगा तो खुद ही शांत और सहज महसूस करेगा।

4. थोड़ी देर उसे अकेला छोड़ दें

कुछ बच्चों को बार-बार गोद में लेना या पकड़कर रखना पसंद नहीं होता। ऐसे बच्चे खुद से थोड़ा समय बिताना पसंद करते हैं। अगर आपका बच्चा ऐसा है, तो उसे थोड़ी देर अकेले शांत जगह छोड़ दें। आप बस उसे दूर से बिना किसी बातचीत के देखते रहें, ताकि वो आराम कर सके।

5. रोने दें और फिर सुला दें

कई बच्चे तब बेहतर महसूस करते हैं जब वो अपनी परेशानी रोकर निकाल लेते हैं। अगर आपका बच्चा अधिक उत्तेजित हो गया है और रोने लगा है, तो उसे थोड़ा शांत करने की कोशिश न करें और उसे रोने दें। आमतौर पर बच्चे थककर सो जाते हैं और इसके बाद वो बेहतर महसूस करते हैं।

छोटे बच्चों में अति उत्तेजना

कारण, लक्षण और उपचार

जब से बच्चा पैदा होता है, तो चाहे डॉक्टर हो या घरवाले सब यही कहते हैं कि बच्चे से बातें करो, उसे नई-नई चीजें दिखाओ, भले वो अभी बात न करता हो और ये सब उसके लिए अच्छा होता है। इससे बच्चे को अटेंशन मिलता है और उसे अच्छा महसूस होता है। लेकिन अगर बच्चे के साथ बहुत ज्यादा खेलने या बातें करने लगें या उसके आस-पास बहुत शोर हो, तो उसे ऐसे में ओवेरस्टिमुलेशन की समस्या हो सकती है। इसमें बच्चा घबराने और परेशान होने लगता है। ऐसा होने पर बच्चे को थकान और बेचैनी महसूस होती है। इसलिए, ये समझना जरूरी है कि बच्चों के साथ ऐसा क्यों होता है और इस समय अपने बच्चे को कैसे शांत करें।

अति उत्तेजना क्या है?

अति उत्तेजना जिसे अंग्रेजी में ओवरस्टिमुलेशन कहते हैं, यह तब होता है जब बच्चे के आस-पास बहुत सारी चीजें एक साथ होने लगती हैं। छोटे बच्चे हर चीज को बिना किसी फिल्टर के महसूस करते हैं। अगर माहौल शांत हो, तो उन्हें ठीक महसूस होता है। लेकिन जब बहुत सारे लोग, शोर या जगहें बार-बार बदलती हैं, तो बच्चे के दिमाग पर ज्यादा दबाव पड़ता है। इससे बच्चा घबराने लगता है और अगर स्थिति जल्दी संभाली न जाए, तो वो बिना रुके रोने लगता है।

छोटे बच्चों में अति उत्तेजना के कारण क्या होते हैं?

हर बच्चा अलग होता है और हर बच्चे की अपनी अलग जरूरतें होती हैं। जो चीज एक बच्चे के लिए ज्यादा हो जाती है, वही किसी दूसरे बच्चे को शांत कर सकती है। लेकिन आमतौर पर नीचे बताए गए ओवरस्टिमुलेशन के कुछ मुख्य कारण होते हैं-

अगर बच्चे के पास लगातार नए लोग आते जाते रहें और उससे बार-बार बातें करें, तो वह डर सकता है और जल्दी थक सकता है।

जब बच्चे के आसपास बहुत शोर-शराबा या हलचल हो या अचानक तेज आवाजे आएं, तो वो घबरा सकता है।

अगर बच्चे की रोज की दिनचर्या में अचानक कोई बदलाव हो जाए, तो उसे बेचैनी महसूस हो सकती है।

कोई नई एक्टिविटी जो बहुत देर तक चले, जिससे बच्चे को आराम करने का मौका न मिले, तो बच्चा परेशान हो सकता है।

छोटे बच्चों में अति उत्तेजना के सामान्य लक्षण

ज्यादातर बच्चे आसानी से ये जताने लगते हैं कि उनके चारों ओर हो रही चीजें उन्हें परेशान कर रही हैं और वे उसे संभाल नहीं पा रहे। अगर आप इन संकेतों को पहचान लें, तो आप जल्दी समझ सकती हैं कि आपका बच्चा अधिक उत्तेजित हो रहा है।

1. रोने से पहले चेहरा लाल होना

बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को संभालने की कोशिश करते हैं और इसका असर उनके चेहरे पर साफ दिखता है, जैसे वो जोर लगाकर कुछ कर रहे हों। उनका मुंह कस जाता है, चेहरा लाल हो जाता है और वो असहज दिखाई देते हैं। यह एक बड़ा संकेत होता है कि बच्चा माहौल से खुश नहीं है। अगर ऐसे समय पर उससे और बातचीत की जाए, तो वो अचानक से बहुत ज्यादा रोने लगता है।

2. अचानक अजीब हरकतें करना

बच्चों के शुरुआती सालों में उनकी हरकतें वैसे भी थोड़ी अनियमित होती हैं। लेकिन जब बच्चा बहुत ज्यादा उत्तेजित महसूस करता है, तो वो अपने आपको शांत करने और रोना रोकने की कोशिश करता है। इस चक्कर में उसकी हरकतें अजीब होने लगती हैं और वह झटकों के साथ हर चीज करने लगता है। यह आमतौर पर उनके चेहरे पर दिखने वाली कंफ्यूजन से पता चलता है।

3. जल्दी-जल्दी सांस लेना

बच्चों की धड़कनें और सांसें वैसे भी तेज होती हैं, लेकिन ओवरस्टिमुलेशन के समय ये और भी तेज हो जाती हैं। ऐसा लगेगा जैसे बच्चा अभी-अभी दौड़ने के बाद अपनी सांसें लेने की कोशिश कर रहा हो। ऐसे में अगर उसके आसपास का माहौल शांत हो जाए, तो उसकी सांसें धीरे-धीरे सामान्य होने लगती हैं, ये एक पक्का संकेत है कि बच्चा अधिक उत्तेजित हो चुका था।

4. लोगों की नजरों से बचना

अगर बच्चा किसी नई जगह पर जाता है या अजनबियों के बीच हो, तो हो सकता है उसे वहां अच्छा नहीं लग रहा होगा। ऐसे में वो खुद को बचाने के लिए लोगों से नजरें चुराने लगता है। यहां तक कि वो आपसे भी नजरें फेरने लग सकता है। तेज आवाज और बहुत हलचल वाले माहौल में बच्चे अक्सर ऐसा करते हैं।

5. एक जगह लगातार देखना और बातों को अनदेखा करना

जब बच्चे ऐसी जगह पर होते हैं, जहां का माहौल हलचल भरा हो तो कुछ बच्चे अति उत्तेजित हो जाते हैं, और वे कभी-कभी रोने की बजाय उस उत्तेजना से बचने की कोशिश करते हैं। ऐसे में वे एक जगह चुपचाप देखते लगते हैं या अपनी ही दुनिया में खो जाते हैं। इस दौरान वह अपने आसपास की आवाजों या हरकतों को नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार इससे बच्चे को शांति भी मिलती है।

छोटे बच्चों को अति उत्तेजित होने से कैसे बचाएं

ऊपर हमनें जाना अपने बच्चों को उत्तेजित होने पर कैसे शांत करें पर अगर हम कोशिश करें अपने बच्चे को उत्तेजित न होने दें तो ऐसे में बच्चा ज्यादा समय तक शांत और खुश रह सकता है। इसे कुछ आसान तरीकों से किया जा सकता है-

जितना हो सके अपने बच्चे को टीवी, मोबाइल फोन या टैब से दूर रखें। डिजिटल डिवाइस से बच्चे की इंद्रियों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है, और उत्तेजित होने में इनका भी बराबर हाथ होता है। इसलिए इनसे जितना हो सके दूर रखें।

अगर आपका बच्चा खेल रहा है या कोई एक्टिविटी कर रहा है, तो बीच-बीच में उसे आराम करने दें। इससे वो थोड़ा आरामदायक महसूस करेगा और अगर मुमकिन हो, तो उसे थोड़ी देर सुला दें।

जब आप बच्चे को किसी नई जगह लेकर जा रही हों, तो उसका पसंदीदा खिलौना या सिपर बोतल साथ ले जाएं। ये चीजें उसे सुरक्षित महसूस कराने में मदद कर सकती हैं।

अगर आपका बच्चा सुबह या दोपहर या शाम में जिस भी समय शांत रहना पसंद करता है, तो उसे उस समय किसी शोर-शराबे वाली जगह पर न ले जाएं और न ही किसी एक्टिविटी में शामिल करें।

जब आप अपने बच्चे को किसी नई जगह लेकर जाती हैं, तो वहां उसकी हरकतों पर नजर रखें। जैसे ही आपको लगे कि बच्चा परेशान हो रहा है, ऐसे में तुरंत उसके पास जाएं और उसे शांत करें।

बच्चे को अति उत्तेजना से बचाने के फायदें

अगर आपका बच्चा बाहर जाकर भी शांत रहता है और ओवरस्टिमुलेशन से बचा रहता है, तो ये न केवल बच्चे के लिए बल्कि उसके आसपास के लोगों के लिए भी फायदेमंद होता है-

जब बच्चे के साथ नए लोगों की मुलाकात और एक्टिविटीज ठीक से प्लान की जाती हैं, तो नए लोग भी बच्चे के साथ आराम से मस्ती कर सकते हैं और वो भी बिना उसे परेशान किए।

बच्चा धीरे-धीरे अपनी दिनचर्या में ढल जाएगा और किसी भी नए अनुभव के लिए तैयार रहेगा, जिससे उसे बदलाव से घबराहट नहीं होगी।

अगर आप बच्चे को ज्यादा मीठी चीजों से दूर रखते हैं और बेवजह डांटने से बचते हैं, तो वह स्वाभाविक रूप से शांत ही रहता है। मीठी चीजें जैसे चॉकलेट, आइस क्रीम, डोनट्स, डब्बे वाले जूस वगैरह चीजें खाने-पीने से बच्चे अति उत्तेजित हो जाते है क्योंकि यह उन्हें त्वरित ऊर्जा देते हैं। जब बाहर या अनजान जगह पर निकले तो बच्चों को मीठी चीजों के जगह कुछ नमकीन खिलाएं।

अगर आपका बच्चा रोने लगे, तो इससे पूरा माहौल खराब हो जाता है। इसलिए बेहतर है कि रोने की स्थिति को आने ही न दिया जाए और उसे खुश रखें।

जब आपका बांड आपके बच्चे से गहरा होता है तो वह हर परिस्थिति में सहज महसूस करता है।

छोटे बच्चों में अति उत्तेजना को लेकर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

किसी किसी माता-पिता के लिए अति उत्तेजना कोई नई बात नहीं है, लेकिन कुछ नए माता-पिता के मन में इसे लेकर कई सवाल हो सकते हैं जिनके जवाब मिलना उनके लिए बहुत जरूरी हैं।

1. क्या बच्चे का कम उत्तेजित होना संभव है और यह उसे कैसे प्रभावित करता है?

जिस तरह अति उत्तेजना बच्चे को प्रभावित करती है, उत्तेजना की कमी भी उसे प्रभावित करती है। वह ऊब सकता है और किसी का ध्यान आकर्षित करने के लिए वह अधिक रोने लग जाता है।

2. अति उतेजित बच्चा ज्यादा क्यों रोता है?

बच्चे को लगातार उत्तेजित महसूस होने के कारण उसे सोने में परेशानी होती है, या लगातार नई चीजों को महसूस करने के कारण डर का अनुभव होता है। जो कि आमतौर पर बच्चों को रोने और दूसरे से मदद मांगने पर मजबूर करता है।

3. क्या बच्चा अपनी अतिउत्तेजना पर काबू पा सकता है?

जी हाँ, वे ऐसा कर सकता है, लेकिन तब जब वे बड़े हो जाते हैं और कुछ चीजें खुद से करना शुरू कर देते हैं। शुरुआती सालों में बच्चे ओवरस्टिमुलेशन के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

एक बच्चे की देखभाल करना कोई आसान काम नहीं है और खासकर एक परेशान बच्चे को शांत करना और भी मुश्किल होता है। अतिउत्तेजना के लक्षणों पर ध्यान देकर और उन्हें शुरुआत में ही पहचानकर, आप इस बात का ध्यान रख सकती हैं कि आपका बच्चा कैसे अनजान जगह पर सुरक्षित महसूस करे, साथ ही वह एक सुरक्षित और नियंत्रित माहौल में नई चीजों का कैसे अनुभव करे।

विंटर वेकेशन को परफेक्ट बनाने के लिए राजस्थान के इन जगहों पर एडवेंचर एक्टिविटीज का लुत्फ उठाएं

सर्दियां शुरु हो चुकी हैं, ऐसे में आप भी विंटर वेकेशन पर कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप के लिए राजस्थान से कुछ भी नहीं हो सकता है। सर्दियों के समय घूमने के लिए राजस्थान का मौसम सबसे बढ़िया होता है। राजस्थान की खासियत है कि एडवेंचरस एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। एडवेंचर एक्टिविटीज का मजा लेने के लिए आप कपल्स, दोस्तो और फैमिली के साथ जा सकते हैं। आइए जानते हैं राजस्थान में आप कहां-कहां किन एक्टिविटीज का लुत्फ ले सकते हैं।

जैसलमेर में सफारी

विंटर वेकेशन के लिए जैसलमेर सबसे बेहतरीन जगह है। राजस्थान का गोल्डन शहर जैसलमेर में आप रेगिस्तानी सफारी का एक्सपीरियंस कर सकते हैं। यहां पर आप ऊंट की सवारी, लहरदार थार रेगिस्तान को पार करने और टीलों पर लुभावने सनसेट देखने को मिलेगा।

रणथंभौर में टाइगर सफारी

अगर आप रॉयल बंगाल टाइगर को देखना चाहते हैं, तो राजस्थान के रणथंभौर जरुर जा सकते हैं। वाइल्ड लाइफ लवर्स को ये जगह काफी पसंद आएगी। यहां आप अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ जा सकते हैं।

जयपुर में बलून राइड

पिंक सिटी जयपुर में आप हॉट एयर बलून का मजा ले सकते हैं। बता दें कि, अरावली रेंज में स्थापित यह रोमांचकारी सवारी शहर के शाही आकर्षण और प्राकृतिक नजारे का मजा ले सकते हैं।

उदयपुर में बोटिंग

अगर आप बोटिंग करना चाहते हैं, तो आप राजस्थान से लेक ऑफ सिटी उदयपुर जा सकते है। यहां पर आपको बोटिंग एक्सपीरियंस बेहतरीन मिलेगा। सनसेट के दौरान ऐतिहासिक महल और घाट को देखना काफी अलग एक्सपीरियंस होगा।

भानगढ़ फोर्ट

राजस्थान का भानगढ़ फोर्ट ऐतिहासिक खंडहरों और भूत-प्रेत की कहानियों के लिए काफी मशहूर भानगढ़ को देश की सबसे डरावनी जगहों में से एक माना जाता है। किले में एंट्री के लिए चार द्वार है- लाहौरी गेट, अजमेरी गेट, फूलबारी गेट और दिल्ली गेट। यदि आपको भूतियों जगहों को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो आप इन जगहों पर जरुर जाएं।

संक्षिप्त समाचार

ब्लिंकन का बड़ा खुलासा- सीरियाई आंतकी संगठन एचटीएस के संपर्क में अमेरिका, इस पर रखा 830 करोड़ का ईनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सीरिया के दौरे के दौरान बड़ा खुलासा किया है कि अमेरिका, सीरिया के विद्रोही गुटों के संपर्क में है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने आतंकवादी संगठन हयात तहरीर अल-शाम पर 830 करोड़ रुपये का इनाम रखा है। सीरिया में अमेरिका, तुर्की और कतर के बढ़ते दखल और विद्रोही गुटों की गतिविधियों से हालात और जटिल हो गए हैं। एचटीएस पर इनाम और आईएसआईएस की बढ़ती ताकत से सीरिया में सुरक्षा की स्थिति और बिगड़ती दिख रही है। एचटीएस संगठन इदलिब प्रांत में सक्रिय है और इसका नेतृत्व अबू मुहम्मद अल-जोलानी कर रहा है। इस गुट ने सीरिया में सरकार विरोधी संघर्षों को हवा दी है और कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है। अमेरिका ने इसे प्रतिबंधित किया है और इनाम की घोषणा की है। अमेरिका और तुर्की के बीच हुई बातचीत में सीरिया की स्थिति और आतंकवाद के मुद्दे पर चर्चा हुई। तुर्की ने सीरियाई विद्रोहियों को समर्थन देने की बात कही है, जबकि कतर भी इन गुटों के संपर्क में है। तुर्की जल्द ही सीरिया में अपना दूतावास खोलने की तैयारी कर रहा है।

एसएफजे ने फिर भारतीय राजनयिकों को बनाया निशाना, पन्नू ने कहा-यूएस में राजदूत विनय क्वात्रा खालिस्तानी सिखों के रडार पर

वाशिंगटन, एजेंसी । प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने एक बार फिर भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाया है। इस बार अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को धमकी दी गई है। एसएफजे नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि क्वात्रा प्रो-खालिस्तान सिखों के रडार पर हैं। पन्नू ने आरोप लगाया कि भारत, रूस से मदद ले रहा है ताकि खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई की जा सके। रूसी एजेंसियां भारत की खुफिया एजेंसियों को खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ इंटेलिजेंस और लॉजिस्टिक सपोर्ट दे रही हैं। पन्नू ने आरोप लगाया कि भारतीय अधिकारियों ने रूस का दौरा कर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से समर्थन मांगा है। पन्नू ने कहा कि खालिस्तान समर्थक अब अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में भारतीय और रूसी मिशनों पर हमला कर सकते हैं। पन्नू ने धमकी दी कि खालिस्तान समर्थक रूसी राजनयिकों और मिशनों पर भी निशाना साध सकते हैं। इससे पहले मार्च 2023 में सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावा पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला किया था।

गिलगित-बाल्टिस्तान में भूस्खलन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी।पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के स्कर्दू में रोंडो मालुपा के पास रविवार को एक वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे इसमें सवार कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वाहन स्कर्दू से शांगस की ओर जा रहा था तभी अचानक यह गिरते हुए मलबे के नीचे दब गया। पुलिस ने इस घटना को ''भयावह'' करार दिया क्योंकि भारी मात्रा में मलबा गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे उसमें मौजूद लोगों को बचने का मौका नहीं मिला।

जल्द आ रही है मानव के दिमाग की तरह काम करने वाली एआई टेक्नोलॉजी, नौकरियों पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन, एजेंसी।

ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन ने हाल ही में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक में प्रगति धीमी नहीं हो रही है और न ही यह बेहद महंगी है, जैसा कि कुछ लोग मानते हैं, जल्द ही एआई तकनीक ऐसी विकसित होगी, जो मानव मस्तिष्क जैसे सभी काम कर सकेगी। चैटजीपीटी के लॉन्च के बाद से ओपन एआई ने जबरदस्त सफलता हासिल की है और आज इसके हर हफ्ते 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। ओपन एआई का मूल्य 13 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

ओपन एआई के को-फाउंडर रहे एलोन मस्क अब कंपनी के सबसे बड़े आलोचक बन गए हैं। मस्क ने ओपन एआई पर आरोप लगाया है कि वह अपने अलाभकारी मिशन से दूर हट रहा है और अब मुनाफे के लिए काम कर रहा है। मस्क ने इस मुद्दे पर मुकदमा भी दायर किया है। इस पर सैम आल्टमैन ने कहा- मस्क से रिश्तों में बदलाव बहुत दुखद है। हमने ओपन एआई को एक साथ शुरू किया था और मुझे लगता था कि हम बाजार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा करेंगे, न कि कानूनी रास्ते अपनाएंगे।अपने कारोबारी फायदे के लिए राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल अमेरिकी सोच के खिलाफ है और लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। मुझे विश्वास है कि मस्क ऐसा नहीं करेंगे। लेकिन अब दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव देखने को मिल रहा है। आल्टमैन ने इस बारे में कहा- हमारे बीच चुनौतियाँ हैं। ओपन एआई को ज्यादा कंप्यूटिंग पावर और डेटा की आवश्यकता है, जिस कारण तनाव उत्पन्न हुआ है। हमारे कई प्रोडक्ट्स उन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करते हैं, जो हमारी तकनीक पर निर्भर हैं। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट कई मामलों में हमारी मदद करता है। हाल ही में कुछ न्यूज कंपनियों जैसे न्यूयॉर्क टाइम्स ने ओपन एआई और माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन का मुकदमा दायर किया है, क्योंकि इन कंपनियों का दावा है कि उनके कंटेंट का इस्तेमाल एआई मॉडल्स की ट्रेनिंग में किया गया है। इस पर आल्टमैन ने कहा- हमें एक नया समझौता करने की जरूरत है। एक मानक डील हो सकती है, ताकि जो सामग्री एआई सिस्टम को सिखाने में इस्तेमाल हो, उसका उचित उपयोग हो। सैम आल्टमैन ने एआई के भविष्य के बारे में अपनी सोच साझा की। उनका कहना है कि हमारे दिमाग जैसा एआई, जिसे आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस कहा जाता है, बहुत जल्दी आ सकता है। यह वो एआई होगा जो हमारे दिमाग से भी ज्यादा स्मार्ट होगा। हालांकि, इसके विकास के साथ कुछ नौकरियों का खात्मा हो सकता है, लेकिन साथ ही सुपरइंटेलिजेंस का आगमन होगा, जिसकी क्षमता अविश्वसनीय होगी। यदि हम इसे सुरक्षित बनाते हैं, तो भी हमें अपनी सरकारों पर भरोसा करना होगा। ओपन एआई ने पहले एक नॉन-प्रॉफिट कंपनी के रूप में काम करना शुरू किया था, लेकिन अब वह इसे मुनाफा कमाने वाली कंपनी में बदलने की योजना बना रही है। इस पर सैम आल्टमैन ने कहा, मुझे कंपनी की इक्विटी में कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर मुझे इसमें रुचि होती, तो मैं पहले ही कुछ इक्विटी ले सकता था। हालांकि, उनकी सैलरी अब 64 लाख रुपये से अधिक हो गई है और इस पर भी चर्चा जारी है कि वे भविष्य में ओपन एआई के निवेशकों के साथ कोई इक्विटी शेयर करेंगे।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की जटिल ब्रेन सर्जरी, अस्पताल से मिली छुट्टी; बोले- ख्याल रखूंगा

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा की जटिल ब्रेन सर्जरी सफल रही। रविवार को उनको साओ पाउलो के अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल से घर जाने से पहले राष्ट्रपति ने अपनी मेडिकल टीम के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मैं अब पूरी तरह से स्वस्थ हूं और घर लौट रहा हूं। मैं अब अपना ख्याल रखूंगा। उन्होंने सभी का अभिवादन किया।

राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा को पिछले सोमवार को सिर में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसे लेकर राष्ट्रपति ने कहा कि सिर दर्द के दौरान मुझे ऐसा लगा कि जैसे मेरे कदम रुक गए हों। मेरी आंखें लाल हो गई और मुझे बहुत नींद आने लगी। एमआईआर स्कैनिंग के बाद उनके मस्तिष्क की एक झिल्ली में रक्तस्राव पाया गया। मंगलवार को उनके ब्रेन की सफल सर्जरी की गई। डॉक्टरों ने बताया कि अक्तूबर में राष्ट्रपति अपने घर में बाथरूम से गिर गए थे। इस दौरान उनके सिर में चोट लगी थी। यह रक्तस्राव उसी चोट के कारण हुआ था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हृदय रोग विशेषज्ञ रॉबर्टो कलील ने कहा कि राष्ट्रपति को 15 दिन तक आराम करना होगा। इसके बाद वे दोबारा अपना काम शुरू कर सकते हैं। उनको व्यायाम करने के लिए मना किया गया है। एक अन्य चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति लूला के जल्द ठीक होने उम्मीद है।

भारत- बांग्लादेश में 1971 को पाकिस्तान पर विजय के मनाए गए जश्न, मुक्ति संग्राम का हिस्सा रहे सैनिक हुए शामिल

ढाका एजेंसी। भारत और बांग्लादेश में विजय दिवस समारोहों में भाग लेने के लिए 1971 के 'मुक्ति संग्राम का हिस्सा रह चुके आठ भारतीय सैनिक ढाका पहुंचे हैं, जबकि वहां की सेना के आठ अधिकारी कोलकाता पहुंचे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बांग्लादेश के अधिकारियों और ढाका में भारतीय उच्चायोग ने बताया कि दोनों पक्षों के दो-दो सेवारत अधिकारी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं जो ढाका तथा कोलकाता में होने वाले समारोहों में भाग लेंगे। वे रविवार को अपने गंतव्य शहरों में पहुंच गए। बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल में 'मुक्ति योद्धा शामिल थे, जो पूर्वी पाकिस्तान में गुरिल्ला समूह का हिस्सा थे और वहां पाकिस्तानी शासन का विरोध कर रहे थे। विजय दिवस समारोह और दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों की ये यात्राएं तनाव के बीच हो रही हैं।

बांग्लादेश में पांच अगस्त को छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ कथित हिंसा को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति है। हसीना देश से पलायन कर चुकी हैं और उन्होंने भारत में शरण ली है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने किसी भी बड़ी सांप्रदायिक हिंसा से साफ इनकार किया है। बांग्लादेश की आबादी में हिंदू आठ फीसदी है। ढाका में एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, ''पूर्व सैनिकों की ये यात्राएं 1971 में बनी मित्रता की याद दिलाता है।

उन्होंने कहा कि अपने समकक्ष जशीम उद्दीन के साथ विदेश कार्यालय परामर्श के लिए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा नौ दिसंबर को की गयी एक दिवसीय ढाका यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में तनाव कुछ हद तक कम हुआ। मिस्री ने यूनुस और उनके विदेश मंत्री तौहीद हुसैन से भी मुलाकात की। विश्लेषक ने कहा, ''अब पूर्व सैनिकों के दौरों से दोनों देशों की एक-दूसरे के प्रति सद्भावना प्रकट होने की उम्मीद है। भारत और बांग्लादेश दोनों ही देश 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान पर विजय का जश्न मनाते हैं और हर साल एक-दूसरे के युद्ध के नायकों और सेवारत अधिकारियों को दोनों देशों में होने वाले समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं।

न्यूजीलैंड ने भारत के साथ एफटीए पर वार्ता फिर से शुरू करने की जताई इच्छा

वेलिंग्टन, एजेंसी ।

न्यूजीलैंड ने भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने की इच्छा जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों से एफटीए वार्ता ठप पड़ी हुई थी लेकिन अब दोनों देशों के बीच इसे फिर से आगे बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं। इस बारे में कुछ विश्वसनीय सूत्रों ने जानकारी दी है जिन्होंने गोपनीयता की शर्त पर यह बात बताई।

सूत्रों के अनुसार भारत भी न्यूजीलैंड के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करने के लिए इच्छुक है लेकिन कुछ विशेष पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। भारत इस समय अपनी नई व्यापार रणनीति पर काम कर रहा है और उसने व्यापार सौदों पर बातचीत के लिए कुछ मानक संचालन प्रक्रियाओं को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए वार्ता 14 साल पहले शुरू हुई थी लेकिन दोनों देशों के बीच कई विवादित मुद्दों और व्यापारिक मतभेदों के कारण यह बातचीत 10 दौर के बाद ठप हो गई थी। इसके बाद फरवरी 2015 के बाद से कोई औपचारिक वार्ता नहीं हुई है।

दोनों देशों की एफटीए वार्ता की प्रगति चीन समर्थित क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी (आरसेप) समझौते के कारण भी धीमी रही। आरसेप व्यापार समझौता दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों (आसियान) के 10 देशों और उनके पांच साझेदार देशों जैसे न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच है। भारत ने आरसेप पर कई वर्षों की वार्ता के बाद इसे छोड़ दिया था जिसके कारण एफटीए की बातचीत में रुकावट आई।

न्यूजीलैंड एफटीए के माध्यम से भारत के बाजार में अपनी कृषि, वन उत्पाद और शराब जैसे मादक पदार्थों को अधिक पहुंच देने की कोशिश कर रहा है। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि कुछ राजनीतिक संवेदनशील कारणों से डेरी उत्पादों (जैसे दूध, मक्खन और पनीर) को अधिक बाजार पहुंच देना संभव नहीं है। फिर भी न्यूजीलैंड की शराब (वाइन) पर आयात शुल्क में कमी की जा सकती है क्योंकि भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ दो साल पहले हुए एफटीए के बाद वहां से आयातित वाइन पर शुल्क कम कर रहा है।

भारत की मुख्य रुचि सेवा क्षेत्र में अधिक पहुंच प्राप्त करने की है। खासकर भारत कुशल कामगारों के लिए वीजा पर चर्चा को प्रमुख मुद्दा बना रहा है। दोनों देशों के बीच वस्त्रों और सेवाओं का व्यापार बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।

भारत का न्यूजीलैंड के साथ व्यापार पिछले साल 1.75 अरब डॉलर का था। इसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 0.91 अरब डॉलर का निर्यात किया और न्यूजीलैंड से 0.84 अरब डॉलर का आयात किया। हालांकि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने न्यूजीलैंड को वस्तुओं का निर्यात 1.7 प्रतिशत कम किया जबकि आयात में लगभग 30 प्रतिशत की गिरावट आई है।

वेनिस में जेबकतरे: 58 वर्षीय महिला ने पर्यटकों को जागरूक करने का उठाया बीड़ा

वेनिस, एजेंसी ।

वेनिस दुनिया भर में अपने खूबसूरत नहरों, गोंडोला राइड और ऐतिहासिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। हर साल हजारों पर्यटक इस शहर की सुंदरता का आनंद लेने आते हैं। हालांकि, वेनिस में एक और बड़ी समस्या है जो पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बनती है - वह है जेबकतरी। इस समस्या से न केवल पर्यटक बल्कि स्थानीय लोग भी परेशान हैं।

इस समस्या के खिलाफ एक 58 वर्षीय महिला मोनिका पोली ने पर्यटकों को सचेत करने का बीड़ा उठाया है। मोनिका जो पेरिस की निवासी हैं अब वेनिस में जेबकतरे से बचने के लिए पर्यटकों को चेतावनी देती हैं। उनका उद्देश्य शहर में बढ़ती जेबकतरी की घटनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना है।

सूत्रों के अनुसार हाल ही में वेनिस के प्रसिद्ध रियाल्टो ब्रिज के पास जब मोनिका को लगा कि कुछ जेबकतरे भीड़ में सक्रिय हैं तो उन्होंने तुरंत अपनी आवाज़ उठाई। मोनिका ने अटेन्जियोन, पिकपॉकेट! (सावधान जेबकतरों से!) के शब्दों से लोगों को सचेत किया। वह इस चेतावनी को इतालवी, अंग्रेजी और स्पेनिश में जोर से चिल्लाती हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इन चोरों से बच सकें। मोनिका की चेतावनी ने कई पर्यटकों को जेबकतरों से बचने में मदद की है। एक फ्रांसीसी पर्यटक ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, मैं उनका धन्यवाद करता हूं क्योंकि जेबकतरों की समस्या बहुत गंभीर है और उन्होंने हमें सचेत किया। मोनिका स्वयंसेवी समूह सिट्टाडिनी नॉन डिस्ट्रेटी की सदस्य हैं जो वेनिस की सड़कों पर गश्त करते हैं और चोरों की पहचान करते हैं।

द. कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति युन को पुलिस का समन, विपक्ष ने की कोर्ट से जल्द फैसले की मांग

सियोल, एजेंसी।

दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लागू किए जाने के कारण महाभियोग के जरिये राष्ट्रपति पद से हटाए गए युन सूक येओल को पुलिस ने पूछताछ के लिए समन भेजा है। हालांकि, वे पुलिस के समक्ष हाजिर नहीं हुए। पुलिस ने फिर समन भेजने की बात कही है। इस बीच, द. कोरिया के विपक्षी नेता ने येओल को पद से हटाने के संबंध में शीर्ष अदालत से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया है। विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे-म्यांग ने कहा कि अराजकता को कम करने का एकमात्र तरीका त्वरित निर्णय है। एजेंसी

येओल के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर शनिवार को संसद में मतदान हुआ, जिसके समर्थन में 204 व विरोध में 85 वोट पड़े। राष्ट्रपति के तौर पर येओल की शक्तियां तब तक निलंबित रहेंगी, जब तक सांविधानिक अदालत उन्हें पद से हटाने अथवा उनकी शक्तियों

को बहाल करने का फैसला नहीं सुना देती। अदालत के पास यह तय करने के लिए 180 दिन का समय है। कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने रविवार को देश के सहयोगियों व वित्तीय बाजार को भरोसा दिया कि व्यवस्थाएं पहले की तरह काम करती रहेंगी। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से फोन पर वार्ता में कहा कि दक्षिण कोरिया की विदेश व सुरक्षा नीतियां निर्बाध जारी रहेंगी तथा दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच गठबंधन और मजबूत होगा।

ऑस्ट्रेलिया में विदेशी प्रवासियों की संख्या में भारी गिरावट

केपटाउन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में विदेशी प्रवासियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऑस्ट्रेलियन ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (एबीएस) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया में विदेशी प्रवासियों की कुल संख्या घटकर 4,46,000 रह गई, जबकि 2022-23 में यह 5,36,000 थी। कोविड-19 महामारी के बाद देश की सीमाएं खोलने के बाद यह पहली बार इतनी बड़ी गिरावट देखी गई है। भले ही वीजा फीस और अन्य बाधाओं ने प्रवासियों को ऑस्ट्रेलिया से दूर किया हो, लेकिन भारतीय छात्रों का महत्व अब भी बरकरार है। ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों की रुचि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के स्रोत के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करती है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में आने वाले प्रवासियों में भारतीय सबसे आगे हैं। इसका मुख्य कारण है ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों का प्रवेश। 2023-24 में प्रवासी आगमन की संख्या घटकर 6,67,000 रह गई, जो पिछले साल 7,39,000 थी।

अमेरिका से दवा निर्माता कंपनियों अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने उत्पाद मंगाए वापस

वाशिंगटन, एजेंसी।

हाल ही में भारत की प्रमुख दवा निर्माता कंपनियों अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने अमेरिकी बाजार से अपने कुछ उत्पादों को वापस मंगाने की घोषणा की है। यह कदम अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद उठाया गया जिसमें इन उत्पादों में कुछ खामियां पाई गई।

हैदराबाद स्थित अरबिंदो फार्मा की अमेरिकी शाखा अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक ने एक लाख से अधिक बोतलें सिनाकैल्सेट गोलियों की वापस मंगवाने का निर्णय लिया है। यह दवा हाइपरपैराथायरायडिज्म (हाइपरथायरॉयडिज़्म) के इलाज में इस्तेमाल होती है। यूएसएफडीए ने बताया कि इस दवा में एन-नाइट्रोसो सिनाकैल्सेट अशुद्धता की मात्रा मानक से अधिक पाई गई थी जो दवा की गुणवत्ता के लिए खतरनाक हो सकती है। इसलिए कंपनी ने

इन गोलियों को बाजार से वापस मंगाने का फैसला किया। वहीं ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की अमेरिकी शाखा ने भी अपने उत्पाद डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल की लगभग 90,000 बोतलें वापस मंगवाने का आदेश दिया है। इस दवा का उपयोग दिल की धड़कन को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। हालांकि यूएसएफडीए ने इस दवा में कुछ उत्पादन संबंधी खामियों का हवाला दिया है जिसके कारण इसे वापस मंगवाने की प्रक्रिया शुरू की गई। जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक ने अपने उत्पाद एसोमेप्राजोल मैग्नीशियम के 4,404 डिब्बों को वापस मंगवाने का आदेश दिया है। यह दवा पेट से जुड़ी समस्याओं के इलाज के लिए प्रयोग की जाती है। वापस मंगाई जा रही दवाओं में लेबलिंग की गड़बड़ी पाई गई थी जिसके कारण कंपनी ने 14 नवंबर को यह कदम उठाया था। वहीं इन तीनों दवा कंपनियों का यह कदम अमेरिकी बाजार में अपनी दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए है। यूएसएफडीए के मानकों के अनुसार इन उत्पादों में पाया गया कोई भी दोष स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है इसलिए इन्हें वापस मंगाने की प्रक्रिया की गई है। कंपनियां अब इन खामियों को ठीक करने की कोशिश कर रही हैं ताकि उत्पादों को फिर से बाजार में लाया जा सके।

गाबा में कंगारू गेंदबाजों के साथ बारिश ने की टीम इंडिया की हालत खराब

17 ओवर में 51 रन और 4 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के पास तीसरे दिन 394 रनों की लीड

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन में जारी तीसरे टेस्ट मैच का तीसरा दिन समाप्त हो गया है। तीसरे दिन के खेल में टीम इंडिया 4 विकेट पर 51 रन बनाकर मुश्किल स्थिति में हैं। पारी टीम इंडिया की खराब बल्लेबाजी के साथ-साथ बारिश ने भी खूब खेल बिगाड़ा। टीम इंडिया ने खेल के पहले घंटे में ऑस्ट्रेलिया की पारी को 445 रन पर समेट दिया था। इसके बाद टीम इंडिया की बल्लेबाजी शुरू हुई तो कंगारू गेंदबाजों ने ओवरकास्ट कंडीशन का फायदा उठाते हुए शुरुआती विकेट झटकने में सफल रहे। इस तरह टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से पहली पारी में अभी भी 394 रन पीछे है।

भारत के लिए खेल के तीसरे दिन कप्तान रोहित शर्मा के साथ केएल राहुल ने मोर्चा संभाले हुए हैं। रोहित शर्मा 6 गेंद खेलकर अपना खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि राहुल ने मजबूती के साथ बल्लेबाजी करते हुए 64 गेंद में 33 रन बना लिए। इससे पहले टीम इंडिया के लिए यशस्वी जायसवाल (4), शुभमन गिल (1), विराट कोहली (3) और ऋषभ पंत (9) दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाए।

बारिश के कारण खेल रहा प्रभावित

ब्रिस्बेन टेस्ट मैच के पहले दिन से बारिश खेल बिगाड़ने का काम कर रही है। खेल के पहले दिन सिर्फ 13.2 ओवर ही डाले जा सके थे। हालांकि, दूसरे दिन का खेल बिना किसी रुकावट का पूरा हुआ था, लेकिन तीसरे दिन फिर से बारिश ने अपना रंग दिखाया और टीम इंडिया का खेल खराब किया। बारिश के कारण पहली बार खेल को तब रोका गया था जब ऑस्ट्रेलिया का 8वां विकेट गिरा था। इसके टीम इंडिया ने मेजबान टीम को 445 रन के स्कोर पर समेट दिया।

पहले सेशन में ही बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने सिर्फ 6 रन के स्कोर पर अपना दो विकेट गंवा दिया। टीम को तीसरा झटका 22 रन पर लगा। तीसरे विकेट के बाद फिर से बारिश शुरू गई और इसके बाद लंच ब्रेक की घोषणा कर दी गई। लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से खेल शुरू हुआ लेकिन ऋषभ पंत के विकेट के बाद फिर से बारिश के कारण खेल को रोक दिया गया।

टी ब्रेक के बाद सिर्फ 2.5 ओवर का हुआ खेल

तीन बार बारिश की वजह से खेल रुकने के बाद एक बार फिर टी ब्रेक के बाद खेल को शुरू करने का फैसला किया गया। टी ब्रेक से पहले ऑस्ट्रेलिया ने 14.1 ओवर की गेंदबाजी की थी, जिसमें टीम इंडिया ने 4 विकेट पर 44 रन बनाए थे, लेकिन खेल शुरू होने के कुछ देर बाद एक बार फिर से खेल को खराब रौशनी के कारण रोकना बड़ा। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 2.5 ओवर डाले में जिसमें टीम इंडिया ने 7 रन बनाए। इस तरह टीम इंडिया ने खेल के तीसरे दिन की समाप्ति तक 17 ओवर में बिना कोई और नुकसान के 51 रन बना लिए हैं।

बांग्लादेश का ऑलराउंड प्रदर्शन

पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 7 रन से हराया

किंग्सटाउन (सेंट विन्सेंट) (एजेंसी)। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के ऑलराउंड प्रदर्शन से बांग्लादेश ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के रोमांचक पहले मुकाबले में सात रन की जीत के साथ 1-0 की बढ़त बना ली। बांग्लादेश के छह विकेट पर 147 रन के स्कोर का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 12वें ओवर में सात विकेट पर 61 रन बनाकर संकट में थी। कप्तान रोवमैन पावेल ने हालांकि 35 गेंद में पांच चौकों और चार छक्कों से 60 रन की पारी खेलकर टीम को लक्ष्य

के करीब पहुंचाया लेकिन मेजबान टीम 19.5 ओवर में 140 रन पर सिमट गई ।बांग्लादेश के लिए तेज गेंदबाज हसन महमूद (18 रन पर दो विकेट) ने आखिरी ओवर में शानदार प्रदर्शन किया और पावेल को आउट किया और फिर दो गेंद बाद अल्जारी जोसेफ (09) को बोल्ड करके मैच खत्म किया। मेहमान टीम के लिए मेहदी हसन ने 13 रन पर चार विकेट चटकाए।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार 32 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 43 रन बनाकर बांग्लादेश के लिए शीर्ष स्कोरर रहे। निचले क्रम में जाकिर अली (27 गेंदों पर 27 रन), शमीम हुसैन (13 गेंदों पर 27) और महेदी हसन (24 गेंदों पर नाबाद 26) के उपयोगी योगदान से बांग्लादेश ने स्कोर छह विकेट पर 147 रन तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज के लिए अकील हुसैन (13 रन पर दो विकेट) और ओबेद मैकॉय (30 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए।

विश्व चैंपियन गुकेश का चेन्नई पहुंचने पर भव्य स्वागत

चेन्नई (एजेंसी)। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का सोमवार को यहां हवाई अड्डे पर सैकड़ों उत्सुक प्रशंसकों, तमिलनाडु सरकार और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। 18 वर्षीय गुकेश ने पिछले सप्ताह सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराकर सबसे कम उम्र के

विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया और रूस के गैरी कास्परोव के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। स्वदेश लौटने पर गुकेश ने उनका समर्थन करने के लिए सभी का धन्यवाद किया। मीडिया और प्रशंसकों के बीच इस युवा खिलाड़ी को करीब से देखने के लिए लगी होड़ के बीच गुकेश ने कहा, 'यह शानदार है। आपके समर्थन ने मुझे बहुत ऊर्जा दी। विश्व चैंपियनशिप जीतना एक शानदार अहसास है। महान विश्वनाथन आनंद के बाद गुकेश विश्व खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। आनंद ने यहां अपनी अकादमी में इस किशोर के खेल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुश्ताक अली ट्रॉफी फाइनल के दौरान टीवी अंपायर को मांगनी पड़ी माफी

वाइड गेंद पर हो गए कन्फ्यूज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी फाइनल के दौरान टीवी अंपायर को एक बड़ी गलती के लिए माफी मांगनी पड़ी। दरअसल अंपायर ने एक गेंद को वाइड दिया था जिसपर गेंदबाजी कर रही मुंबई टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने रिव्यू ले लिया। थर्ड अंपायर ने टीवी रिप्ले देखने के बाद कहा कि क्योंकि रजत पाटीदार गेंद की दिशा की ओर गए थे तो ऐसे में यह वाइड नहीं है। अंपायर का यह फैसला आने से मप्र के कप्तान रजत पाटीदार नाराज हो गए। उन्होंने ऑन फील्ड अंपायर से बात की और एक बार फिर से रिप्ले चैक करने को कहा। पाटीदार का कहना था कि गेंद पॉपिंग क्रीज से बाहर पिच हुई है। टीवी अंपायर केएन अनंतपद्मनाभन ने जब दोबारा रिप्ले देखा तो उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया। शार्दुल ठाकुर की गेंद को वाइड करार दिया गया। अनंतपद्मनाभन को आधिकारिक प्रसारण पर यह कहते हुए सुना गया- बेहद खेद है, गेंद पॉपिंग क्रीज के बाहर पिच हुई थी। मैंने वह नहीं देखा।

फाइनल मुकाबला मुंबई ने जीता- बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को फाइनल मुकाबला मुंबई और मध्यप्रदेश के बीच खेला गया था, जिसे मुंबई ने अपने मजबूत मध्यक्रम की बदौलत अपने नाम कर लिया। मध्य प्रदेश के पास खिताब जीतने का पहला मौका था लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाए। मध्य प्रदेश ने पहले खेलते हुए कप्तान रजत पाटीदार के 81 रनों की बदौलत 174 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई ने 18वें ओवर में ही जीत हासिल कर ली। मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव और शेड्गे का बल्ला चला। अजिंक्य रहाणे ने 37 रन बनाए। वह 469 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने।

इंग्लैंड को लगा झटका, टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को फिर हैमस्ट्रिंग में लगी चोट

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा जब उसके टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के दौरान एक बार फिर हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। इंग्लैंड क्रिकेट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पुष्टि की कि स्टोक्स को टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच के तीसरे दिन हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। स्टोक्स सेडन पार्क में न्यूजीलैंड के युवा खिलाड़ी रचिन रवींद्र को गेंदबाजी कर रहे थे, तभी उन्होंने अपनी हैमस्ट्रिंग को कसकर पकड़ लिया और उपचार के लिए मैदान से बाहर चले गए। अनुभवी ऑलराउंडर पूरे साल हैमस्ट्रिंग की चोटों से जूझते रहे हैं। अगस्त में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। चोट के कारण वह अक्टूबर में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए थे। चोट की प्रकृति अभी भी अज्ञात है,

और यह देखना बाकी है कि स्टोक्स दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी करने आएंगे या नहीं।

स्टोक्स ने 12.2 ओवर फेंके जिसमें 4.20 की इकॉनमी से 52 रन दिए और दो विकेट चटकाए। दूसरी पारी में विल यंग और विलियम ओ-रुरके को आउट किया। पहली पारी में उन्होंने 24 ओवर फेंके, छह मेडन किए और 3.80 की इकॉनमी से 91 रन दिए। मैट हेनरी पहली पारी में उनका एकमात्र शिकार थे। स्टोक्स के आउट होने पर न्यूजीलैंड ने कुल 453 रन बनाए। पहली पारी में 204 रनों की बढ़त के साथ कीवी टीम ने मेहमानों को 658 रनों का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड ने पारी की शुरुआत में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट को खो दिया। मैट हेनरी ने क्रॉले (5) को स्टंप के सामने पिन करके इसका अनुसरण किया। तीसरे दिन के अंत में इंग्लैंड का स्कोर 18/2 हो गया और जीत से अभी भी 640 रन दूर था।

महिला कमेंटेटर ईशा गुहा ने कहा- 'सबसे मूल्यवान प्राइमेट' चौतरफा विरोध

बुमराह पर 'नस्लीय टिप्पणी' !

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन कमेंट्री के दौरान जसप्रीत बुमराह को नस्लीय रूप से असंवेदनशील टिप्पणी का शिकार होना पड़ा। उक्त टिप्पणी इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा गुहा ने की। कमेंट्री बॉक्स में नाथन मैकस्वीनी और उस्मान ख्वाजा के आउट होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेट ली बुमराह की प्रशंसा कर रहे थे।

ली ने कहा कि बुमराह, आज- 5 ओवर, 2-4। तो, यही लहजा है और आप पूर्व कप्तान से यही चाहते हैं। इस पर गुहा ने बुमराह को 'सबसे मूल्यवान प्राइमेट' बोल दिया। ईशा की इस टिप्पणी से इसलिए विवाद शुरू हो गया क्योंकि प्राइमेट शब्द अक्सर मनुष्य-सदृश जानवर के लिए इस्तेमाल किया जाता है। फैंस को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई है।

यह घटना तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और कई प्रशंसकों ने 2008 के कुख्यात 'मंकीगेट' घोटाले की तुलना की, जहां हरभजन सिंह पर एंड्रयू साइमंड्स ने कथित तौर पर उन्हें 'बंदर' कहने का आरोप लगाया था। इस बीच, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने रविवार को स्वीकार किया कि भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को रोकने में विफल रहे। हेड और स्टीव स्मिथ दोनों ने टीम इंडिया के खिलाफ शतक लगाए जिससे ऑस्ट्रेलिया दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 400 से ज्यादा रन बना चुकी

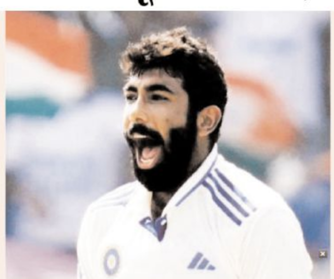

है। मोर्कल ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि सबसे पहले हम कह सकते हैं कि वह (हेड) काफी अच्छी फॉर्म में है। लेकिन मुझे लगता है कि हमारे लिए गेंद, अगर आप इसे 50 से 80 ओवर तक देखें, यहां तक कि आखिरी गेम में भी, जहां हम कम रह जाते हैं, थोड़ा सा (रन) लीक करते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हमें बेहतर होने की जरूरत है। मोर्कल ने कहा कि सुबह के सत्र में तीन विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज लय बरकरार नहीं रख सके। उन्होंने कहा कि आज सुबह गेंद के साथ सबसे पहले, हम बहुत अच्छे थे, 70 रन पर 3 विकेट, लेकिन दो विश्व स्तरीय खिलाड़ी शानदार रहे। स्मिथ लंबे समय तक बल्लेबाजी कर सकता है और रन भी बना सकता है। उन्होंने (स्मिथ और हेड) वहां साझेदारी की और नरम गेंद से हम पर दबाव डाल दिया।

सचिन से सीखो... बुरी तरह फेल कोहली को गावस्कर ने दो लाइन में दिया 'सिडनी वाला ज्ञान'

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत पर्थ में शतक के साथ की थी, लेकिन उसके बाद से लड़खड़ा रहे हैं और अपनी पिछली चार पारियों में 15 रन से अधिक रन बनाने में विफल रहे हैं। गाबा में तीसरे टेस्ट की पहली पारी में सिर्फ 3 रन पर आउट होने से ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की अनुशासित लाइन-लेंथ के सामने उनकी कमजोरी उजागर हुई। कोहली के आउट होने के बाद महान सुनील गावस्कर ने 2003-04 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान सिडनी में तेंदुलकर की ऐतिहासिक नाबाद 241 रन की पारी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें सीखना चाहिए। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली को सलाह दी है कि वे ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर अपनी हाल की परेशानियों से निपटने के लिए 2004 में सिडनी में सचिन तेंदुलकर की शानदार पारी से प्रेरणा लें।

गावस्कर ने कहा- मुझे लगता है कि अभ्यास अलग है, लेकिन मैदान में जो होता है वह अलग है। अगर आप खराब शॉट खेलते हैं तो आप इससे बच सकते हैं। लेकिन मैच में अगर आप आउट हो जाते हैं, तो आप आउट हो जाते हैं। कोहली ने भारत की पारी के लड़खड़ाने के बाद मैदान में कदम रखा। हालांकि, जोश हेज़लवुड ने कोहली को एक वाइड डिलीवरी पर स्टंप के पीछे एलेक्स कैरी के हाथों कैच आउट कराते हुए पवेलियन भेज दिया। यह कोहली के हाल के पैटर्न की याद दिलाता है। ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदों का पीछा करना, अक्सर स्लिप में कैच होना। गावस्कर ने इसकी ओर इशारा करते हुए कोहली को सलाह दी कि वह तेंदुलकर की 2004 की सिडनी पारी पर ध्यान दें। उससे सीखें।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि कोहली शायद यह देख सकते हैं कि

सचिन तेंदुलकर ने 2004 में क्या किया था। पहले तीन टेस्ट मैचों में वह ऑफ-स्टंप के बाहर लाइन पर खेलते हुए आउट हो गए। वह स्लिप, शॉर्ट गली में कैच हो गए। जब वह सिडनी आए तो उन्होंने तय किया कि वह कवर क्षेत्र में कुछ भी नहीं खेलेंगे। वह केवल गेंदबाज के फॉलो-थ्रू और मिड-ऑफ फील्डर के दाईं ओर और दूसरी तरफ बाकी सब कुछ खेलते थे। यही उनका संकल्प है। उन्होंने शायद ही कभी कवर ड्राइव खेला हो। मुझे लगता है कि 200-220 तक पहुंचने के बाद ही उन्होंने एक खेला। गावस्कर ने कहा- आपको इस तरह का मानसिक नियंत्रण रखना चाहिए। 2003-04 की सीरीज के सिडनी टेस्ट में तेंदुलकर ने गजब की वापसी की थी, जबकि उससे पहले कवर ड्राइव लगाने के प्रयास में बार-बार आउट हो गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की रणनीति को पहचानते हुए तेंदुलकर ने अपने खेल से कवर ड्राइव को पूरी तरह से खत्म करने का फैसला किया। तेंदुलकर ने 436 गेंदों पर नाबाद 241 रन बनाए, जिससे भारत ने पारी घोषित होने से पहले 705/7 का विशाल स्कोर बनाया। यह धैर्य आधारित बल्लेबाजी का मास्टरक्लास था, क्योंकि तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण को बेअसर कर दिया और उनकी योजनाओं को विफल कर दिया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह की कातिलाना गेंदबाजी की तारीफ करते हुए उन्हें कीमती बंदर बोल बैठीं। बवाल मचा तो उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका इरादा सिर्फ तारीफ का था, लेकिन इसके लिए शब्द सही नहीं चुने। साथ ही गुहा ने अपने एशियाई मूल का होने का हवाला भी दिया, जिससे इस विवाद को दबाने में आसानी हो। बात भी सही है। उनका इरादा शायद ही ऐसा रहा हो, लेकिन न चाहते हुए भी वह विवाद में फंस गईं। यहां रोचक बात यह है कि बुमराह को बंदर कहने पर नस्लीय टिप्पणी मामले में फंसी ईसा गुहा खुद भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता बंगाल से आते हैं। उनके पिता बरून गुहा और रोमा देब भारत में कलकत्ता (कोलकाता) से थे, जो 1970 में ब्रिटेन जाकर बस गए। अगर वे यूनाइटेड किंगडम नहीं जाते तो शायद नीली जर्सी में ईसा भारतीय टीम के लिए खेली होतीं। खैर, यही तो किस्मत है। ईसा ने इंग्लैंड में अपने भाई के साथ क्रिकेट की शुरुआत की और 13 साल की उम्र में डेवलपमेंट इंग्लैंड की टीम के लिए चुनी गईं। गुहा ने वायकॉम्ब हाई स्कूल में पढ़ाई की। उसके बाद यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन गई जहां उन्होंने बायोकेमिस्ट्री और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (बीएससी स्नातक) और फिर न्यूरोसाइंस (एमफिल) में पढ़ाई पूरी की।

रोचक बात यह है कि ईसा गुहा ने 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के लिए भारत के खिलाफ 2002 में टेस्ट डेब्यू किया। वह इंग्लैंड के लिए खेलने वाली पहली भारतीय मूल की महिला क्रिकेटर बनीं, जबकि इसी साल स्पोर्ट्स पर्सनालिटी ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी जीता।